नई दिल्ली, मंगलवार
11 फरवरी 2025

नेशनल प्रेस टाइम्स

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

नई दिल्ली। (राष्ट्रीय संस्करण) वर्ष : 10, अंक : 325 www.nationalpresstimes.com पृष्ठ : 10 मूल्य : 05 रुपया RNI No : UPHIN/2015/64579

महाकुंभ में महाजाम : मिजार्पुर प्रयागराज हाईवे पर थम गए पहिए...

बढ़ते जाम के कारण हजारों श्रद्धालु सैकड़ों किलोमीटर दूर ही अपने वाहनों में फंसे रह गए

अखिलेश यादव ने सरकार पर साधा निशाना

इस बीच, समाजवादी पार्टी के प्रमुख अखिलेश यादव ने उत्तर प्रदेश सरकार पर इस अव्यवस्था को लेकर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि सरकार को श्रद्धालुओं की कठिनाइयों को ह्लमानवीय दृष्टिकोण सेह्न देखना चाहिए।

उन्होंने मांग की कि महाकुंभ के दौरान पूरे उत्तर प्रदेश में वाहनों को टोल-फ्री कर दिया जाए, जिससे यात्रा में आसानी हो सके और जाम की समस्या कम हो। उन्होंने कहा, ह्लजब फिल्मों को मनोरंजन कर मुक्त किया जा सकता है, तो धार्मिक आयोजन के लिए टोल माफ क्यों नहीं किया जा सकता?

मिजार्पुर। । प्रयागराज जाने वाले मार्ग पर जाम की समस्याएं उत्पन्न हो रही हैं। मिजार्पुर-प्रयागराज हाइवे का एक लेन जाम की चपेट में रहा। रविवार से लेकर सोमवार तक इस मार्ग पर वाहन रेंगते नजर आए।

महाकुंभ प्रयागराज से आने वाले श्रद्धालुओं की भीड़ के कारण रविवार को वाहनों का रेला उमड़ पड़ा। हर तरफ लोग जाम से जूझते रहे। मिजार्पुर-प्रयागराज हाईवे दिन-रात जाम की चपेट में रहा। 24 घंटे में जिले की सड़कों से चार लाख से ज्यादा वाहन गुजरे। घंटों लोग जहां-तहां फंसे रहे।

महाकुंभ पलट प्रवाह के चलते जहां विंध्याचल मंदिर में दर्शन-पूजन का नया रिकार्ड बना तो मिजार्पुर जिले से गुजरने वाले वाहनों का भी रिकार्ड बना। 24 घंटे में प्रयागराज जाने और वहां से आने वाले वाहनों का आंकड़ा चार लाख पार कर गया। इसके कारण प्रयागराज-मिजार्पुर हाईवे पर दिन-रात वाहनों की कतारें लगी रहीं। ऐसे में चंद किलोमीटर का सफर तय करने में लोगों को घंटों लग गए।

शेष पेज 2 पर

कौन होगा दिल्ली का अगला सीएम? आरएसएस के अलावा चयन में बड़ी भूमिका निभा सकते हैं ये फैक्टर

नई दिल्ली । बातचीत में सीएम के अलावा एक संभावित डिप्टी सीएम, दिल्ली विधानसभा के अध्यक्ष और मंत्रिपरिषद की संरचना सहित महत्वपूर्ण पदों के लिए नाम शामिल होंगे। उदाहरण के लिए, ब्राह्मण वोटों ने दिल्ली में भाजपा की जीत में योगदान दिया है, इसलिए, समुदाय को निश्चित रूप से किसी न किसी महत्वपूर्ण पद पर समायोजित किया जाएगा।

70 सदस्यीय दिल्ली विधानसभा में 48 सीटें जीतने के बाद भारतीय जनता पार्टी दिल्ली में अगली सरकार बनाने के लिए पूरी तरह तैयार है। लगभग 27 वर्षों में यह पहली बार होगा कि राष्ट्रीय राजधानी में भगवा पार्टी का कोई मुख्यमंत्री होगा। दिल्ली की आखिरी बीजेपी सीएम 1998 में दिवंगत सुषमा स्वराज थीं। बीजेपी ने दिल्ली विधानसभा चुनाव 2025 के लिए सीएम चेहरे की घोषणा नहीं की थी। दिल्ली बीजेपी प्रमुख वीरेंद्र सचदेवा ने कहा कि पार्टी का केंद्रीय नेतृत्व, जिसमें प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह शामिल हैं, फैसला लेंगे।

हालांकि, सीएम को लेकर कई नामों पर चर्चा तेज है। हालांकि, माना जा रहा है कि भाजपा के मुख्यमंत्री को में जाति एक महत्वपूर्ण मानदंड होगी। पार्टी सूत्रों के अनुसार, इस संबंध में आने वाले सप्ताह में विकास होने की उम्मीद है। रिपोर्टों से पता चलता है कि राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के साथ इस सप्ताह होने वाले निर्णय में जाति एक भूमिका निभाएगी। द इंडियन एक्सप्रेस की एक रिपोर्ट में एक वरिष्ठ भाजपा नेता के हवाले से कहा गया है, "आरएसएस कई कारकों के आधार पर सुझाव देगा, जिसमें एक विशेष जाति या समुदाय के मतदाताओं द्वारा भाजपा को दिया गया समर्थन भी शामिल है।

शेष पेज 2 पर

राज्यसभा में बोलीं सोनिया गांधी- खाद्य सुरक्षा कोई विशेषाधिकार नहीं है, एक मौलिक अधिकार है

नयी दिल्ली। कांग्रेस की वरिष्ठ नेता और पार्टी संसदीय दल की अध्यक्ष सोनिया गांधी ने 14 करोड़ पात्र भारतीयों को खाद्य सुरक्षा कानून के तहत मिलने वाले लाभों से वंचित किए जाने का सोमवार को दावा किया और सरकार से जल्द से जल्द जनगणना कराने की मांग की।

राज्यसभा में शून्यकाल के दौरान इस मुद्दे को उठाते हुए उन्होंने यह भी कहा कि खाद्य सुरक्षा विशेषाधिकार नहीं बल्कि नागरिकों का एक मौलिक अधिकार है। गांधी ने कहा कि खाद्य सुरक्षा अधिनियम के तहत 75 प्रतिशत ग्रामीणों के साथ ही 50 प्रतिशत शहरी आबादी सब्सिडी वाले खाद्यान्न प्राप्त करने की हकदार है।

उन्होंने कहा कि हालांकि लाभार्थियों के लिए कोटा अब भी 2011 की जनगणना के आधार पर निर्धारित किया जाता है, जो अब एक दशक से अधिक पुरानी है।

शेष पेज 2 पर

'मैं अपने दोस्त ट्रंप से मिलने के लिए उत्सुक'

फ्रांस-अमेरिका की यात्रा से पहले बोले पीएम मोदी

नई दिल्ली । प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी चार दिवसीय फ्रांस और अमेरिका दौरे के लिए रवाना हो गए हैं। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के दूसरी बार पद संभालने के बाद अपनी पहली अमेरिका यात्रा को पीएम मोदी ने द्विपक्षीय संबंधों की सफलताओं को आगे बढ़ाने का अवसर करार दिया।

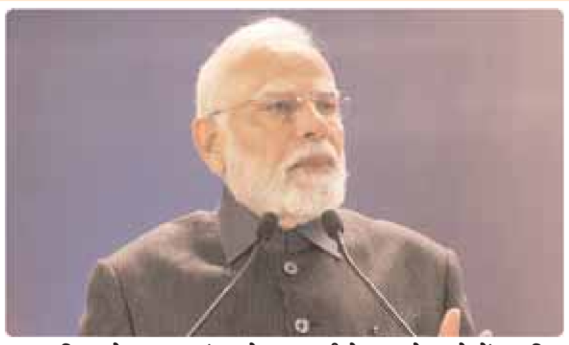

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी फ्रांस और अमेरिका की अपनी चार दिवसीय यात्रा पर रवाना हो गए हैं। फ्रांस में वे अक एक्शन समिट की सह-अध्यक्षता करेंगे। वे फ्रांस के राष्ट्रपति मैक्रों फ्रांस में पहले भारतीय वाणिज्य दूतावास का उद्घाटन करने और अंतर्राष्ट्रीय थर्मोन्यूक्लियर प्रायोगिक रिएक्टर परियोजना का दौरा करने के लिए मार्सिले भी जाएंगे। फ्रांस के बाद वह राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के निमंत्रण पर संयुक्त राज्य अमेरिका की दो दिवसीय यात्रा पर जाएंगे।

ट्रंप के दूसरी बार राष्ट्रपति बनने के बाद अपनी पहली अमेरिका यात्रा को पीएम मोदी ने द्विपक्षीय संबंधों की सफलताओं को आगे बढ़ाने का अवसर करार दिया। पीएम मोदी ने फ्रांस रवाना होने से पहले कहा कि इस यात्रा से प्रौद्योगिकी, व्यापार, रक्षा, ऊर्जा और आपूर्ति श्रृंखला लचीलेपन के क्षेत्रों सहित अमेरिका के साथ भारत की साझेदारी को और ऊपर उठाने और गहरा करने के लिए एक एजेंडा विकसित करने में भी मदद मिलेगी।

पीएम मोदी ने अमेरिका यात्रा को लेकर कहा कि हम दोनों देशों के लोगों के पारस्परिक लाभ के लिए मिलकर काम करेंगे और दुनिया के लिए बेहतर भविष्य को आकार देंगे। उन्होंने कहा कि मैं अपने मित्र राष्ट्रपति ट्रंप से मिलने के लिए उत्सुक हूं। मेरे पास भारत और अमेरिका के बीच व्यापक वैश्विक रणनीतिक साझेदारी के निर्माण में उनके पहले कार्यकाल में एक साथ काम करने की बहुत अच्छी यादें हैं।

वहीं, फ्रांस यात्रा को लेकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि वह राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों के निमंत्रण पर फ्रांस का दौरा कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि वह एआई एक्शन समिट की सह-अध्यक्षता करने के लिए उत्सुक हैं। इसमें वे समावेशी, सुरक्षित और भरोसेमंद तरीके से नवाचार और व्यापक सार्वजनिक भलाई के लिए एआई प्रौद्योगिकी के सहयोगात्मक दृष्टिकोण पर विचारों का आदान-प्रदान करेंगे। शेष पेज 2 पर

'जाने वाली है भगवंत मान की सरकार, पंजाब में होंगे मिड टर्म चुनाव', कांग्रेस नेता सुखजिंदर सिंह रंधावा का दावा

नई दिल्ली । आप के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल मंगलवार को दिल्ली में पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान, राज्य के मंत्रियों और पार्टी विधायकों से मुलाकात करने वाले हैं। इसी को लेकर रंधावा ने कहा कि ये सीएम अब पंजाब में काम नहीं करेंगे। पंजाब की हालत, अर्थव्यवस्था, कानून व्यवस्था सबसे खराब है।

कांग्रेस सांसद और पंजाब के पूर्व उपमुख्यमंत्री सुखजिंदर सिंह रंधावा ने सोमवार को राज्य में मध्यावधि चुनाव की भविष्यवाणी करते हुए दावा किया कि दिल्ली में चुनावी हार के बाद आप विधायक बड़ी संख्या में पार्टी छोड़ देंगे। आप के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल मंगलवार को दिल्ली में पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान, राज्य के मंत्रियों और पार्टी विधायकों से मुलाकात करने वाले हैं। इसी को लेकर रंधावा ने कहा कि ये सीएम अब पंजाब में काम नहीं करेंगे। पंजाब की हालत, अर्थव्यवस्था, कानून व्यवस्था सबसे खराब है।

शेष पेज 2 पर

ममता कुलकर्णी ने छोड़ा किन्नर अखाड़े में महामंडलेश्वर का पद, बोलीं-

'बचपन से ही साध्वी हूं'

नई दिल्ली। पूर्व बॉलीवुड अभिनेत्री ममता कुलकर्णी ने किन्नर अखाड़े के महामंडलेश्वर पद से इस्तीफा दे दिया है। उन्होंने कहा, 'मैं बचपन से साध्वी हूं और आगे भी रहूंगी'।

पूर्व बॉलीवुड अदाकारा ममता कुलकर्णी को बीते दिनों किन्नर अखाड़े की महामंडलेश्वर बनाया गया। उन्होंने प्रयागराज में चल रहे महाकुंभ में जाकर अपना पिंडदान किया था। उनकी पट्टाभिषेक प्रक्रिया के बाद उन्हें यह पद दिया गया। मगर, ममता के महामंडलेश्वर नियुक्त किए जाने के बाद से ही, उनकी नियुक्ति पर सवाल उठ रहे थे। आज सोमवार को ममता कुलकर्णी ने महामंडलेश्वर के पद से इस्तीफा दे दिया है।

न्यूज एजेंसी से बातचीत में ममता ने पद छोड़ने की बात कही है। उन्होंने कहा, 'मैं महामंडलेश्वर यामाई ममता नंदगिरी, मैं इस पोस्ट से इस्तीफा दे रही हूं। किन्नर अखाड़े या दो अखाड़ों में मेरे महामंडलेश्वर के पद को लेकर काफी समस्याएं हो रही हैं। मैं पिछले 25 साल से साध्वी थी और साध्वी ही रहूंगी। यह मुझे महामंडलेश्वर का जो एक सम्मान दिया गया था, वो ऐसा सम्मान होता है, जिसने करीब 25 साल स्विमिंग की हो, उसे कहा जाए कि अब जो बच्चे आएंगे, उन्हें स्विमिंग की जानकारी देना।

शेष पेज 2 पर

दिल्ली सीएम ■ दिल्ली में भाजपा के सीएम, पांच साल में तीन चेहरे और फिर 27 साल का लंबा इंतजार,

सुषमा स्वराज को मिले थे सिर्फ 52 दिन

नई दिल्ली । स्वराज, जो इस पद पर आसीन होने वाली पहली महिला थीं, उनका कार्यकाल सबसे छोटा था, जो केवल 52 दिनों तक चला। 13 अक्टूबर 1998 को सुषमा स्वराज ने साहिब सिंह वर्मा से बागडोर संभाली और दिल्ली की पहली महिला मुख्यमंत्री बनीं।

करीब तीन दशक के इंतजार के बाद आखिरकार दिल्ली में भाजपा का कमल खिल गया है। दिल्ली विधानसभा चुनाव 2025 में भाजपा ने शनिवार को 48 सीटों के साथ जोरदार जीत दर्ज की। अब, भगवा पार्टी के आगामी मुख्यमंत्री को लेकर अटकलें तेज हो गई हैं। भाजपा पहली बार 1993 में दिल्ली में चुनाव जीतने में कामयाब रही थी। पार्टी 1998 तक सत्ता में रही। हालांकि, ये पांच साल उसके लिए काफी उठा-

पटक रही। 1993 से 1998 के बीच अपने पिछले शासन के दौरान भाजपा के तीन मुख्यमंत्री रहे: मदन लाल खुराना, साहिब सिंह वर्मा और सुषमा स्वराज।

स्वराज, जो इस पद पर आसीन होने वाली पहली महिला थीं, उनका कार्यकाल सबसे छोटा था, जो केवल 52 दिनों तक चला। 13 अक्टूबर 1998 को सुषमा स्वराज ने साहिब सिंह वर्मा से बागडोर संभाली और दिल्ली की पहली महिला मुख्यमंत्री बनीं। जनता के आक्रोश, प्याज की बढ़ती कीमतों और आंतरिक कलह की वजह से 1998 में पार्टी को बड़ी हार मिली। हालांकि, जब सुषमा स्वराज को सीएम बनाया गया था उस समय पार्टी को ये लग रहा था कि नया और महिला चेहरा उसके सत्ता विरोधी लहर से उभरने में मदद करेगा। सुषमा स्वराज के मंत्रिमंडल में हर्ष वर्धन, जगदीश मुखी, पूर्णिमा सेठी, देवेंदर सिंह शौकीन, हरशरण सिंह बल्ली और सुरेंद्र पाल रातावल शामिल थे। एक बार वैश्विक प्रकाशनों द्वारा भारत के "सबसे पसंदीदा राजनेता" के रूप में संदर्भित, स्वराज को अपने 52-दिवसीय कार्यकाल के दौरान कई स्तरों पर संघर्ष करना पड़ा। पूर्व भारतीय विदेश मंत्री ने पद संभालने के तुरंत बाद कीमतों को कम करने के प्रयास में प्याज की आपूर्ति बहाल करने के लिए एक समिति का गठन किया।

शेष पेज 2 पर

असम के दरंग जिले में राष्ट्रीय कृमि उन्मूलन दिवस मनाया गया

मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे असम स्वास्थ्य सेवा निर्देशक डॉ. उमेश फांसो

असम। असम के अन्य हिस्सों के साथ-साथ आज दरंग जिले में भी राष्ट्रीय कृमि उन्मूलन दिवस का कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस दिवस के सप्ताह भर चलने वाले कार्यक्रम के अनुरूप, आज उद्घाटन समारोह पश्चिम रंगामाती हायर सेकेंडरी स्कूल में आयोजित किया गया। सप्ताह भर चलने वाला यह कार्यक्रम आज से 17 फरवरी तक चलेगा। उल्लेखनीय है कि स्कूलों और आंगनबाड़ी केंद्रों में 1 वर्ष से 19 वर्ष तक के बच्चों और किशोरियों को कृमिनाशक दवाईयां दिए जाएंगे। दरंग जिले में आयोजित कार्यक्रम में असम सरकार के स्वास्थ्य सेवा निदेशक डॉ. उमेश फांसो मुख्य अतिथि थे और उन्होंने सप्ताह भर तक चलने वाले कार्यक्रम का औपचारिक रूप से उद्घाटन किया। कार्यक्रम का उद्घाटन करते हुए स्वास्थ्य सेवा

निदेशक ने भाषण के संदर्भ में कहा कि कृमि उन्मूलन के लिए दी गई एल्बेंडाजोल की गोलियां सुरक्षित हैं। इसे चबाकर खाना ज्यादा फायदेमंद होता है। कृमि के कारण एनीमिया जैसी बीमारियों से बच्चे और किशोर प्रभावित होते हैं। इसलिए हर छह महीने में दवाइयों का सेवन करना बहुत जरूरी है। छात्रों को संबोधित करते हुए उन्होंने यह भी कहा कि शरीर को पोषक तत्व उस भोजन से मिलते हैं जो कृमि से मुक्त होता है। इसलिए खुद को कृमि मुक्त रखने के लिए दवाइयों के सेवन के साथ-साथ साफ-सुथरा चिकना भी बनाए रखना चाहिए।राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन की ब्लॉक सामूहिक आयोजक दीपशिखा कलिता द्वारा आरंभ किये कार्यक्रम में स्वास्थ्य विभाग के प्रभारी अतिरिक्त जिला आयुक्त गौरीप्रिया देउरी, स्वास्थ्य सेवाओं की संयुक्त निदेशक डॉ. रमेशचंद्र गोस्वामी, अनुमंडल स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. दिव्यज्योति डेका, स्कूल के प्रिंसिपल चक्रधर बोरा, राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के जिला योजना प्रबंधक नयना पराशर, जिला मीडिया विशेषज्ञ जान्हवी शर्मा, जिला सामुदायिक आयोजक मल्लिका देवी, ब्लॉक स्कीम मैनेजर भद्रेश्वर नाथ के साथ जिला और ब्लॉक स्तर के कई अधिकारी और कर्मचारी, स्कूल के सैकड़ों छात्र-छात्राएं व शिक्षक मौजूद थे। इस अवसर पर कई छात्रों को कृमि उन्मूलन के लिए दवाएं दी गईं।

असम के दरंग जिले में राष्ट्रीय कृमि मुक्ति दिवस मनाया गया

नेशनल प्रेस टाइम ब्यूरो

असमः असम के अन्य हिस्सों के साथ-साथ आज दरंग जिले में भी राष्ट्रीय कृमि मुक्ति दिवस का कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस दिवस के सप्ताह भर चलने वाले कार्यक्रम के अनुरूप, आज उद्घाटन समारोह पश्चिम रंगामाती हायर सेकेंडरी स्कूल में आयोजित किया गया। सप्ताह भर चलने वाला यह कार्यक्रम आज से 17 फरवरी तक चलेगा। उल्लेखनीय है कि स्कूलों और आंगनबाड़ी केंद्रों में 1 वर्ष से 19 वर्ष तक के बच्चों और किशोरियों को कृमिनाशक दवाईयां दिए जाएंगे। दरंग जिले में आयोजित कार्यक्रम में असम सरकार के स्वास्थ्य सेवा निदेशक डॉ. उमेश फांसो मुख्य अतिथि थे और उन्होंने सप्ताह भर तक चलने वाले कार्यक्रम का औपचारिक रूप से उद्घाटन किया। कार्यक्रम का उद्घाटन करते हुए स्वास्थ्य सेवा निदेशक ने भाषण के संदर्भ में कहा कि कृमि मुक्ति के लिए दी गई एल्बेंडाजोल की गोलियां सुरक्षित हैं। इसे चबाकर खाना ज्यादा फायदेमंद होता है।

कृमि के कारण एनीमिया जैसी बीमारियों से बच्चे और किशोर प्रभावित होते हैं। इसलिए हर छह महीने में दवाइयों का सेवन करना बहुत जरूरी है। छात्रों को संबोधित करते हुए उन्होंने यह भी कहा कि शरीर को पोषक तत्व उस भोजन से मिलते हैं जो कृमि से मुक्त होता है। इसलिए खुद को कृमि मुक्त रखने के लिए दवाइयों के सेवन के साथ-साथ साफ-सुथरा चिकना भी बनाए रखना चाहिए। राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन की ब्लॉक सामूहिक आयोजक दीपशिखा कलिता द्वारा आरंभ किये कार्यक्रम में स्वास्थ्य विभाग के प्रभारी अतिरिक्त जिला आयुक्त गौरीप्रिया देउरी, स्वास्थ्य सेवाओं की संयुक्त निदेशक डॉ. रमेशचंद्र गोस्वामी, अनुमंडल स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. दिव्यज्योति डेका, स्कूल के प्रिंसिपल चक्रधर बोरा, राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के जिला योजना प्रबंधक नयना पराशर, जिला मीडिया विशेषज्ञ जान्हवी शर्मा, जिला सामुदायिक आयोजक मल्लिका देवी, ब्लॉक स्कीम मैनेजर भद्रेश्वर नाथ के साथ जिला और ब्लॉक स्तर के कई अधिकारी और कर्मचारी, स्कूल के सैकड़ों छात्र-छात्राएं व शिक्षक मौजूद थे। इस अवसर पर कई छात्रों को कृमि मुक्ति के लिए दवाएं दी गईं।

असम के मानस राष्ट्रीय उद्यान में वन्य जीव संरक्षण को सुदृढ़ करने के लिए जांच अधिकारियों को उन्नत प्रशिक्षण

नेशनल प्रेस टाइम ब्यूरो

असम। असम के वन्यजीव अपराध जांचकताओं ने अपराधों से निपटने में कौशल बढ़ाने के लिए असम के अन्यतम राष्ट्रीय उद्यान मानस राष्ट्रीय उद्यान में पांच दिवसीय प्रशिक्षण प्राप्त किया। यह कार्यक्रम प्रभावी वन्यजीव अपराध रोकथाम के लिए उन्नत तकनीकों पर केंद्रित किया गया।यह कार्यक्रम मानस टाइगर रिजर्व के फील्ड निदेशालय द्वारा वाइल्डलाइफ ट्रस्ट ऑफ इंडिया (डब्ल्यूटीआई) और इंटरनेशनल फंड फॉर एनिमल वेलफेयर (आईएफएडब्ल्यू) के सहयोग से आयोजित किया गया था। वन्यजीव संरक्षण प्रयासों को मजबूत करते हुए, छह वन प्रभागों के 27 जांच अधिकारियों ने मानस राष्ट्रीय उद्यान में बांसबाड़ी वन आईबी में यह पांच दिवसीय कठोर पुनश्चर्या प्रशिक्षण कार्यक्रम किया गया था । यह कार्यक्रम अद्यतन वन्यजीव (संरक्षण) अधिनियम, 1972 और आपराधिक कानूनों में नवीनतम संशोधनों के तहत जांच तकनीकों, साक्ष्य संग्रह और वन्यजीव अपराधों को तैयार करने में सुधार करने पर केंद्रित था। इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में प्रतिभागियों को भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता 2023 (इठरर), भारतीय सक्षम अधिनियम 2023 (इरअ) और भारतीय न्याय संहिता 2023 (इठर) सहित प्रमुख कानूनी प्रावधानों पर अपडेट प्राप्त हुए। डब्ल्यूटीआई ने पहली बार अप्रैल 2011 में असम वन विभाग के साथ मानस टाइगर रिजर्व में विशेष कानून प्रवर्तन प्रशिक्षण शुरू किया था। इन वर्षों में, पहल एक संरचित प्रशिक्षण श्रृंखला में विकसित हुई है। दिसंबर 2024 तक, 754 फ्रंटलाइन वन अधिकारियों ने प्रशिक्षण सत्रों के 30 बैचों में भाग लिया था, जिसमें काजीरंगा और ओरंग राष्ट्रीय उद्यानों में आयोजित उन्नत पाठ्यक्रम शामिल थे। प्रशिक्षण के दौरान ग्रेटर मानस रिकवरी प्रोजेक्ट, डब्ल्यूटीआई के प्रबंधक और परियोजना प्रमुख सनातन डेका ने कहा कि ₹इस तरह के प्रशिक्षण फ्रंटलाइन वन कर्मचारियों की क्षमता को मजबूत करने के लिए ग्रेटर मानस परिदृश्य में पिछले 13 वर्षों से डब्ल्यूटीआई के निरंतर प्रयासों का एक हिस्सा हैं। इस अवसर पर मानस टाइगर रिजर्व के मुख्य वन संरक्षक और फील्ड निदेशक आईएफएस अधिकारी डॉ सी रमेश ने कहा कि ह्ययह प्रशिक्षण आपराधिक कानूनों और प्रक्रियाओं के प्रासंगिक वर्गों सहित नवीनतम संशोधनों के अनुसार प्रक्रियात्मक परिवर्तनों पर उनकी क्षमता और ज्ञान का निर्माण करने के लिए हमारे जांच अधिकारियों के कौशल को बढ़ाने के लिए हमारे सतत प्रक्रिया का एक हिस्सा है। उन्होंने कहा कि हमें माननीय अदालतों से कई ऐतिहासिक निर्णय प्राप्त हुए, और इसका श्रेय डब्ल्यूटीआई और आईएफएडब्ल्यू को उनके निरंतर प्रयासों के लिए जाता है। प्रशिक्षण का मार्गदर्शन करने वाले असम वन विभाग के सेवानिवृत्त उप वन संरक्षक भूपेंद्र नाथ तालुकदार ने हाल के कानूनी संशोधनों के कारण अधिकारियों के सामने आने वाली चुनौतियों पर प्रकाश डाला। इस तरह से मानस में आयोजित यह प्रशिक्षण कार्यक्रम सफलतापूर्वक संपन्न हुआ।

पेज एक का शेष...

महाकुंभ में महाजाम : मिजार्पुर प्रयागराज हाईवे पर थम गए पहिए.

विंध्याचल में टोल प्लाजा से ओझला तक, ओझला के आगे नटवा, सेम्फोर्ड स्कूल, शास्त्री पुल होते चील्ह के पुराने बाड़ा तक वाहनों की कतारें अनवरत लगी रहीं।

आईजी आरपी सिंह, एसएसपी सोमेन बर्मा, एएसपी आपरेशन ओपी सिंह, यातायात प्रभारी विपिन पांडेय यातायात यातायात व्यवस्था संभालने में जुटे रहे। सबसे ज्यादा वाहन मध्य प्रदेश, उड़ीसा, बिहार, गुजराज, बंगाल, दिल्ली, छत्तीसगढ़, झारखंड के थे। नेपाल से आने वाली बसें भी जाम में फंसी रहीं।

जिगना–मिजार्पुर–प्रयागराज मार्ग पर रहा रूट डायवर्जन

जिगना–मिजार्पुर–प्रयागराज मार्ग पर वाहनों की भीड़ को देखते हुए रविवार को भी रूट डायवर्जन रहा। मिजार्पुर, रीवा, सोनभद्र, वाराणसी चंदौली, जौनपुर, भदोही की ओर जाने वाले वाहनों को गैपुरा से वाया लालगंज भेजा जा रहा था। उन्हीं यात्री वाहनों को विंध्याचल जाने दिया जा रहा था, जिनमें मां के दर्शन करने थे।

वाहनों को लालगंज मार्ग पर डायवर्ट करते समय मिजार्पुर प्रयागराज मार्ग पर जाम लगता रहा। शास्त्री ब्रिज भी पूरे दिन जाम की चपेट में रहा। गैपुरा चौराहे पर क्षेत्राधिकारी घोरावल राहुल पांडेय, थानाध्यक्ष जिगना शैलेश कुमार राय, थानाध्यक्ष संतनगर जीतेंद्र सरोज व चौकी प्रभारी गैपुरा आनंद शंकर सिंह यातायात व्यवस्था संभालते रहे।

न पार्किंग बनी, न तय हुए रूट, वसूल रहे मनमाना किराया–मिजार्पुर शहर में शहर में बिना कायदे–कानून के चल रहे 10 हजार ई–रिक्शा और तीन हजार ऑटो जाम का सबब बन गए हैं। इनके लिए न तो कहीं पार्किंग बनाई गई है और न रूट तय किए गए। किराये का भी निर्धारण नहीं किया गया। ऐसे में सड़कों पर ही वाहन खड़े कर सवारियां बैठाने की होड़ लगती है, जिसके कारण लोगों को जाम से जूझना पड़ता है।

पिछले पांच साल में साढ़े पांच हजार ई–रिक्शा का पंजीकरण कराया गया है। वहीं, ऑटो यूनियन के लोगों के मुताबिक 10 हजार ई–रिक्शा और तीन हजार के करीब ऑटो संचालित हो रहे हैं। नगरमें वर्ष 2022 में अवैध स्टैंड हटाए गए थे।

पीली कोठी में ऑटो यूनियन को पार्किंग की अनुमति दी गई थी, लेकिन इस साल जनवरी में स्टैंड का नवीनीकरण नहीं हो सका है। घोड़े शहीद, टेड़वा परमापुर, संगमोहाल, बथुआ, पीलीकोठी समेत कई जगह अवैध तरीके से ही वाहन स्टैंड चल रहे हैं। स्टैंड तय न होने से ऑटो और ई–रिक्शा चालक जहां–तहां वाहन खड़े कर सवारियों को बैठाते हैं, जिस कारण जाम लगता है।

पिछले साल वाहनों पर कलर कोडिंग और नंबरिंग करने की योजना बनाई गई थी, ताकि तय रूटों पर इनका संचालन हो सके। इससे समस्या का काफी हद तक जाम की समस्या का निराकरण हो जाता, लेकिन इस योजना को भी अमलीजामा नहीं पहनाया जा सका। अब पुलिस महाकुंभ बीतने के बाद योजना को लागू करने की बात कह रही है।

50 फीसदी ई–रिक्शा पंजीकरण और लाइसेंस नहीं

शहर में चल रहे 50 फीसदी ई–रिक्शा का पंजीकरण ही नहीं कराया गया। साथ ही इनके चालकों के पास लाइसेंस तक नहीं है। बिना रजिस्टर्ड, बिना लाइसेंस के वाहन चलाने वालों की संख्या अधिक है। वहीं, 10 प्रतिशत ई–रिक्शा चालक नाबालिग हैं। लाइसेंस बनाने के लिए कैंप लगाया जाता है, लेकिन बहुत कम संख्या में चालक पहुंचते हैं।

ऑटो और ई–रिक्शा स्टैंड का आवंटन यूनियन को करना था। यूनियन ने मिजार्पुर और विंध्याचल में जमीन किराये पर लेकर स्टैंड चलाने की बात कही थी, पर स्टैंड नहीं बन सका। पीलीकोठी का स्टैंड मिला था, उसका भी नवीनीकरण नहीं हो सका है। – कमलेश चौहान, अध्यक्ष, ऑटो–ई–रिक्शा चालक सेवा समिति

सड़क सुरक्षा की बैठक में नगर पालिका को स्टैंड के लिए जमीन आवंटन की जिम्मेदारी दी गई थी। वाहनों के रूट निर्धारण के लिए कलर कोडिंग और नंबरिंग की योजना बनाई गई है। महाकुंभ के बाद इस योजना के लागू कराया जाएगा। लाइसेंस और पंजीकरण के बिना चलने वाले वाहनों पर कार्रवाई की जाती है। – विपिन पांडेय, यातायात प्रभारी

'मैं अपने दोस्त ट्रंप से मिलने के लिए उत्सुक'

उन्होंने कहा कि यह यात्रा भारत–फ्रांस रणनीतिक साझेदारी के लिए 2047 के रोडमैप पर प्रगति की समीक्षा करने का अवसर भी होगी। साथ ही पीएम मोदी ने यह भी बताया कि मैं मजारगुएस युद्ध कब्रिस्तान में उन भारतीय सैनिकों को भी श्रद्धांजलि अर्पित करूंगा जिन्होंने प्रथम और द्वितीय विश्व युद्ध के दौरान अपने प्राणों की आहुति दी थी।

राज्यसभा में बोलीं सोनिया गांधी- खाद्य सुरक्षा कोई विशेषाधिकार नहीं है, एक मौलिक अधिकार है

उन्होंने कहा, स्वतंत्र भारत के इतिहास में पहली बार जनगणना में 4 साल से अधिक की देरी हुई है। मूल रूप से यह 2021 के लिए निर्धारित थी लेकिन अब भी इस बात पर कोई स्पष्टता नहीं है कि जनगणना कब आयोजित की जाएगी।

गांधी ने कहा कि बजट आवंटन से पता चला है कि जनगणना इस वर्ष भी कराए जाने की संभावना नहीं है। उन्होंने कहा, ह्यइस प्रकार लगभग 14 करोड़ पात्र भारतीयों को खाद्य सुरक्षा कानून के तहत उनके उचित लाभों से वंचित किया जा रहा है। यह जरूरी है कि सरकार जल्द से जल्द जनगणना कराने को प्राथमिकता दे और यह सुनिश्चित करे कि सभी पात्र व्यक्तियों को खाद्य सुरक्षा कानून के तहत गारंटीकृत लाभ प्राप्त हों।

उन्होंने कहा, ह्यखाद्य सुरक्षा कोई विशेषाधिकार नहीं है, एक मौलिक अधिकार है।ह्व उन्होंने कहा कि संयुक्त प्रगतिशील गठबंधन (संप्रग) सरकार द्वारा पेश किया गया राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अधिनियम एक ऐतिहासिक पहल थी, जिसका उद्देश्य 140 करोड़ आबादी के लिए खाद्य और पोषण सुरक्षा सुनिश्चित करना था।

उन्होंने कहा कि इस कानून ने लाखों कमजोर परिवारों को भुखमरी से बचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई, खासकर कोविड 19 महामारी के संकट के दौरान तथा इसी अधिनियम ने प्रधानमंत्री गरीब कल्याण अन्न योजना को आधार प्रदान किया। सोनिया गांधी की ओर से उठाए गए इस मुद्दे को कांग्रेस सहित कुछ अन्य दलों के सदस्यों का भी समर्थन मिला और उन्होंने इस मुद्दे से खुद को संबद्ध किया।

'जाने वाली है भगवंत मान की सरकार, पंजाब में होंगे मिड टर्म चुनाव', कांग्रेस

नेता सुखजिंदर सिंह रंधावा का दावा

सुखजिंदर सिंह रंधावा ने कहा कि अब उन्हें (आप) समझ आ गया है कि दिल्ली में उनका काम खत्म हो गया है। पंजाब में जल्द ही मध्यावधि चुनाव होंगे और कांग्रेस अपने दम पर चुनाव लड़ेगी। उन्होंने कहा कि उनके (आप) विधायक सभी पार्टियों के संपर्क में हैं। हम सब उनके संपर्क में हैं। मध्यावधि चुनाव होने वाला है। भगवंत मान न कांग्रेस में जाएंगे, न बीजेपी में, घर जाएंगे। आम आदमी पार्टी (आप) के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल मंगलवार को दिल्ली में पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान, राज्य के मंत्रियों और पार्टी विधायकों से मुलाकात करेंगे।

यह बैठक दिल्ली विधानसभा चुनावों में आप की करारी हार और पार्टी की पंजाब इकाई में बढ़ते असंतोष की अटकलों के बीच हो रही है। हालांकि, ह्यआपह्व सांसद मलविंदर सिंह कंग ने असंतोष की खबरों को तवज्जो न देते हुए मंगलवार की बैठक को ह्यनियमित रणनीति सत्रह्व करार दिया। उन्होंने कहा, ह्यपार्टी में इस तरह की प्रक्रिया आम है। भविष्य की रणनीति बनाने के लिए सभी इकाइयों से फीडबैक लिया जाता है। पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान और आप विधायक, अरविंद केजरीवाल से मिलकर आगे की रणनीति पर चर्चा करेंगे।

'बचपन से ही साध्वी हूं'

लेकिन, इस पर बहुतों को आपत्ति हो गई'।

ममता कुलकर्णी आगे कह रही हैं, 'मैं काफी वक्त तक बॉलीवुड से दूर रही हूं। मैंने 25 साल से फिल्मी दुनिया छोड़ी हुई है। नहीं, तो फिल्मों से, मेकअप से इतना दूर कौन रहता है? मेरी काफी चीजों को लेकर लोगों के सवाल हैं, प्रतिक्रियाएं हैं। मैंने देखा कि मेरे महामंडलेश्वर होने से शंकराचार्य से लेकर काफी लोगों को आपत्ति है।'

बोलीं– 'चंडी का संकेत है बाहर निकलने का'

ममता ने आगे कहा, 'मेरे जो गुरू हैं, जिनके सानिध्य में मैंने घोर तपस्या की है, उनका नाम है चैतन्य गगनगिरी महाराज। वे सिद्ध महापुरुष थे। उनकी बराबरी में कोई मुझे नहीं दिखता। मैंने उनके सामने 25 साल टॉप किया है। मुझे कहीं कैलाश जाने, मानसरोवर जाने की जरूरत नहीं। सब ब्रह्मांड मेरे सामने हैं। 25 साल मैंने घोर तपस्या की है। लेकिन, आज सबको आपत्ति हो गई है। हिमांगी हों या कोई भी, उनके बारे में मैं नहीं बोलूंगी ज्यादा। मैं बस यही कहूंगी कि मैंने कुछ नहीं किया। यह सब चंडी है, जिनकी मैंने घोर आराधना की है। अब वही हैं, जो मुझे संकेत दे रही हैं कि मुझे इससे बाहर निकलना चाहिए'।

कौन होगा दिल्ली का अगला सीएम? आरएसएस के अलावा चयन में बड़ी भूमिका निभा सकते हैं ये फैक्टर

बातचीत में सीएम के अलावा एक संभावित डिप्टी सीएम, दिल्ली विधानसभा के अध्यक्ष और मंत्रिपरिषद की संरचना सहित महत्वपूर्ण पदों के लिए नाम शामिल होंगे। उदाहरण के लिए, ब्राह्मण वोटों ने दिल्ली में भाजपा की जीत में योगदान दिया है, इसलिए, समुदाय को निश्चित रूप से किसी न किसी महत्वपूर्ण पद पर समायोजित किया जाएगा। यही स्थिति जाट और पंजाबी मतदाताओं के साथ भी है, और इसलिए सीएम और डिप्टी सीएम भी इन समुदायों से हो सकते हैं।

एक अन्य वरिष्ठ नेता के अनुसार, प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी ने शनिवार को अपने विजय भाषण में कहा था कि राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र का गठन करने वाले सभी तीन राज्यों - दिल्ली, हरियाणा और उत्तर प्रदेश - में अब भाजपा सरकारें हैं, और बुनियादी ढांचा परियोजनाओं को बढ़ावा देने का वादा किया है, सीएम के संबंध में निर्णय उस संदेश को लागू करने की कोशिश कर सकता है। उदाहरण के लिए, पार्टी के पास पहले से ही राजस्थान और महाराष्ट्र में ब्राह्मण सीएम हैं, हरियाणा में एक ओबीसी और उत्तर प्रदेश में एक क्षत्रिय। जाति और समुदाय के संतुलन की आवश्यकता होगी। भाजपा में प्रमुख पदों पर समुदाय की कमी को देखते हुए एक जाट नेता दिल्ली के अंतिम सीएम चेहरे के रूप में उभर सकता है।

इस सप्ताह राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा के नेतृत्व में 11 सदस्यीय संसदीय बोर्ड की बैठक के बाद पार्टी दिल्ली के मुख्यमंत्री को चुनने की प्रक्रिया के लिए दो पर्यवेक्षकों की नियुक्ति कर सकती है। शीर्ष पद के लिए जिन नामों की चर्चा चल रही है उनमें जाट नेता परवेश वर्मा भी शामिल हैं, जो चुनाव में नई दिल्ली सीट से पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल को हराकर एक बड़े हत्यारे के रूप में उभरे। बनिया समुदाय से विजेंदर गुप्ता जो रोहिणी से जीते, अरविंदर सिंह लवली जो गांधी नगर से जीते; मंगोल पुरी से जीतने वाले दलित नेता राज कुमार चौहान, ग्रेटर कैलाश से आप मंत्री सौरभ भारद्वाज को हराने वाली ठाकुर शिखा रॉय और मालवीय नगर से सोमनाथ भारती को हराने वाले ब्राह्मण सतीश उपाध्याय मुख्यमंत्री पद के अन्य शीर्ष दावेदारों में से हैं।

सुषमा स्वराज को मिले थे सिर्फ 52 दिन

रिपोर्ट्स के मुताबिक, स्वराज ने पूरी दिल्ली में प्याज पहुंचाने के लिए गाड़ियां भी लगाईं। भले ही उन्होंने मुद्रास्फीति को नियंत्रण में रखने के लिए संघर्ष किया था, लेकिन उनके संक्षिप्त शासनकाल का भाजपा की संभावनाओं पर कोई बड़ा प्रभाव नहीं पड़ा। 25 नवंबर 1998 को आयोजित दूसरी विधान सभा में कांग्रेस 52 सीटों के साथ विजयी हुई। सबसे पुरानी पार्टी अगले 15 वर्षों तक दिल्ली पर शासन में रही। कांग्रेस की शीला दीक्षित लगातार तीन बार सीएम रहीं।

मदन लाल खुराना, साहिब सिंह वर्मा –दिल्ली विधानसभा का पहला चुनाव नवंबर 1993 में हुआ था। 49 सीटों के साथ भाजपा सबसे बड़ी पार्टी बनकर उभरी और मुख्यमंत्री मदन लाल खुराना के नेतृत्व में सरकार बनी। "दिल्ली का शेर" के नाम से मशहूर खुराना एक लोकप्रिय नेता थे जिन्होंने दिल्ली में पार्टी को मजबूत करने के लिए काम किया। हालाँकि, वह अपना कार्यकाल पूरा करने में असमर्थ रहे। जैन हवाला घोटाले में उनका नाम आने के बाद भ्रष्टाचार के आरोपों के बाद उन्हें 27 महीने बाद शीर्ष पद छोड़ना पड़ा। उनके इस्तीफे के बाद, साहिब सिंह वर्मा 27 फरवरी, 1996 को दिल्ली के दूसरे भाजपा सीएम बने।

उस समय खुराना और वर्मा के बीच सत्ता संघर्ष की खबरें थीं। अपने कार्यकाल के दौरान, वर्मा आर्थिक समस्याओं से जूझते रहे, जैसे प्याज की बढ़ती कीमत और बिजली और पानी का संकट, खासकर दिल्ली में गैर–अनुमोदित कॉलोनियों में। जनता इन समस्याओं को हल करने में असमर्थ होने के कारण भगवा पार्टी से असंतुष्ट थी, और अंततः 1998 में विधानसभा चुनाव से कुछ महीने पहले वर्मा को इस्तीफा देना पड़ा। वर्मा ने दो साल और 228 दिनों तक शीर्ष पद पर कार्य किया।

रूस की साउदर्न फेडरल यूनिवर्सिटी के प्रतिनिधिमंडल ने एमआईईटी का किया दौरा

एनपीटी ब्यूरो

मेरठ। मेरठ इंस्टीट्यूट ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी (एमआईईटी) में रूस की साउदर्न फेडरल यूनिवर्सिटी के प्रतिनिधिमंडल ने दौरा कर छात्रों और शिक्षकों के साथ संवाद किया। इस शैक्षणिक यात्रा का उद्देश्य शैक्षणिक सहयोग को सुदृढ़ करना, शोध के नए अवसर तलाशना और वैश्विक शिक्षा साझेदारी को मजबूत करना था।

प्रतिनिधिमंडल में डॉ. वासिली काला्चेव (डीन, इंस्टीट्यूट ऑफ मैथमेटिक्स, मैकेनिक्स और कंप्यूटर साइंस) और डॉ. ओलेग क्रावचेंको (एसोसिएट प्रोफेसर एवं विभागाध्यक्ष) शामिल थे। उन्होंने एमआईईटी के छात्रों को रूस की उच्च शिक्षा प्रणाली, अनुसंधान के नवीन क्षेत्रों और अंतरराष्ट्रीय करियर अवसरों से अवगत कराया।

इस अवसर पर एमआईईटी के वाइस चेयरमैन पुनीत अग्रवाल, कैम्पस डायरेक्टर डॉ. संजय सिंह, डीन एकेडमिक्स डॉ. संजीव सिंह, वाइस प्रेसिडेंट (सीएसआर) डॉ. विभूति शंकर और एसोसिएट डायरेक्टर (प्लेसमेंट) मोहन प्रसाद के साथ बैठक आयोजित की गई। बैठक में संयुक्त शोध परियोजनाओं, स्टूडेंट एक्सचेंज, फैकल्टी एक्सचेंज और पाठ्यक्रम उन्नयन पर गहन चर्चा हुई।

प्रतिनिधिमंडल ने 200 से अधिक छात्रों के साथ संवाद कर अंतरराष्ट्रीय करियर, उच्च शिक्षा और शोध सहयोग के विभिन्न पहलुओं पर विचार-विमर्श किया। इसके बाद एक ओलंपियाड टेस्ट का भी आयोजन किया गया, जिसमें छात्रों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया।

रूसी प्रतिनिधियों ने एमआईईटी की अत्याधुनिक प्रयोगशालाओं और नवाचार केंद्रों का दौरा किया, जिनमें एआईसीटीई आइडिया लैब, एसीआईसी एमआईईटी मेरठ फाउंडेशन और एमआईईटी इनक्यूबेशन फोरम प्रमुख रहे। इस दौरान उन्होंने छात्रों और शोधकताओं से बातचीत कर उनकी नवाचार और अनुसंधान गतिविधियों को करीब से समझा।

दौरे के समापन समारोह में शैक्षणिक और सांस्कृतिक आदान-प्रदान हुआ, जिससे दोनों संस्थानों के बीच आपसी सहयोग को और अधिक मजबूती मिली। वाइस चेयरमैन पुनीत अग्रवाल ने इस अवसर पर कहा कि यह दौरा भारत-रूस के शैक्षणिक संबंधों को और सशक्त करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल है। वहीं, डॉ. वासिली काला्चेव ने एमआईईटी के शैक्षणिक माहौल की सराहना करते हुए कहा कि संयुक्त अनुसंधान और छात्र विनिमय कार्यक्रमों के माध्यम से दोनों संस्थान एक नई ऊंचाई पर पहुंच सकते हैं।

यह दौरा भारत और रूस के उच्च शिक्षण संस्थानों के बीच मजबूत अकादमिक सहयोग की नींव रखता है और दोनों देशों के छात्रों तथा शोधकताओं के लिए नए और व्यापक शैक्षणिक अवसरों के द्वार खोलता है।

भारत स्काउट और गाइड के सहायक लीडर ट्रेनर रोवर डॉ महेश कुमार मुछाल के दिगंबर जैन महाविद्यालय के प्राचार्य बनने पर कालेज में खुशी की लहर

सुरेंद्र मलानिया

बड़ौत/बागपत-भारत स्काउट और गाइड के सहायक लीडर ट्रेनर रोवर डॉ महेश कुमार मुछाल के दिगंबर जैन महाविद्यालय के प्राचार्य बनने पर राष्ट्रपति अवार्डेड जिला ट्रेनिंग काउंसलर रवि कुमार एवं नीतू आशीष शर्मा आदि ने डॉ0 मुछाल को बुके देकर सम्मानित किया एवं आशीर्वाद लिया' मेरे गुरुजी डॉक्टर मुछाल भारत स्काउट गाइड नई दिल्ली के राष्ट्रीय प्रशिक्षक है इन्होंने राष्ट्रीय स्तर पर नेशनल लेवल के कई शिविर जम्मू कश्मीर ऋषिकेश हरिद्वार शीतला खेत शुक्रताल मुजफ्फरनगर भारत स्काउट गाइड प्रशिक्षण केंद्र तारा देवी शिमलाआदि स्थानों पर प्रशिक्षण दिया एवं गुरुजी 1997 से बीएड विभाग में कार्यरत है' 2010 में इन्होंने इस स्काउटिंग को ज्वाइन किया 2012 में इन्होंने राज्य प्रशिक्षण केंद्र शीतला खेत अल्मोड़ा उत्तर प्रदेश में बेसिक कोर्स किया' उसके पश्चात स्काउटिंग आंदोलन में सक्रियता से जुड़े इन्हें भारत स्काउट गाइड, लखनऊ द्वारा 10 वर्ष के कार्य करने के पश्चात मेडल ऑफ मेरिट अवार्ड भी उत्तर प्रदेश भारत स्काउट गाइड, लखनऊ के मुख्य आयुक्त डॉ0 प्रभात कुमार जी द्वारा प्रदान किया गया '

अखंड ज्योति एवं श्याम अरदास संकीर्तन का हुआ आयोजन

एनपीटी, ब्यूरो

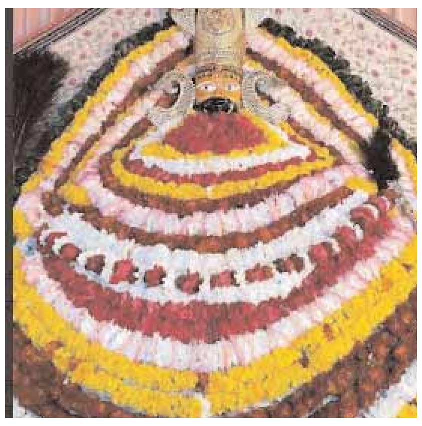

आगरा। अलौकिक श्रृंगारित श्याम बाबा, अखंड ज्योति और संगीत की मधुर ध्वनि पर होता संकीर्तन । ये नजारा था सोमवार को जीवनी मंडी स्थित जितेश्वर महादेव मंदिर में श्री श्याम लखदातार मित्र मंडल सेवा समिति की ओर से आयोजित तृतीय श्री श्याम अरदास संकीर्तन का । कार्यक्रम का शुभारंभ विश्व हिंदू राष्ट्र परिषद के अविनाश राणा, अध्यक्ष पार्थ शर्मा, उपाध्यक्ष कृष्णा वर्मा और कोषाध्यक्ष जितेंद्र राठौर ने बाबा श्याम के समक्ष पावन ज्योति प्रज्ज्वलित कर किया।

भजन गायक विकास वर्मा ने कीर्तन की है रात बाबा आज ठाणे आनो है.., अंशुल गौस्वामी के मैं दुखिया नीर बहाता तू बैठा मौज उड़ता... सोनू गर्ग ने दिलदार कन्हैया ने मुझको अपनाया है..., नरेश खत्री के सांवरिया लो संभाल कही न खो जाऊ... और महक राठौर ने सांवरे की महफि ल को सांवरा सजाता है..आदि के भजनो पर भक्त मंत्रमुग्ध हो कर झूमने लगे। श्री श्याम लखदातार मित्र मंडल सेवा समिति के सदस्यों और जितेश्वर महादेव मंदिर के संरक्षक अंकुर अग्रवाल ने श्याम बाबा की मंगल आरती उतारी। श्याम बाबा का श्रृंगार कलकत्ता से आये रजनीगंधा, ऑर्चिड, गुलाब, बेला आदि के सुगन्धित फूलो व इत्र से किया।

लखनऊ एयरपोर्ट एक मार्च से 15 जुलाई तक दिन में बंद रहेगा रनवे, सिर्फ रात को हो सकेगा विमानों का संचालन

लखनऊ । लखनऊ एयरपोर्ट पर यात्रियों को आने वाले दिनों में मुसीबत का सामना करना पड़ सकता है। एयरपोर्ट का रनवे सुबह दस बजे से शाम छह बजे तक बंद रहेगा।

अमौसी एयरपोर्ट का रनवे पहली मार्च से दिन में आठ घंटे तक बंद रहेगा। इस दौरान विमानों की आवाजाही नहीं होगी। आशंका है कि करीब 65 विमानों का संचालन प्रभावित होगा। इस दौरान रनवे के समानांतर टैक्सीवे बनाया जाएगा, जिससे विमानों की लैंडिंग-टेकऑफ आसान हो जाएगी। साथ ही रनवे की मरम्मत की जाएगी। रनवे 15 जुलाई तक सुबह 10 बजे से शाम छह बजे तक बंद रखा जाएगा।

चौधरी चरण सिंह अंतर्राष्ट्रीय एयरपोर्ट निजी कंपनी के हाथ में है। नए टर्मिनल टी-थ्री के निर्माण के बाद अब रनवे के समानांतर टैक्सीवे बनाने की तैयारी है। वहीं रनवे की रिकार्पेटिंग यानी मेंटीनेंस कराई जाएगी। इसके लिए डायरेक्टर जनरल ऑफ सिविल एविएशन(डीजीसीए) को एयरपोर्ट प्रशासन ने कार्ययोजना बनाकर भेजी थी, जिसकी अनुमति मिल गई है। एयरपोर्ट प्रवक्ता ने बताया कि पहली मार्च से 15 जुलाई तक अमौसी एयरपोर्ट का रनवे सुबह 10 बजे से शाम 6 बजे तक बंद रहेगा। इस दौरान विमानों की आवाजाही नहीं होगी। दस बजे से पूर्व व शाम छह बजे के बाद एयरपोर्ट से 132 विमानों की लैंडिंग व टेकऑफ होगी। विमानन कंपनियों को इसकी सूचना दी जा चुकी है। रनवे मरम्मत व टैक्सीवे निर्माण के चलते प्रभावित होने वाली उड़ानों को एयरलाइंस रिशेड्यूल कर रही हैं। इससे कम से कम यात्रियों को असुविधाओं का सामना करना पड़ेगा।

अमौसी एयरपोर्ट पर घरेलू व अंतरराष्ट्रीय उड़ानों सहित प्रतिदिन 140 विमानों की आवाजाही है। इसमें दिल्ली, मुंबई, कोलकाता, अहमदाबाद, बंगलुरु सहित खाड़ी देशों से आने-जाने वाली उड़ानें भी हैं। एयरपोर्ट सूत्र बताते हैं कि रनवे के दिन में आठ घंटे बंद होने से करीब 65 विमानों का संचालन प्रभावित होगा। इसमें 18 विमान कैंसिल हो सकते हैं। हालांकि, एयरलाइंस विमानों को रिशेड्यूल कर रही हैं। वहीं एयरपोर्ट प्रवक्ता का कहना है कि 132 विमानों का संचालन सुबह दस बजे से पूर्व व शाम छह बजे के बाद सामान्य ढंग से होगा। महज आठ विमानों का संचालन ही बाधित होगा।

एयरपोर्ट सूत्र बताते हैं कि लखनऊ में सर्वाधिक उड़ानें इंडिगो की हैं। ऐसे में इंडिगो प्रशासन लखनऊ से संचालित होने वाली छह से आठ उड़ानों को कानपुर शिफ्ट कर सकता है। इससे कानपुर में विमान सेवाओं की संख्या बढ़ जाएगी। ऐसे ही एयर इंडिया, विस्तारा भी सेवाओं को रिशेड्यूल कर रही है। जल्द ही एयरलाइनें आधिकारिक रूप से इसकी घोषणा करेंगी।

इंडिगो कानपुर शिफ्ट करेगा उड़ानें

एयरपोर्ट सूत्र बताते हैं कि लखनऊ में सर्वाधिक उड़ानें इंडिगो की हैं। ऐसे में इंडिगो प्रशासन लखनऊ से संचालित होने वाली छह से आठ उड़ानों को कानपुर शिफ्ट कर सकता है। इससे कानपुर में विमान सेवाओं की संख्या बढ़ जाएगी। ऐसे ही एयर इंडिया, विस्तारा भी सेवाओं को रिशेड्यूल कर रही है। जल्द ही एयरलाइनें आधिकारिक रूप से इसकी घोषणा करेंगी।

राजबाला धैर्य रचित 'विशिष्ट बचपन पत्रिका' का किया गया विमोचन

एनपीटी ब्यूरो

बरेली। कवि गोष्ठी आयोजन समिति एवं विशिष्ट बचपन के संयुक्त तत्वावधान में स्थानीय बदायूं रोड पर सरस काव्य गोष्ठी,पुस्तक विमोचन एवं सम्मान समारोह का आयोजन किया गया जिसकी अध्यक्षता वरिष्ठ कवि रणधीर प्रसाद गौड़ 'धीर' ने की। मुख्य अतिथि हास्य व्यंग्यकार दीपक मुखर्जी 'दीप' रहे।

कार्यक्रम का शुभारंभ माँ शारदे के समक्ष दीप प्रज्ज्वलित कर किया गया। प्रथम सत्र में लोकप्रिय कवयित्री राजबाला धैर्य -रचित 'विशिष्ट बचपन पत्रिका' जनवरी- मार्च 25 का विमोचन अथिति कवियों ने किया। द्वितीय सत्र में साहित्यिक क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान के लिए वरिष्ठ साहित्यकार एवं पत्रकार गणेश पथिक एवं शाहजहांपुर के प्रख्यात कवि प्रदीप बैरागी को शॉल उड़ाकर एवं स्मृति चिन्ह प्रदान करके कार्यक्रम संयोजिका राजबाला धैर्य एवं संस्था के सचिव उपमेंद्र सक्सेना एडवोकेट ने सम्मानित किया। तृतीय सत्र में सरस काव्य गोष्ठी हुई जिसमें कवियों ने अपनी एक से बढ़कर एक बेहतरीन रचना? प्रस्तुत कर खूब वाहवाही लूटी। इस अवसर पर संतोष कुमार श्रद्धा, भारतेंद्र सिंह, विनीत सक्सेना रामधनी निर्मल, रामकुमार अफरोज, राजकुमारके अग्रवाल, कुमार आदित्य यदुवंशी, डॉ अखिलेश गुप्ता,सात्विक चौधरी, बीना,रीतेश साहनी एवं रमेश रंजन आदि उपस्थित रहे कार्यक्रम का संचालन मनोज दीक्षित टिंकू ने किया।

मुख्य विकास अधिकारी की अध्यक्षता में पीएम सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना की समीक्षा बैठक हुई सम्पन्न

एनपीटी ब्यूरो

बरेली। मुख्य विकास अधिकारी जग प्रवेश की अध्यक्षता में आज पीएम सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना की समीक्षा बैठक विकास भवन स्थित सभागार में सम्पन्न हुई।

मुख्य विकास अधिकारी ने बैठक में वेण्डर की समस्याओं के समाधान डिस्कॉम स्तर पर एवं बैंकों के स्तर पर लंबित समस्याओं को त्वरित निस्तारण करने के निर्देश दिये। बैठक में अनुपस्थित वेण्डर को नोटिस दिये जाने हेतु परियोजना अधिकारी यूपीनेडा को निर्देशित किया गया।

बैठक में बताया गया कि पीएम सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना के अंतर्गत निर्धारित लक्ष्य 100000 के सापेक्ष 5024 वेण्डर सिलेक्शन एवं 2224 संयंत्र स्थापना का कार्य पूर्ण हो चुका है तथा 1813 लाभार्थियों को अनुदान अवमुक्त किया जा चुका है।

बैठक में परियोजना अधिकारी यूपीनेडा, लीड बैंक मैनेजर, विद्युत विभाग के अधिकारी, इम्पैनल्ड वेण्डर सहित संबंधित अधिकारीगण उपस्थित रहे।

4 करोड़ के बजट से किच्छा नदी पर बनेगा तीन किमी लंबा बांध

एनपीटी ब्यूरो

बरेली। बहेड़ी औद्योगिक क्षेत्र में किच्छा नदी के पानी को रोकने के लिए सवा तीन किलोमीटर लंबा बांध बनाया जाएगा। यूपीसीडा ने जमीन की खरीदारी के लिए किसानों से संपर्क किया है।

किच्छा नदी में बरसात के समय उत्तराखंड से पानी छोड़ने की वजह से नदी उफान मारती है और पानी बहेड़ी औद्योगिक क्षेत्र में आ जाता है। इसकी वजह से उद्यमियों को काफी परेशानी होती है। इस समस्या के समाधान के लिए किच्छा नदी और औद्योगिक क्षेत्र के बीच किसानों की जमीन पर बांध बनाने की मांग चल रही थी। यूपीसीडा ने शासन को प्रस्ताव भेजा, जिसे स्वीकृति मिल गई। मौके पर निरीक्षण कर डीपीआर भी तैयार की जा चुकी है।

क्षेत्रीय प्रबंधक यूपीसीडा मंसूर कटियार ने बताया कि किच्छा नदी के पानी को बहेड़ी औद्योगिक क्षेत्र में आने से रोकने के लिए करीब सवा तीन किलोमीटर लंबा बांध बनाया जाएगा। इसके लिए चार हेक्टेयर जमीन की जरूरत पड़ेगी। ढाई हेक्टेयर जमीन खरीद ली गई है और डेढ़ हेक्टेयर जमीन की खरीद के लिए कई किसानों से संपर्क किया है।

जल्द ही जमीन खरीद कर निर्माण कार्य शुरू कराया जाएगा। सिर्फ जमीन का मामला फंसा है, बाकी सभी औपचारिकताएं पूरी कर ली हैं। शासन से निर्माण के लिए चार करोड़ का बजट भी स्वीकृत करा लिया गया है। बांध का निर्माण कार्यदायी संस्था बाढ़ खंड को चुना गया है। निर्माण एजेंसी को बजट भी हैंडओवर कर दिया गया है।

विधायक डॉ राघवेंद्र शर्मा ने फाइलेरिया रोधी दवा का सेवन कर आईडीए अभियान का किया शुभारम्भ

एनपीटी ब्यूरो

बरेली ,जनपद के तीन ब्लाक फरीदपुर, क्यारा और आलमपुर जाफराबाद (भमोरा) में 10 फरवरी से सर्वजन दवा सेवन (एमडीए /आईडीए) अभियान चलेगा जिसके तहत स्वास्थ्य कार्यकर्ता घर-घर जाकर लोगों को फाइलेरियारोधी दवा का सेवन करायेंगे सोमवार को अभियान का शुभारम्भ बरेली के विधायक डॉ. राघवेंद्र शर्मा ने ब्लॉक क्यारा के ग्राम करगैना में फाइलेरियारोधी दवा का सेवन करके किया !

डा. शर्मा ने कहा कि यह अभियान लिम्फेटिक फाईलेरियासिस के उन्मूलन के लिए चलाया गया है जिसे हाथी पांव के नाम से जाना जाता है यह गंभीर और लाइलाज बीमारी है जो कि मच्छरों द्वारा फैलती है ।

डॉ. शर्मा ने लोगों से अपील की है कि वह आईडीए अभियान में भाग लें और फाइलेरियारोधी दवा का सेवन करें। यह दवाएं पूरी तरह सुरक्षित हैं और दवाएं निशुल्क खिलाई जाएँगी राष्ट्रीय वेक्टर जनित रोग नियंत्रण कार्यक्रम के नोडल डॉ. प्रशांत रंजन ने बताया कि फाइलेरियारोधी दवा एक साल से कम आयु के बच्चों, गर्भवती महिला और अति गंभीर बीमारी से पीड़ित व्यक्ति को छोड़कर सभी को खिलानी है इसलिए जो लोग भी किन्हीं कारणों से दवा खाने से वंचित रह जाते हैं तो वह आशा कार्यकर्ता के घर जाकर दवा का सेवन कर सकते हैं !

इस मौके पर जिला मलेरिया अधिकारी सत्येन्द्र कुमार, सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र के अधीक्षक डॉ सौरभ सिंह, बीसीपीएम मनोज कुमार, एसएमआई सूरज प्रकाश, समस्त मलेरिया इंस्पेक्टर, विश्व स्वास्थ्य संगठन से डॉ पी वी कौशिक, सहयोगी संस्था पाथ और प्रोजेक्ट कंसर्न इंटरनेशनल (पीसीआई) के जनपद प्रतिनिधि मौजूद रहे !

सीएम डैशबोर्ड रैंकिंग | सीएम डैशबोर्ड रैंकिंग में बरेली हुआ टॉप 10 में शामिल

विकास कार्यों में सात पायदान व राजस्व कार्यों में पांच पायदान ऊपर चढ़ा बरेली

एनपीटी ब्यूरो

बरेली। प्रदेश में विकास कार्यां का मूल्यांकन, अनुश्रवण एवं समीक्षा हेतु गठित सीएम डैशबोर्ड पर इंटीग्रेटेड विभागों की सेवाओं/योजनाओं/परियोजनाओं में विभिन्न स्तरों के अधिकारियों द्वारा प्रत्येक माह किए गए विकास कार्यक्रमों के प्रदर्शन के आधार पर उनकी रैंकिंग सीएम डैशबोर्ड पोर्टल पर प्रत्येक माह निर्गत की जाती है।

सीएम डैशबोर्ड पोर्टल पर माह जनवरी 2025 की जारी की गयी रैंकिंग में जनपद बरेली को विकास कार्यक्रमों में प्रदेश में तीसरा स्थान एवं राजस्व कार्यक्रमों में 25वां स्थान प्राप्त हुआ है। साथ ही विकास एवं राजस्व कार्यों की संयुक्त रैंकिंग में जनपद को प्रदेश में ओवरऑल 9वाँ स्थान प्राप्त हुआ है। जबकि विगत माह की रैंकिंग में जनपद 14वें स्थान पर था, नए साल के साथ जनपद ने पांच रैंक की छलांग लगाते हुए प्रदेश में 9वां स्थान प्राप्त किया है।

जिलाधिकारी रविन्द्र कुमार के कुशल नेतृत्व, मार्गदर्शन एवं निरन्तर गहन समीक्षा में दिये गये निदेर्शों के परिणामस्वरूप जनपद के कार्य प्रदर्शन में उत्तरोत्तर वृद्धि हो रही है। सीएम डैशबोर्ड पोर्टल पर माह दिसम्बर, 2024 की जारी की गयी रैंकिंग में जनपद बरेली को विकास कार्यक्रमों में प्रदेश में 10वाँ स्थान एवं राजस्व कार्यक्रमों में 30वां स्थान व विकास एवं राजस्व कार्यों की संयुक्त रैंकिंग में जनपद को प्रदेश में ओवरऑल 14वाँ स्थान प्राप्त हुआ था। आज जनवरी माह की जारी रैंकिंग में जनपद ने विकास कार्यों में सात रैंक छलांग लगाकर तीसरे स्थान पर, राजस्व कार्यक्रमों में पांच रैंक की छलांग लगाकर 25वें स्थान पर तथा विकास एवं राजस्व कार्यों की संयुक्त रैंकिंग में पांच रैंक की छलांग लगाकर प्रदेश में 9वाँ स्थान प्राप्त किया है।

जिलाधिकारी की लगन, मेहनत एवं उनके कुशल मार्गदर्शन में विभागीय अधिकारियों द्वारा किये गये परिश्रम के परिणामस्वरूप ओवरऑल रैंकिंग में जनपद को 9वां स्थान प्राप्त हुआ।

जिलाधिकारी द्वारा इस उपलब्धि पर समस्त अधिकारियों एवं कर्मचारियों को बधाई एवं शुभकामनाएं देते हुए विकास एवं राजस्व कार्यक्रमों की प्रगति में निरन्तर गति बनाये रखने के निर्देश दिये गये।

संपादकीय

जागरूकता से ही पूरा होगा स्वस्थ भारत का संकल्प

निष्क्रिय जीवन व प्रसंस्कृत खाद्य-पेय पदार्थों के सेवन वाली पश्चिमी भोजनशैली का अंधानुकरण मोटापे के मुख्य कारण हैं। विडंबना यह है कि हम मोटापे को गंभीरता से नहीं लेते, जबकि यह अनेक गंभीर गैर संक्रामक रोगों की वजह बनता है। दरअसल, मोटापे के कारण मधुमेह व उच्च रक्तचाप के साथ ही उच्च कोलेस्ट्रोल की स्थिति पैदा होती है, जो कालांतर में हृदय रोग का कारण भी बनती है। प्रतिष्ठित अंतर्राष्ट्रीय मेडिकल पत्रिका लैंसेट के अनुसार वर्ष 2022 में भारत में करीब सात करोड़ लोग मोटापे से पीड़ित थे। जिसमें 4.4 करोड़ संख्या महिलाओं की थी। सबसे ज्यादा गंभीर बात यह है कि सवा करोड़ बालक-बालिकाएं भी मोटापे से पीड़ित थीं। वहीं आईसीएमआर की रिपोर्ट तो बड़े खतरे की ओर इशारा करती है। जिसके अनुसार देश में करीब बारह करोड़ लोग मोटापे से होने वाली बीमारियों मसलन डाइबिटीज, उच्च रक्तचाप, उच्च कोलेस्ट्रोल आदि से पीड़ित हैं। निश्चित रूप से यह स्थिति स्वस्थ भारत के मिशन के लक्ष्य पर पानी फेरने वाली है। तभी पिछले दिनों राष्ट्रीय खेलों के उद्घाटन समारोह में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मोटापे की गंभीर होती समस्या पर चिंता जताई थी। उन्होंने देश में मोटापे के खिलाफ जन अभियान शुरू करने का आह्वान किया। प्रधानमंत्री की इस अपील को देश की प्रसिद्ध हस्तियों का भरपूर समर्थन मिला है। इतना ही नहीं, विश्व स्वास्थ्य संगठन की दक्षिण पूर्व एशिया इकाई ने प्रधानमंत्री की सार्थक पहल का स्वागत करते हुए नियमित शारीरिक सक्रियता, पौष्टिक व संतुलित भोजन की प्राथमिकता के साथ मोटापे के विरुद्ध मुहिम की बात कही।

उल्लेखनीय है कि मोटापे के खिलाफ राष्ट्रव्यापी मुहिम की जिम्मेदारी देश के सात सौ मेडिकल कॉलेजों को सौंपी गई है। मेडिकल कॉलेज के स्वास्थ्य विशेषज्ञों व कार्यकताओं की टीमें घर-घर जाकर संदेश देंगी कि मोटापा सिर्फ समस्या नहीं बल्कि गंभीर बीमारियों का कारक है। इस मुहिम में शामिल होते हुए दिल्ली एम्स के चौदह डॉक्टरों ने मोटापे के हमारी सेहत पर पड़ने वाले घातक प्रभावों पर विमर्श करते हुए, नागरिकों से सक्रिय व स्वस्थ जीवन शैली अपनाने का आह्वान किया। महत्वपूर्ण बात यह है कि शीघ्र ही देश के सभी सरकारी अस्पतालों में मोटापे के खिलाफ अभियान के क्रम में विशेष ओपीडी संचालित होंगी। यहां अन्य स्वास्थ्य विशेषज्ञों के अलावा आहार विशेषज्ञ भी पौष्टिक व संतुलित भोजन के साथ योग व व्यायाम की जानकारी देंगे। चिकित्सकों का मानना है कि मोटापे की वजह से फेफड़ों पर भी दबाव बढ़ता है। इससे अस्थमा व नींद की अनियमितता से जुड़ी बीमारियां पैदा हो सकती हैं। वहीं जोड़ों पर अधिक दबाव बढ़ने से गठिया और आर्थराइटिस जैसी बीमारियां भी पैदा हो सकती हैं। यही वजह है कि डब्ल्यूएचओ मोटापे को एक वैश्विक महामारी के रूप मे देख रहा है। जो पिछले पांच दशकों में तीन गुना बढ़ चुका है। सबसे बड़ी चुनौतियां गृहिणियों के स्वास्थ्य को लेकर हैं। दरअसल, महिलाओं में वर्ष 2022 में मोटापे की दर 9.8 फीसदी हो गई है। निश्चित रूप से देश में मोटापे के खिलाफ लड़ाई कई मोर्चों पर लड़नी होगी। योग व अन्य शारीरिक व्यायाम इसमें खासे मददगार हो सकते हैं।

निराश करती है जनप्रतिनिधि अपराध मामलों में देरी

ऐसा लगता है कि उच्च न्यायालय अपने इस दायित्व का निर्वहन सही तरह से नहीं कर पा रहे हैं। समय-समय पर ऐसी खबरें भी आती रही हैं कि एमपी-एमएलए अदालतों को जनप्रतिनिधियों के मामलों के निपटारे में तेजी लाने को कहा है, लेकिन इसके कोई सकारात्मक परिणाम सामने नहीं आ सके। समझना कठिन है कि जिन अदालतों का गठन ही कुछ विशेष मामलों के निस्तारण के लिए हुआ है, वे उनकी सुनवाई में प्राथमिकता का परिचय क्यों नहीं दे रही हैं? उचित यह होगा कि सुप्रीम कोर्ट इन अदालतों को यह स्पष्ट निर्देश दे कि वे जनप्रतिनिधियों के मामलों की सुनवाई एक निश्चित समय सीमा में करें और ऐसा करने के लिए उच्च न्यायालयों को निर्देशित करें।

वर्तमान और पूर्व संसद सदस्यों और विधानसभा सदस्यों के खिलाफ लंबित पांच हजार आपराधिक मामलों के निपटारे की सुनवाई कर रही एमपी-एमएलए अदालतों में कोई उल्लेखनीय प्रगति होते हुए न दिखना न केवल निराशाजनक है बल्कि यह कानून व्यवस्था की बड़ी विसंगति है। इस सन्दर्भ में सुप्रीम कोर्ट में जनहित याचिका दाखिल की गई है। याचिका में आग्रह किया गया कि कोर्ट इन मामलों का जल्द से जल्द निपटारा करने एवं त्वरित कार्रवाई के लिए निर्देश जारी करे। अपेक्षा यह की गई थी कि इन मामलों की सुनवाई त्वरित गति से होगी, लेकिन इसका उलटा हो रहा है। एसोसिएशन ऑफ डेमोक्रेटिक रिफॉर्म्स (एडीआर) की एक रिपोर्ट के अनुसार वर्तमान लोकसभा के 543 सदस्यों में से 251 के खिलाफ आपराधिक मामले हैं, जिनमें से 170 गंभीर आपराधिक मामले हैं, जिनमें पांच साल या उससे अधिक की सजा हो सकती है। हाल ही दिल्ली विधानसभा चुनाव परिणामों में भी आपराधिक छवि के विधायकों की बड़ी संख्या चिन्ता में डालते हुए शर्मसार कर रही है। एक रिपोर्ट के मुताबिक भाजपा के 48 नवनिर्वाचित विधायकों में से 16 यानी 33 प्रतिशत और आम आदमी पार्टी के 22 में से 15 यानी 68 प्रतिशत नवनिर्वाचित विधायकों के खिलाफ आपराधिक मुकदमे दर्ज हैं, भाजपा के सात और आप के 10 विधायक गंभीर किस्म के आपराधिक आरोपों का सामना कर रहे हैं। सुप्रीम कोर्ट की ओर से समय-समय पर दिए गए आदेशों और हाईकोर्ट की निगरानी के बावजूद सांसदों और विधायकों के खिलाफ बड़ी संख्या में मामले लंबित हैं, जो हमारे देश की लोकतांत्रिक व्यवस्था पर एक बदनुमा धब्बा हैं।

दुर्भाग्यपूर्ण स्थिति तो यह है कि साफ-सुथरी एवं अपराधमुक्त राजनीति का दावा करने वाले दल ही सर्वाधिक अपराधी लोगों को उम्मीदवार बना रही है। विडंबना है कि यह प्रवृत्ति कम होने के बजाय हर अगले चुनाव में और बढ़ती ही दिख रही है। आखिर कब तक अपराधी तत्व हमारे भाग्य-विधाता बनते रहेंगे? कब तक आम आदमी इस त्रासदी को जीने के लिये मजबूर होते रहेंगे। भारत के लोकतंत्र के शुद्धिकरण एवं मजबूती के लिये अपराधिक राजनेताओं एवं राजनीति के अपराधीकरण पर नियंत्रण की एक नई सुबह का इंतजार कब तक करना होगा? त्रासद एवं दुर्भाग्यपूर्ण स्थिति है कि पूर्व एवं वर्तमान विधायकों और सांसदों के आपराधिक मामलों की सुनवाई के लिए गठित की गई अदालतें उनके मामलों का समय पर निपटारा करने में विफल साबित हो रही हैं। बड़ी संख्या में मामलों का लंबित रहना, जिनमें से कुछ तो दशकों से लंबित हैं, यह दशार्ता है कि सांसदों एवं विधायकों का अपने विरुद्ध मामलों की जांच या सुनवाई पर बहुत अधिक प्रभाव है और अपने राजनीतिक वर्चस्व एवं प्रभाव के कारण मुकदमे को पूरा नहीं होने दिया जाता है।

ऐसा लगता है कि उच्च न्यायालय अपने इस दायित्व का निर्वहन सही तरह से नहीं कर पा रहे हैं। समय-समय पर ऐसी खबरें भी आती रही हैं कि एमपी-एमएलए अदालतों को जनप्रतिनिधियों के मामलों के निपटारे में तेजी लाने को कहा है, लेकिन इसके कोई सकारात्मक परिणाम सामने नहीं आ सके। समझना कठिन है कि जिन अदालतों का गठन ही कुछ विशेष मामलों के निस्तारण के लिए हुआ है, वे उनकी सुनवाई में प्राथमिकता का परिचय क्यों नहीं दे रही हैं? उचित यह होगा कि सुप्रीम कोर्ट इन अदालतों को यह स्पष्ट निर्देश दे कि वे जनप्रतिनिधियों के मामलों की सुनवाई एक निश्चित समय सीमा में करें और ऐसा करने के लिए उच्च न्यायालयों को निर्देशित करे। यदि ऐसा कुछ नहीं किया जाता तो राजनीति के अपराधीकरण को रोकना बहुत कठिन होगा और आपराधिक छवि के नेताओं के मामलें न्यायालयों में बढ़ते ही जायेंगे। यह स्थिति लोकतंत्र का उपहास उड़ाने वाली ही है। यह स्थिति अधिक चिन्ताजनक एवं दुखद इसलिये भी है कि अब तो गंभीर आपराधिक मामलों में जेल में बंद लोगों को चुनाव प्रचार के लिए भी जमानत देने का सिलसिला कायम हो गया है। जनप्रतिनिधि भी रक्षक नहीं, भक्षक हो रहे हैं। ये कानून का भक्षण करने में माहिर होते जा रहे हैं। ये कैसे जनप्रतिनिधि हैं जो पहले वोट मांगते हैं, फिर जीत के बाद लोगों को लात मारते हुए उनके साथ तरह-तरह के अपराध करते हैं। लोकतंत्र के मुखपृष्ठ पर बहुत धब्बे हैं, अंधेरे हैं, वहां मुखौटे हैं, गलत तत्त्व हैं, खुला आकाश नहीं है। मानो प्रजातंत्र न होकर अपराध तंत्र हो गया। क्या यही उन शहीदों का स्वप्न था, जो फांसी पर झूल गये थे? राजनीतिक व्यवस्था और सोच में व्यापक परिवर्तन हो ताकि कोई भी अपराधों में लिप्त नेता जन-प्रतिनिधि न बन सके।

दिल्ली नगर निगम चुनावों में जीते पार्षदों के संदर्भ में एडीआर और ह्यदिल्ली इलेक्शन वाचह्ल ने चौंकाने वाली रिपोर्ट जारी कर यह बताया गया है कि दो सौ अड़तालीस विजेताओं में से बयालीस यानी सत्रह प्रतिशत निर्वाचित पार्षद ऐसे हैं, जिन पर आपराधिक मामले दर्ज हैं। इसके अलावा, उन्नीस पार्षद गंभीर आपराधिक मामलों के आरोपी हैं। इससे पूर्व दिल्ली में फरवरी, 2020 में हुए विधानसभा चुनाव के नतीजों के बाद भी एडीआर ने अपने विश्लेषण में चुने गए कम से कम आधे विधायकों पर गंभीर आपराधिक मामले दर्ज पाए थे। इसमें मुख्य रूप से आम आदमी पार्टी के विधायक थे। अब प्रश्न है कि दिल्ली नगर निगम हो या विधानसभा के चुनावों में भी आप पार्टी ने उम्मीदवार बनाने के लिए स्वच्छ छवि के व्यक्ति को तरजीह देने की जरूरत क्यों नहीं समझी? जबकि इस पार्टी का घोष ही रहा अपराध एवं भ्रष्टाचार मुक्त राजनीति।

चुनावी सुधारों पर होने वाली तमाम चचाओं में राजनीति का अपराधीकरण एक अहम मुद्दा रहता है। राजनीति का अपराधीकरण-ह्यअपराधियों का चुनाव प्रक्रिया में भाग लेनाह्ल-हमारी निर्वाचन व्यवस्था का एक नाजुक अंग बन गया है। मौजूदा लोकसभा सदस्यों में सर्वाधिक 29 प्रतिशत सदस्यों पर गंभीर आपराधिक मामले दर्ज हैं, जबकि पिछली लोकसभा में यह आँकड़ा तुलनात्मक रूप से कम था। राजनीति का अपराधीकरण भारतीय लोकतंत्र का एक स्याह पक्ष है, जिसके मद्देनजर सर्वोच्च न्यायालय और निर्वाचन आयोग ने कई कदम उठाए हैं, किंतु इस संदर्भ में किये गए सभी नीतिगत प्रयास समस्या को पूर्णतः नियंत्रित करने में असफल रहे हैं। हालांकि एक अच्छी पहल यह हुई है कि अब हाईकोर्ट की इजाजत के बिना सरकार किसी भी सांसद एवं विधायक के खिलाफ दर्ज मामले वापस नहीं ले सकती है। राजनीति के अपराधीकरण के कारण चुनावी प्रक्रिया में काले धन का प्रयोग काफी अधिक बढ़ जाता है। इसका देश की न्यायिक प्रक्रिया पर भी दुष्प्रभाव देखने को मिलता है और अपराधियों के विरुद्ध जाँच प्रक्रिया धीमी हो जाती है। राजनीति में प्रवेश करने वाले अपराधी सार्वजनिक जीवन में भ्रष्टाचार को बढ़ावा देते हैं और नौकरशाही, कार्यपालिका, विधायिका तथा न्यायपालिका सहित अन्य संस्थानों पर प्रतिकूल प्रभाव डालते हैं। यह स्थिति समाज में हिंसा, भ्रष्टाचार, उत्पीड़न की संस्कृति को प्रोत्साहित करती है और भावी जनप्रतिनिधियों के लिये एक गलत उदाहरण प्रस्तुत करती है। वैसे तो भारत का लोकतंत्र बड़े-बड़े बाहुबली एवं आपराधिक पृष्ठभूमि के नेताओं के शर्मनाक कृत्यों का गवाह रहा है, बार-बार शर्मसार हुआ है। यही कारण है कि राजनीति का चरित्र गिर गया और साख घटती जा रही है।

इन वर्षों में जितने भी चुनाव हुए हैं वे चुनाव अर्हता, योग्यता एवं गुणवत्ता के आधार पर न होकर, व्यक्ति, दल या पार्टी के धनबल, बाहुबल एवं जनबल के आधार पर होते रहे हैं, जिनको आपराधिक छवि वाले राजनेता बल देते रहे हैं। आप ने भ्रष्टाचार एवं अपराधों पर नियंत्रण की बात करते हुए राजनीति का बिगुल बजाया। लेकिन यह दल तो जल्दी ही अपराधी तत्वों से घिर गया। नेताओं की चादर इतनी मैली है कि लोगों ने उसका रंग ही काला मान लिया है। अगर कहीं कोई एक प्रतिशत ईमानदारी दिखती है तो आश्चर्य होता है कि यह कौन है? पर हल्दी की एक गांठ लेकर थोक व्यापार नहीं किया जा सकता है।

अप्रवासी भारतीयों के निर्वासन को लेकर उठे प्रश्न

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के अमेरिका दौरे की तैयारी हो रही है, नये राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप से मुलाकात के मकसद से। वहीं हाल ही में कुछ भारतीय नागरिकों को अपमानजनक ढंग से वापस स्वदेश भेजा गया। ऐसे में प्रधानमंत्री के अमेरिका जाने के फैसले पर सवाल उठे हैं। जबकि केंद्र सरकार का रुख है कि जो लोग कानून तोड़ते हैं वे सजा के पात्र हैं। यह भी कि विदेश नीति में भारत-अमेरिका संबंध महत्वपूर्ण हैं।

भारत की विदेश नीति के खाते में फरवरी का महीना सबसे नागवार बनता जा रहा है (इन शब्दों के लिए टी.एस. इलियट से क्षमा याचना सहित)। पूर्व में देखें तो, बांग्लादेश के उद्दंड युवा, जिन्हें न तो किसी यादगार से लगाव है और न ही इतिहास याद रखने की इच्छा, ढाका में बंगबंधु शेख मुजीबुर रहमान के घर को जलाने के दौरान वे एक बॉलीवुड फिल्म के गाने, ह्यमुन्नी बदनाम हुईड्ढह्ल पर नाच रहे थे। दोनों देशों के लोगों के जीवन में एक वक्त जो गौरवशाली अध्याय था, उस पर हथौड़ों की मार का दृश्य विस्मित भारतीयों ने देखा और वे खुद से यह पूछे बिना नहीं रह सके, अब आगे क्या?

और बात पश्चिम की करें तो, ऐसे में जब प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की राष्ट्रपति ट्रंप से मिलने के लिए अमेरिका जाने की तैयारी हो रही है, और कुछ दिन पहले ही 104 भारतीय नागरिकों को बेड़ियों- हथकड़ियों में जकड़ कर वापस स्वदेश भेजा गया है, और 487 अन्य लोग भी उसी राह पर हैं, कई सवाल खड़े हो रहे हैं, परेशानी बनी हुई है कि क्या इन परिस्थितियों में प्रधानमंत्री का अमेरिका जाने का फैसला सही है। कई लोग कहेंगे, हां बिल्कुल। हमारी विदेश नीति में भारत-अमेरिका संबंध सबसे महत्वपूर्ण बने हुए हैं, इसके बावजूद कि रूस ने कोविड के बाद के वर्षों में तेल की कीमत में कटौती करके काफी राहत पहुंचाई थी। इस तर्क का समर्थन करने वालों का मानना है, प्रधानमंत्री के दौरे के समय व्यापार संबंधी एक मार्गदर्शिका तैयार होने की संभावना है, भारत द्वारा अमेरिकी रक्षा उपकरण अधिक मात्रा में खरीदने की चर्चा जोर पकड़ रही है, साथ ही भारत द्वारा असैन्य परमाणु क्षेत्र (17 वर्षों के बाद) खोलने की संभावित घोषणा भी हो सकती है।

यही कारण है कि विदेश मंत्री एस.जयशंकर पिछले चार महीनों, सितंबर, दिसंबर और जनवरी, में तीन बार अमेरिका की यात्रा कर चुके हैं, ताकि मोदी-ट्रंप मुलाकात के परिणाम सार्थक बन सकें। उन्होंने कहा है कि प्रधानमंत्री उन तीन नेताओं में से एक होंगे, जिनके साथ ट्रंप सत्ता में अपने पहले महीने में मुलाकात करेंगे झ इस्राइल के नेतन्याहू, जापान के इशिबा और भारत के मोदी। दुर्भाग्यवश, मोदी के वाशिंगटन डीसी पहुंचने से बमुश्किल एक सप्ताह पहले, खबरें बहुत उत्साहित करने वाली नहीं रही हैं।

सैकिंड हैंड जींस और सस्ते चीनी जूते पहने और पैरों में जंजीरें होने की वजह से अमेरिकी सैन्य विमान की तरफ घिसटकर बढ़ते युवा भारतीयों की तस्वीरों ने न केवल पंजाब में बल्कि पूरे देश में, हैरानी और विस्मय की तरंगें फैला दीं। बेशक, यह ठीक वही

है जो ट्रंप करना चाहते हैं। वे दुनिया को यह संदेश देना चाहते हैं कि उन्हें अमेरिका में चोर दरवाजे से भारी संख्या में पहुंचने वाले अकुशल लोगों में कोई दिलचस्पी नहीं है झहां, एच-1बी वीजा के जरिये प्रतिभाशाली, कुशल और निपुण लोगों की जमात कुबूल है।

उनके पास अपना चेहरा बचाने का समय भी नहीं बचा। अगर भारतीय प्रधानमंत्री एक हफ़्ते में आपसे मिलने आ रहे हैं, तो आपको अब यह उम्मीद नहीं पालनी चाहिए कि आपकी यात्रा की पूर्व संध्या पर अच्छी खबर आएगी। ट्रंप ने अपने कार्यकाल के कुछ हफ़्तों में ही विश्व व्यवस्था के नियमों की इबारत को फिर से लिख दिया है। पूर्व विदेश सचिव श्याम सरन इसे ह्यअमेरिका की ओर से असभ्य व्यवहारह्ल करार देते हैं। वैसे भी सभ्य तरीके और शिष्टाचार ह्यनए अमेरिकाह्ल की विदेश नीति का पहले ही शिकार बन चुके हैं। जिस तरह से ट्रंप मध्य पूर्व झ गाजा, फिलिस्तीन, जॉर्डन झ में बदलाव करने में लगे हुए हैं, वह अभूतपूर्व है। भारत ने चुप्पी साध रखी है क्योंकि पिछले कुछ समय से जिन अति-यथार्थवादी नीतियों का प्रचार किया जा रहा है, उनका मतलब यह है कि आप तभी शामिल होंगे जब आप सीधे तौर पर प्रभावित होंगे। और गाजा, फलस्तीन और जॉर्डन से आप सीधे प्रभावित नहीं हैं।

जहां तक गत सप्ताह की शुरूआत में, महिलाओं सहित 104 लोगों को बेड़ियों में जकड़कर विमान के जरिये घर वापस भेजे निर्वासितों की बात है, भारत सरकार का संदेश यह है कि जो लोग कानून तोड़ते हैं, वे उसी सजा के काबिल हैं, जो मिली। अमेरिकी सीमा गश्ती दल ने उन्हें ह्यएलियनह्ल बताया है, और वे हैं भी। और फिर, जब जयशंकर ने निर्वासित भारतीयों पर संसद में ब्यान दिया, और रिकॉर्ड पर माना कि ह्यरुख नौकरशाही तौर तरीकों से हिसाब से सही हैह्ल,तो कोई यह सोचे बगैर नहीं रह सकता कि यदि उनकी पूर्ववर्ती दिवंगत सुषमा स्वराज होतीं तो भारत के लिए बनी वर्तमान विकट परिस्थिति का सामना कैसे करतीं झ जब अपने गरीब और अकुशल लोगों को उनके एक बहुत ही मूर्खतापूर्ण काम करने के लिए उचित रूप से दंडित होते हुए पातीं।

सुषमा आंटी ने विदेश मंत्रालय के सख्त दिल नौकरशाहों की नौकरशाही चेतना को इतना तो झिंझोड़ दिया था कि उन्हें दुनिया भर में भारतीय कामगारों के प्रति दयालुता का भाव रखने के लिए मजबूर होना पड़ा। उन्होंने प्रवासियों की सुरक्षा के लिए सुधारों का आदेश दिया, विदेश जाकर कमाने के इच्छुकों के लिए कानून सख्त किए गए, आव्रजन एजेंटों को सही राह पर चलने के लिए मजबूर किया गया। ऐसा नहीं कि उन्होंने पूरी व्यवस्था को साफ कर दिया था, लेकिन उन्होंने निश्चित रूप से कोशिश की। उन्हें पता था कि हमारे लोग अक्सर विदेशी कानून को तोड़ते हैं, लेकिन फिर भी उन्होंने सहृदयता दिखाई। जब वे जानबूझकर नियमों को तोड़ते हुए पकड़े गए, तब भी उनकी मुसीबतें कम करने की कोशिश की।

इसके बजाय, मौजूदा मोदी सरकार इन लोगों पर नियम पुस्तिका का वास्ता थोप रही है। इतना ही नहीं, विदेश मंत्रालय यह बता रहा है कि ये पंजाबी लोग जो अपना अमेरिकी सपने पूरा करने के ले 45 लाख रुपये खर्च कर सकते हैं, वे वास्तव में गरीब नहीं हैं। बेशक, विदेश मंत्रालय सही है। इन 104 पुरुषों और महिलाओं ने जानबूझकर ह्यअमरीकाह्ल के लिए एकतरफा टिकट खरीदा, अच्छी तरह से जानते हुए कि ह्यडुनकी रूटह्ल ही अमेरिका में घुसने का तरीका था। फिर भी वे गए। समस्या यह है कि अगर उन्हें दुबारा मौका मिले तो वे फिर जाएंगे, क्योंकि उन्हें अमेरिका भेजने के लिए परिवार ने जो कर्ज उठाया है, उसको चुकाने की जरूरत है। आप वापस मोदी-ट्रम्प और भारत-अमेरिका संबंधों के महत्व पर आते हैं। इस तथ्य के अलावा कि मोदी ट्रंप के साथ जल्दी से जल्दी राब्ता बनाने के लिए उत्सुक हैं, तथ्य यह है कि दोनों देश एक-दूसरे में तेजी से निवेश कर रहे हैं। । खुफिया जानकारी साझा करने से लेकर पिछले 25 वर्षों में हस्ताक्षरित सैन्य आधारभूत समझौतों के माध्यम से रक्षा एवं प्रौद्योगिकी की साझेदारी करने तकझजीएसओएमआईए, एलईएमओए, सीओएमसीएएसए, बीईसीए, नामक संधियांझयूं भारत अमेरिका के साथ इतनी निकटता से जुड़ा हुआ है कि इसे ह्यअनौपचारिक सहयोगीह्ल के रूप में परिभाषित करना बहुत गलत नहीं होगा। कुछ लोग कहेंगे, क्यों नहीं। भारतीय मूल के 50 लाख से अधिक अमेरिकी नागरिक हैं, जो एक बेहद प्रभावशाली समूह है। हम उन सबकी सफलता पर नाज करते हैं। हम सुंदर पिचाई, सत्य नडेला, इंद्रा नूई और अजय बंगा को लेकर इतने गदगद् होते हैं, मानो वे हमारे अपने परिवार का हिस्सा हों।

गुप्ताजी नगर निगम' के नाम से लगाते थे व्यापारियों को चपत, मुठभेड़ में पकड़े अंतरराज्यीय बदमाशों ने बताई जुर्म की कहानी

नेशनल प्रेस टाइम ब्यूरो

मथुरा। प्रतिष्ठित प्रतिष्ठान के व्यापारियों से रुपये ऐंठने वाले टटलू गिरोह के चार अंतरराज्यीय बदमाशों को कोतवाली और एसओजी टीम में रविवार देर रात 12 बजे माल गोदाम रोड से मुठभेड़ में गिरफ्तार किया है। पैर में गोली लगने से तीन बदमाश घायल हो गए हैं। पुलिस ने इनके कब्जे से व्यापारियों से ठगे गए 1.70 लाख रुपये, तीन तमंचे, छह कारतूस व एक कार बरामद की है। घायल बदमाशों को पुलिस ने जिला अस्पताल में भर्ती कराया है। चारों बदमाश हरियाणा के रहने वाले हैं।एसपी सिटी डॉक्टर अरविंद कुमार ने बताया कि प्रिंस अदलखा उर्फ मुच्छी निवासी राजीव नगर थाना सेक्टर-14 जिला गुरुग्राम, राजकुमार निवासी मदनपुरी थाना न्यू कॉलोनी जिला गुरुग्राम, राजेश कुमार उर्फ राजू निवासी हीरा नगर थाना शिवाजी नगर जिला गुरुग्राम और विजय कुमार निवासी मॉर्डन टाउन थाना सिटी जिला गुरुग्राम को मुठभेड़ में गिरफ्तार किया गया है। पैर में गोली लगने से बदमाश प्रिंस, राजकुमार और विजय कुमार घायल हो गए हैं। पूछताछ में शातिरों ने बताया कि प्रत्येक घटना के लिए अलग से मोबाइल व फर्जी पते पर सिम कार्ड खरीद कर टू कॉलर पर गुप्ता जी नगर निगम का नाम सेव कर अलग-अलग जिलों में नगर निगम कार्यालय पर जाकर गूगल से प्रतिष्ठित प्रतिष्ठान, मिठाई की दुकान, कोल्ड ड्रिंक सप्लायर्स के मोबाइल नंबर सर्च करके नगर निगम के गुप्ता जी नगर निगम अधिकारी बनकर वार्ता करते हैं।बदमाशों ने बताया कि जब्त किया गया घी, रिफाइंड, कोल्ड ड्रिंक सस्ते दाम पर बेचने का लालच देकर डीलिंग करके नगर निगम कार्यालय पर व्यापारी को बुलाकर अपना गलत नाम बता कर गुमराह करके लाखों रुपये अपने एक साथी के हाथों लेकर व्यापारी को रसीद व गेट पास पर्ची कटवा कर घी, रिफाइंड, कोल्ड डिंक देने की कहकर रुपये लेकर निकल जाते हैं।एक घटना करके फर्जी पते पर ली गई सिम कार्ड व मोबाइल को तोड़कर फेंक देते हैं। बदमाशों ने 31 जनवरी 2025 को मथुरा में एक प्रतिष्ठित मिष्ठान भंडार से 1.87 लाख व 13 दिसंबर 2024 को कोल्डड्रिंक थोक सप्लायर्स के साथ 86 हजार रुपये की धोखाधड़ी कर-के रुपये लेकर भाग गए थे। बदमाशों ने बताया उन्होंने मथुरा के साथ गौतमबुद्ध नगर, हापुड, कानपुर, दिल्ली, मानेसर गुरुग्राम, फरीदाबाद हरियाणा व देहरादून आदि स्थानों पर इसी प्रकार से प्रतिष्ठित व्यापारियों के साथ घटनाएं की हैं।

ट्रेन हादसों को रोकेगा कवच डिवाइस, फाइनल परीक्षण की तैयारी शुरू

नेशनल प्रेस टाइम ब्यूरो

मथुरा। ट्रेन हादसे रोकने के लिए मथुरा और पलवल के बीच लगाई गई कवच डिवाइस का परीक्षण जल्द ही प्रमुख यात्री ट्रेनों में लगाकर किया जाएगा। परीक्षण सफल होने के बाद सभी ट्रेनों में इस डिवाइस को लगाकर संचालन किया जाएगा।

रेलवे अधिकारियों ने बताया कि सुरक्षित ट्रेन संचालन और हादसों को रोकने के लिए कवच डिवाइस लगाने का काम प्रथम चरण में वृंदावन रोड स्टेशन से पलवल के बीच शुरू किया गया था। लगभग 100 किलोमीटर के रेलवे ट्रैक पर कवच डिवाइस को लगाने का काम करीब-करीब पूरा हो चुका है। ट्रेनों में कवच डिवाइस लगाकर किया गया परीक्षण पूरी तरह सफल साबित हुआ हैं। इसके अब प्रमुख यात्री ट्रेनों में डिवाइस लगाकर परीक्षण होगा। उन्होंने बताया कि अब इसमें जो भी कमियां सामने आएंगी उन्हें इंजीनियरों द्वारा सही करके डिवाइस को अन्य ट्रेनों में लगा दिया जाएगा। स्टेशन निदेशक एनपी सिंह ने बताया कि वृंदावन रोड स्टेशन से पलवल के बीच कवच डिवाइस को लगाने का काम लगभग पूरा हो चुका है। अभी तक जो भी परीक्षण किया गया है वह सफर रहा है। इस वर्ष कवच डिवाइस लगा कर ट्रेनों का संचालन शुरू करा दिया जाएगा।

बरसाना में हुरियारिनें लट्ठ चलाने का करने लगीं अभ्यास

नेशनल प्रेस टाइम ब्यूरो

मथुरा। बरसाना में वसंत पंचमी से शुरू हुई 40 दिवसीय होली की खुमारी अब धीरे-धीरे परवान चढ़ने लगी है। हुरियारिनें जहां लट्ठ चलाने का अभ्यास करने के साथ ही उन्हें तेल पिला रही हैं, वहीं हुरियारे भी अपनी ढालों को दुरुस्त कर रहे हैं।

बरसाना की विश्व विख्यात लठामार होली की तैयारियां शुरू हो गई हैं। इसमें हुरियारिनें बिना रुके-थके एक घंटे तक ताबड़तोड़ लट्ठ ढालों के ऊपर बरसाती हैं। उनके लाठी चलाने का अंदाज किसी लठैत से कम नहीं होता। वहीं, नंदगांव के हुरियारे भी अपने नन्हे हुरियारों को लाठियों से बचने के तरीके सिखा रहे हैं। लठामार होली का दृश्य अद्भुत होता है। अबीर और गुलाल के गुबार के बीच चमड़े की ढाल पर बरसतीं लाठियां, लाठियों से बचाव करते हुरियारे और इन्हें देखने के लिए श्रद्धालुओं का हुजूम उमड़ता है। होली खेलने के लिए जहां लाठियां बरसाने वालीं हुरियारिनों का दक्ष होना जरूरी है, वहीं ढाल पकड़ने वाले हाथ की पकड़ भी मजबूत होनी चाहिए। इसके लिए हुरियारिनें एक महीने पहले से ही सुबह-शाम दूध में बादाम डालकर तो कभी हलवा बनाकर खा रही हैं। फलों का सेवन करती हैं। इन सभी पौष्टिक आहार को खाने के बाद उन्हें लगातार लाठी चलाने की ताकत मिलती है। बुजुर्ग महिलाएं नववधुओं को लट्ठ चलाने का हुनर सिखा रही हैं। उत्साह से लबरेज इन महिलाओं का अभ्यास हर दिन चल रहा है।

मथुरा जनपद में गोवंश की लगातार बढ़ रही संख्या, संरक्षण के इंतजाम पुराने

मथुरा। जनपद में गोवंशीय पशुओं की संख्या में तेजी से इजाफा हो रहा है। इनकी संख्या के साथ-साथ सड़क हादसों की संख्या भी बढ़ रही है। छुट्टा गाय, सांड़ शहर की सड़कों पर कहीं भी देखे जा सकते हैं। भोजन की तलाश में भटकते इन बेजुबान को इस बात का अंदाजा नहीं हो पाता कि खुद वे भी हादसे का शिकार हो सकते हैं। यही कारण है कि आए दिन कोई न कोई हादसे का शिकार हो ही जाता है। चाहे उसमें पशु घायल हो या व्यक्ति। प्रशासन व पशुपालकों की लापरवाही का ही यह परिणाम है। प्रशासन के पास भी इन पशुओं की व्यवस्था करने का कोई विकल्प नहीं है। जो हैं वह भी सालों पहले तैयार किए गए इंतजाम हैं। अधिकारियों ने गोवंश की बढ़ोतरी के हिसाब से नए सिरे कोई भी व्यवस्था नहीं की है। यही कारण है कि वर्तमान में सड़कों व गलियों में छुट्टा गोवंश की भरमार है। रातभर सड़क के बीचोंबीच डेरा डाले रहते हैं। ऐसे में सड़क हादसे होना लाजमी हैं। इस संबंध में लोगों ने बताया है कि गोवंश पशुओं के कारण सड़क पर आवागमन बाधित रहता है। हर समय हादसे की आशंका बनी रहती है। ग्राम प्रधान, पंचायत सचिव, लेखपाल व हल्का के सिपाही और संबंधित अधिकारी पशुओं की निगरानी नहीं कर रहे हैं। न ही जिलाधिकारी के निर्देश का पालन हो रहा है। अधिकारी पशु मालिकों द्वारा जानवर बांधकर न रखने वालों की जानकारी भी प्रशासन को नहीं दे रहे। पशु मालिकों की पहचान न होने पर कार्रवाई नहीं हो पा रही है। इससे यातायात व्यवस्था पर विपरीत असर पड़ रहा है। रात में ही नहीं दिन में भी गोवंश रोड के किनारे डेरा डाले रहते हैं। इससे जाम की स्थिति पैदा हो जाती है। राहगीरों को घंटों तक परेशानी का सामना करना पड़ता है।

अपने गांव की चौपाल में पहुंचे सेवा निवृत आई.एफ.एस. अधिकारी

मथुरा। गांव पट लौनी में रविवार को एक चौपाल का आयोजन ग्राम प्रधान के द्वारा किया गया जिसमें गांव की समस्या एवं समाधान पर चर्चा की गई।

चौपाल में पहुंचे ग्राम पटलोनी के भाग नगला मोहन के मूल निवासी सेवा निवृत आईएफएस अधिकारी ओम प्रकाश चौधरी का ग्राम प्रधान लाखन सिंह एवं पदम सेठ ने माला और पटुका पहना कर स्वागत किया। आईएफएस ओम प्रकाश चौधरी ने कहा कि गांव के निवासियों को अपने बच्चों की शिक्षा पर बल देना चाहिए अगर शिक्षा बच्चों को अच्छी मिल जाती है तो वह अपने ज्ञान से अपने भविष्य की तरक्की के रास्ते खुद तय कर सकते हैं आज शिक्षा की डिजिटल युग में अत्यंत आवश्यकता है सभी ग्राम वासी शिक्षित होंगे तो ग्रामीण क्षेत्र में उच्च स्तर का विकास संभव होगा। आधुनिक दौर में ज्ञान के साथ मानवता भी जरूरी है हर व्यक्ति को समाज में एक दूसरे की मदद करनी चाहिए। इसके अलावा अपने ग्राम वासियों के साथ विकास के विभिन्न पहलुओं पर चर्चा की गई इस दौरान ग्राम प्रधान लाखन सिंह, पूर्व प्रधान मोहन सिंह चौधरी,पदम कुमार,धारी सिंह, देवदत्त गौतम, जितेंद्र गौतम, गिरवर सिंह चौधरी , दिगंबर सिंह चौधरी, मुख्तियार चौधरी आदि ग्राम वासी मौजूद रहे।

दो जरूरतमंद दिव्यांगों को दी ट्राई साईकिल

एनपीटी, ब्यूरो

आगरा। सामर्थ्यवान दिव्यांगों की नई दिशा संस्था की ओर से खंदारी स्थित कालंदीपुरम कार्यालय पर दो जरूरतमंद दिव्यांग को ट्राई साईकिल निःशुल्क प्रदान की। वितरण कार्यक्रम की शुरूआत मुख्य अतिथि रामेंद्र कुमार शर्मा रवि, विशिष्ट अतिथि डॉ. निखिल शर्मा व महिमा शर्मा ने की। संस्था के संस्थापक पंडित मनीष शर्मा ने बताया कि रास्ते में एक दिव्यांग जो चल नहीं पा रहा था और परेशान बहुत था उसे बातचीत कर उसको ट्राई साइकिल देने के लिए कहा और दूसरे दिव्यांगजन को गांव से लाकर ट्राई साइकिल दी गई। निरंतर संस्था दिव्यांगों को सहयोग देती है और देती रहेगी। जरूरतमंदों की आवश्यकता को ध्यान में रखते हुए लोगो की सेवा करने के लिए समय समय पर कार्यक्रम आयोजित करती है` दिव्यांगजन को डॉक्टर निखिल के सहयोग से प्रदान की गयी। ट्राई साइकिल व व्हीलचेयर पा कर दोनों दिव्यांगजन के चहरे पर खुशी के भाव का कोई मोल नहीं था। इस अवसर पर अनु शर्मा, रूपम शर्मा, रितु, दीक्षा, शुभम, माधव ,रजत आदि मौजूद रहे।

आगरा नरेश श्याम भक्त एवं पोशाक सेवा समिति के वार्षिकोत्सव पर आयोजित किया श्री श्याम संकीर्तन

एनपीटी, ब्यूरो

आगरा। अलौकिक श्रृंगारित खाटू बाबा और संगीत की मधुर ध्वनि पर होता संकीर्तन` जयकारों के बीच भक्तों ने अखंड ज्योति प्रवज्जलित कर कार्यक्रम की शुरूआत के साथ ही भक्तिमय गीतों पर झूमते श्रद्धालु। यह नजारा था जीवनी मंडी स्थित खाटू श्याम मंदिर परिसर, जहां आगरा नरेश श्याम भक्त एवं पोशाक सेवा समिति की ओर से वार्षिक उत्सव पर आयोजित श्री श्याम संकीर्तन महोत्सव पर कीर्तन का आयोजन किया। कार्यक्रम का शुभारंभ अध्यक्ष अमन गर्ग, उपाध्यक्ष सौरभ बंसल और कोषाध्यक्ष कार्तिकेय बंसल ने खाटू श्याम जी के समक्ष पावन ज्योति प्रवज्जलित कर मंगल आरती उतार कर किया । बनारस से आये मुख्य गायक शिवांश शर्मा ने हमारी दौलत है खाटू श्याम, जिसकी नैया श्याम भरोसे.., सूर्यांश गहलोत ने थक सा गया हूँ मैं बाबा.., काव्या गोला ने हम है श्याम के प्यारे, बाबा श्याम हमारे.., गायिका लवली किशोरी ने जब भी श्याम दीवानो के सर पर संकट मड़रायेगा, बाबा दौड़ा आएगा.., महक ठाकुर ने आयो सावरिया सरकार.., विकास वर्मा ने श्याम दिखाता नहीं पर वो मौजूद हैं... आदि भक्ति गीत गाकर भक्ति रस बिखेरा। समिति के सदस्यों ने सुबह 7 बजे निशान यात्रा निकाली, दोपहर 1 बजे अग्रवन गौशाला में गौमाता को 84 भोग लगाए और शाम पाँच बजे को बाबा की पालकी के साथ पोशाक यात्रा निकाली । इस अवसर पर मोहित अग्रवाल, गगन गर्ग, शशांक अग्रवाल, सौरभ अग्रवाल, नीरज अग्रवाल, निखिल अग्रवाल, सचिन अग्रवाल, अमन मंगल आदि मौजूद रहे।

राणा शुगर मिल पर बकाए को लेकर भारतीय किसान यूनियन भानु ने की पंचायत

उत्तर प्रदेश रामपुर शाहबाद सोमवार को भारतीय किसान यूनियन भानू की एक पंचायत ग्राम शेखूपुर में जिला संगठन मंत्री रामनाथ मौर्य के आवास पर संपन्न हुई पंचायत में किसानों की समस्याओं को लेकर चर्चा की गई जिसमें राणा शुगर मिल करीमगंज पर किसानों का 40 करोड रुपए बकाया है जल्द किसानों को दिलवाया जाए शाहाबाद क्षेत्र में आवारा पशुओं से किसानों की फसल को बचाया जाए और पंचायत में घोषणा की गई की 13 फरवरी दिन बृहस्पतिवार को बड़ा गांव में एक बड़ी पंचायत का आयोजन किया जाएगा जिसमें हजारों की तादात में किसान मौजूद रहेंगे इस मौके पर जिला संगठन मंत्री रामनाथ मौर्य आरिफ का ताहिर खान महिपाल सिंह आकिल खान आरिफ कल्लू फुर्सत अली इसाक खा जान मोहम्मद इशरत अली सैफ आदि किसान उपस्थित रहे

यूपी के इस जिले में जाम के कारण प्री-प्राइमरी से 12 तक के स्कूल 14 तक बंद, आदेश जारी

अयोध्या। महाकुंभ के कारण प्रदेश के कई जिलों में दर्शन-पूजन के लिए भारी भीड़ उमड़ रही है। इसे देखते हुए प्रशासन ने प्री-प्राइमरी से कक्षा 12 तक के सभी स्कूलों को बंद करने का निर्देश दिया है। माघ पूर्णिमा के कारण अयोध्या धाम में अत्यधिक भीड़ आने की संभावना को देखते हुए जिलाधिकारी चंद्र विजय सिंह ने प्री-प्राइमरी से 12 तक के सभी स्कूलों को 11 से 14 फरवरी बंद करने का आदेश दिया है। नगर निगम अयोध्या के अयोध्या धाम परिक्षेत्र के सभी शासकीय और अशासकीय सहायता प्राप्त तथा निजी मान्यता प्राप्त स्कूलों पर यह आदेश लागू होगा। इस दौरान किसी भी प्रकार का शिक्षण कार्य नहीं होगा लेकिन सभी प्रशासनिक कार्य पहले की तरह होते रहेंगे। इस अवधि में बोर्ड परीक्षा की प्रयोगात्मक परीक्षाएं पहले से जारी समय के अनुसार ही संपन्न कराई जाएंगी। उन्होंने कहा कि उक्त आदेश का पालन कड़ाई से कराया जाए।

महाकुंभ के कारण जिले में उमड़ रही भारी भीड़-प्रयागराज महाकुंभ स्नान के बाद जिले में श्रद्धालुओं का रेला लगातार उमड़ रहा है। इसकी वजह से शहर नहीं, ग्रामीण क्षेत्रों तक भी चहुंओर जाम ही जाम है। वाहनों को रायबरेली व सुल्तानपुर हाईवे से भी मोड़ा जा रहा है, जिसकी वजह से ग्रामीण क्षेत्रों में भी व्यवस्थाएं बेपटरी हो गई हैं।

चैम्पियन ट्रॉफी | तेजस के जाबांजो ने किया कैप्टन शुभम गुप्ता चैम्पियन ट्रॉफी पर कब्जा

तेजस ने 65 रनो से मार्कोस कमांडो को हराकर

एनपीटी, ब्यूरो

आगरा। दुधिया रोशनी में कुबेरपुर स्थित कैप्टन अनेक सिंह क्रिकेट अकेडमी पर डे-नाइट कैप्टन शुभम गुप्ता ट्रॉफी क्रिकेट टूनार्मेंट के फाइनल मैच में जमकर चौके-छक्को की बरसात हुई। फाइनल मैच तेजस और मार्कोस कमांडो के बीच खेला गया। जिसे तेजस के जाबांजो ने 65 रन से जीत लिया। मार्कोस कमांडो की टीम ने टॉस जीतकर तेजस की टीम को बल्लेबाजी के लिए आमंत्रित किया। फाइनल मैच में तेजस की ओर से बल्लेबाजी करने आये सुमित धाकड़ ने अपने बल्ले से 8 चौके और 2 छक्के जड़ते हुए 61 रन बनाये तो मोहित पांडेय ने भी 8 चौके और 2 छक्के लगा कर 54 रन की शानदार बल्लेबाजी करते हुए निर्धारित 20 ओवर में 7 विकेट खोकर 261 रन बनाये। मार्कोस कमांडो की ओर से गेंदबाजी में राहुल सिंह और आनंद सिंह ने 2-2 विकेट झटक लिए। दूसरी पारी में लक्ष्य का पीछा करने उतरी मार्कोस कमांडो 20 ओवर में 8 विकट खोकर अक्की के 100 रन और अनुज लवानिया के 30 रन के सहयोग से 196 रन ही बना पायी और मैच हार गयी। तेजस की ओर से सचिन ने 3 और शोभित 2 विकेट लिए। तेजस ने 65 रन से फाइनल की ट्रॉफी अपने नाम की और ईनाम की 21 हजार की राशि गोल्ड जिम के निदेशक मनोज यादव और हेयर मास्टर की निदेशक रूबी शर्मा ने दी। मैच में विजेता घोषित होते ही पूरा मैदान कैप्टन शुभम गुप्ता अमर रहे के नारे से गूंज उठा। तेजस के जांबाज खिलाड़ियों को शुभम गुप्ता के भाई ऋषभ गुप्ता और उनके चाचा एमपी गुप्ता ने पुरुस्कृत किया। पुरुष्कार वितरण के दौरान प्लेयर ऑफ द मैच सचिन और प्लेयर ऑफ सीरीज रवि चौधरी को चुना गया। मैच की कमेंट्री नरेंद्र शर्मा, अंपायरिंग अतुल सोलंकी व असीम पाल और स्कोरिंग विवेक चौधरी ने की। इस अवसर पर सचिव मनोज यादव, रूबी शर्मा, सनी मेहरा, विवेक भारद्वाज, दीपक अग्रवाल, के-के त्यागी आदि मौजूद रहे।

बच्चो को बाल मजदूरी से कराया मुक्त

एनपीटी ब्यूरो ललितपुर

जनपद ललितपुर द्वारा शिकायत दर्ज करायी गयी है कि लगभग 45 दिन पूर्व श्री माखन निवासी ग्राम बिजपुरी सागर मध्य प्रदेश जनपद ललितपुर के कुल 34 श्रमिकों को महाराष्ट्र प्रदेश स्थित ग्राम मांडवा ब्लाक वाशी जिला उस्मानाबाद (धाराशिव) महाराष्ट्र गन्ने के खेत में कार्य करने हेतु गये हैं, कार्यस्थल पर मालिक श्री अनिल जाधव द्वारा जबरन मजदूरी करायी जा रही है जनपद के श्रमिकों को 45 दिन से कोई मजदूरी नहीं दी गयी है और लोगों के साथ मार-पीट भी की जा रही है एवं बंधुआ श्रमिक के रूप में जबरन मजदूरी करायी जा रही है जिलाधिकारी अक्षय त्रिपाठी द्वारा श्रम विभाग को तत्काल आदेशित किया गया कि जनपद के बंधुआ श्रमिकों को तत्काल अवमुक्त कराया जाये और उन्हें सकुशल वापस ललितपुर लाया जाये, जिलाधिकारी द्वारा मामले का संज्ञान लेते हुये तत्काल जिलाधिकारी उस्मानाबाद (धाराशिव) महाराष्ट्र से समन्वय स्थापित कर मामले को गम्भीरता से लेने की बात कही जिसके बाद जिला समन्वयक जनसाहस (एन०जी०ओ०) ललितपुर से श्री राजेश व श्री धीरेन्द टीम सहित महाराष्ट्र पहुंचे, जिलाधिकारी ललितपुर द्वारा तत्काल महाराष्ट्र प्रशासन से सम्पर्क कर आवश्यक पुलिस बल एवं शासकीय अधिकारियों की सहायता ली गयी जिससे कार्यस्थल पर पहुंचकर ललितपुर की टीम द्वारा जनपद ललितपुर के ग्राम पिसनारी व ग्राम सकरा ब्लाक मडावरा के श्रमिकों को सकुशल अवमुक्त कराया

महाराष्ट्र से छुड़वाए गए 34 व्यक्तियों में 15 बच्चे भी शामिल

एनपीटी ब्यूरो ललितपुर
ललितपुर महाराष्ट्र के उस्मानाबाद (धाराशिव) से छुड़वाये 19 बंधुआ श्रमिक सहित कुल 34 व्यक्ति वापस लौटे ललितपुर, जिलाधिकारी की रही अहम भूमिका। आपको बता दे की दिनाँक 27.01.2025 को शिकायतकर्ता रामकिशन पुत्र गनेश नि० ग्राम

और जिलाधिकारी ललितपुर से निरन्तर सम्पर्क में रहे। जिलाधिकारी ललितपुर द्वारा लगातार निगरानी व आवश्यक दिशानिर्देश टीम को दिये गये जिससे सकुशल 34 लोगों को वापस ललितपुर लाया जाना सम्भव हुआ। वापस लौटे श्रमिकों द्वारा जिलाधिकारी का आभार प्रकट करते हुये कहा कि शासन द्वारा भरपूर मदद की गयी और इस कार्य में जनसाहस के जिला समन्वयक श्री राजेश एवं श्रम प्रवर्तन अधिकारी ललितपुर श्री डी०पी० अग्रहरि द्वारा सतर्कता से कार्य किया गया महाराष्ट्र पुलिस द्वारा ग्राम मांडवा ब्लाक वाशी जिला उस्मानाबाद (धाराशिव) कार्यस्थल पर सेवायोजक ठेकेदार श्री अनिल जाधव एवं श्री माखन निवासी ग्राम बिजपुरी सागर मध्य प्रदेश के विरुद्धख एफ०आई०आर० दर्ज कर भारतीय न्याय संहिता (बी०एन०एस०) 2023 की धारा 126 (2), 351(2), 351 (3), 3(5) एवं श्रम अधिनियमों के तहत कार्यवाही की जा रही है, वहीं जिलाधिकारी ललितपुर द्वारा वापस लौटे श्रमिकों से मिलकर उनकी समस्यायें सुनी साथ ही एस०डी०एम० मडावरा, खण्ड विकास अधिकारी मडावरा व श्रम प्रवर्तन अधिकारी को निर्देशित किया कि शासन द्वारा संचालित जनकल्याणकारी योजनाओं से अवमुक्त श्रमिकों को आच्छादित किया जाये और जनपद में ही उन्हें रोजगार उपलब्ध कराया जाये ताकि जनपद के मजदूरों को पलायन से रोका जा सके.

महरौनी महोत्सव में हुये बच्चों के फैंसी ड्रेस और डांस कार्यक्रम

महोत्सव में पंद्रह दिवसीय सांस्कृतिक कार्यक्रमों का हुआ समापन

एनपीटी ब्यूरो ललितपुर
ललितपुर महरौनी नगर पंचायत के तत्वाधान में चल रहे महरौनी महोत्सव मेला अंतर्गत 15 वें दिवस सद्भावना मंच पर कीर्तिशेष दादा भागचंद जैन सिलौनिया की स्मृति में फैंसी ड्रेस और डांस कार्यक्रम का आयोजन हुआ। इस कार्यक्रम में स्थानीय बच्चों ने शानदार प्रस्तुति दी। सर्वप्रथम मुख्य अतिथि वीरेन्द्र जैन डोंगरया और विशिष्ट अतिथि अनिल जैन सिलौनिया ने मां शारदा की प्रतिमा के समक्ष दीप प्रज्वलित किया। तत्पश्चात फीता काटकर कार्यक्रम का विधिवत शुभारंभ किया। मुख्य अतिथि वीरेन्द्र डोंगरया ने महरौनी महोत्सव आयोजन की सराहना करते हुये, इसके सफल आयोजन के लिए आयोजक मंडल को बधाई दी। उन्होंने कहा कि यह आयोजन नगर के लिये एक बडी भव्य सौगात है, जिससे महरौनी की नवांकुर प्रतिभाओं को निखारने हेतु बेहतर मंच प्रदान किया गया है।

कार्यक्रम में फैंसी ड्रेस के अंतर्गत छोटे छोटे बच्चों ने मनमोहक रूप धारण किये। जिनमें प्रमुख रूप से रानी लक्ष्मीबाई, भारतीय सैनिक, स्व.भागचंद जैन, प्रिंसेज , पापा की परी , रामभक्त और पान वाला के रूप दिखाकर बच्चों ने दर्शकों की खूब सराहना बटोरी। वहीं बच्चों ने अनेक ग्रुप और सोलो डांस की प्रस्तुति दी।

फैंसी ड्रेस कार्यक्रम के दौरान प्रतिभागी बच्चों से प्रश्नोत्तर हुये। निर्णायक के रुप में माही त्रिपाठी और कर्णिका बडौनिया ने बच्चों से रोचक संवाद किया। कार्यक्रम के समापन पर सभी प्रतिभागियों को पुरस्कार वितरण किया गया।

कार्यक्रम में मंच संचालन रवि खरे और सूर्यकांत त्रिपाठी ने किया। अंत में महोत्सव प्रमुख दुष्यंत बडोनिया ने सभी का आभार प्रकट किया।

कार्यक्रम को सफल बनाने में नगर पंचायत अध्यक्ष नीलम बडौनियां, अधिशाषी अधिकारी साक्षी साहू, संजय पांडेय भारत, कुलदीप खरे एडवोकेट, हृदयेश गोस्वामी, सूर्यकांत त्रिपाठी, रवि खरे, दिनेश श्रीवास्तव, पूरन पाटकार, अभय दुबे टिंकू, नितिन जैन शास्त्री ,जितेन्द्र पालीवाल, छोटू राय,मुकेश नायक, आनंद त्रिपाठी, अमित नायक, राजू पेंटर, पार्षद अनूप अहिरवार, नीलेश श्रीवास्तव, अनिल शर्मा, पवन बजाज, प्रेमनारायण साहू, उदयभान सिंह, मुकेश श्रीवास्तव, जाकिर अली,रवि अहिरवार , सौरभ लखपति, सुरेश अहिरवार, सौरभ सेन, आदि का सराहनीय सहयोग रहा।

संक्षिप्त समाचार

महिला ने लगाए पानी भरने जाते समय गाली गलौज मारपीट कर धमकी देने के आरोप, मामला दर्ज

ललितपुर` सदर कोतवाली क्षेत्र के अंतर्गत मोहल्ला आजादपुर में कुएं पर पानी भरने जा रही एक महिला के साथ मोहल्ले के ही विपक्षी ने रास्ते में रोक कर गाली-गलौज कर मारपीट की तथा जान से मारने की धमकी भी दी। इतना ही नहीं जब महिला ने इस बात का उलहना दिया, तब विपक्षी के परिजनों ने भी गाली-गलौज कर मारपीट पर आमादा हो गये। घटना की संबंध में पीड़िता ने पुलिस को शिकायती पत्र देकर आरोपियों के खिलाफ मामला दर्ज कराया।

मुहल्ला आजादपुर निवासी दीप पुत्री करन कुशवाहा ने सदर कोतवाली पुलिस को शिकायती पत्र देते हुए अवगत कराया की दिनांक 6 फरवरी 2025 को दोपहर करीब 12:00 बजे जब वह अपने कुएं पर पानी भरने के लिए जा रही थी, तभी उसके ही मोहल्ले में रहने वाला परशुराम पुत्र कोमल कुशवाहा आया और रास्ते में रोककर गाली-गलौज करने लगा। इतना ही नहीं जब उसने विपक्षी की इस हरकत पर विरोध जताया, तो उसने सरेआम मारपीट की और मौके से रफू चक्कर हो गया। इस दौरान जब उसने विपक्षियों को इस बात का अलाहना दिया, तो उन्होंने पत्थर से हमला कर उसे लहू लहान कर दिया। इतना ही नहीं विपक्षी के परिजन भी मारपीट पर आमद होकर जान से मारने की धमकी देने लगे। सदर कोतवाली पुलिस ने मामले को संज्ञान में लेकर पीडिता द्वारा दिए गए शिकायती पत्र के आधार पर सभी आरोपियों के खिलाफ 191(2), 115(2), 126, 125 धाराओं में मामला पंजीकृत कर विवेचना प्रारंभ कर दी है।

बाइक चालक सरकारी कर्मचारी से मारपीट करने वाले अज्ञात कार सवार पर मामला दर्ज

ललितपुर` सदर कोतवाली क्षेत्र के अंतर्गत स्टेशन रोड पर बाइक सवार सरकारी कर्मचारी से सरेआम गाली गलौज कर मारपीट करने वाले कार सवार अज्ञात आरोपियों के खिलाफ पुलिस ने मामला पंजीकृत किया है। सरेआम मारपीट करने का भी वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हुआ था। बताते चलें कि पहले कार सवारों ने बाइक चालक को टक्कर मारी थी और उसके बाद में उसके साथ मारपीट की थी।

मिली जानकारी के अनुसार शनिवार को दोपहर में शहरी इलाके के जेल चौराहे के पास बनी सरकारी आवास कॉलोनी में रहने वाले फूल सिंह पुत्र राजाराम सरकारी कर्मी शहर के स्टेशन रोड पर अपनी मोटरसाइकिल से जा रहा था। इसी दौरान वहां से निकल रही कार क्रमांक यूपी 94 क्यू 7287 में सवारों ने गाड़ी को तेजी तथा लापरवाही से चलते हुए उसकी मोटरसाइकिल में पहले तो जोरदार टक्कर मार दी और उसके बाद में रोक कर सरेआम दबोच कर उसके साथ कारीगर करते हुए मारपीट की जब दबंग सरकारी कर्मचारियों के साथ मारपीट कर रहे थे तभी उसका किसी ने वीडियो बना लिया और सोशल मीडिया पर वायरल कर दिया। मारपीट की घटना को अंजाम देकर सभी कर सवार मौके से रफू चक्कर हो गए इसके बाद पीडित ने सदर कोतवाली पुलिस को शिकायती पत्र देकर कार्यवाही की मांग उठाई सदर कोतवाली पुलिस ने मामले को संज्ञान में लेकर सरकारी कर्मचारियों द्वारा दिए गए शिकायती पत्र के आधार पर अज्ञात कार सवारों के खिलाफ 281, 125ए 324(4),115(2) 352 धाराओं में मामला पंजीकृत कर विवेचना प्रारंभ कर दी है।

गैंगस्टर एक्ट में वांछित दो अभियुक्त गिरफ्तार

एनपीटी ब्यूरो ललितपुर
ललितपुर। बार पुलिस ने रविवार को गैंगस्टर एक्ट में वांछित दो शातिर अभियुक्त को गिरफ्तार किया है। पुलिस अधीक्षक मो० मुश्ताक के निर्देशन मे अपराध एवं अपराधियों के विरूद्ध चलाये जा रहे अभियान के क्रम में थाना बार पुलिस द्वारा थाना बार पर पंजीकृत मु०अ०सं०-मु0अ0सं0 39/2025 धारा 2(ख) 1/3 गैंगस्टर एक्ट मे वांछित अपराधी शशि राजा चौहान उर्फ देवराजा पुत्र बल्लूराजा निवासी ग्राम बम्हारी थाना करेरा जिला शिवपुरी म.प्र. प्रदुम्न राजा पुत्र वीरेन्द्र सिंह नि० ग्राम मिर्चवारा थाना बार जिला ललितपुर को गिरफ्तार कर माननीय न्यायालय के समक्ष पेश किया जा रहा है। गिरफ्तार करने वाली टीम प्रभारी निरीक्षक राजा दिनेश सिंह उ.नि. दयाशंकर सिंह कां. आलोक कुमार कां. अनिल कुमार आदि शामिल रहे।

निर्माणाधीन पार्क का डीएम ने किया निरीक्षण

चित्रकूटः जिलाधिकारी शिवशरणप्पा जीएन ने सोमवार को ऑफिसर्स आवासीय कॉलोनि सोनेपुर परिसर में तीर्थ क्षेत्र विकास प्राधिकरण के द्वारा निर्माणाधीन पार्क का औचक निरीक्षण किया। इस दौरान जिलाधिकारी ने पार्क में पाथवे, लाइटिंग, बेंचेज, बच्चों की खेल सामग्री आदि सौंदर्यीकरण कार्यों का जायजा लिया। इस दौरान उन्होंने कार्यदाई संस्थाओं से कहा कि जो भी कार्य अवशेष है, उनको तत्काल पूर्ण कराए। इस मौके पर अपर जिलाधिकारी न्यायिक राजेश प्रसाद, अवर अभियंता अमित कनौजिया आदि मौजूद रहे।

सीडीओ ने बच्चों को खिलाई एल्बेंडाजोल की गोली

चित्रकूटः कृमि मुक्ति दिवस के अवसर पर राजकीय बालिका इण्टर कॉलिज कर्वी में मुख्य विकास अधिकारी अमृतपाल कौर की उपस्थित में बच्चों को एल्बेंडाजोल की गोली खिलाकर एमडीए अभियान का शुभारम्भ किया। सीडीओ ने कहा कि बच्चों को स्वस्थ्य जीवन प्रदान करने के लिये इस अभियान का आयोजन किया गया है। प्रत्येक वर्ष की भांति इस वर्ष भी एक वर्ष से 19 वर्ष तक के आयु के सभी बच्चों को कृमि संक्रमण से बचाने के लिये प्रदेश में कृमि मुक्ति अभियान वर्ष में दो बार छः माह के अन्तराल पर किया जाता है।

आईजीआरएस पोर्टल के प्रकरणों का ससमय करें गुणवत्तापूर्ण निस्तारण- डीएम

चित्रकूट ब्यूरोः जिलाधिकारी शिवशरणप्पा जीएन की अध्यक्षता में सोमवार को आईजीआरएस पोर्टल के सम्बन्ध में कलेक्टरेट सभागार में बैठक का आयोजन किया गया। जिसमें डीएम ने अधिकारियों को पोर्टल के प्रार्थना पत्रों को ससमय गुणवत्तापूर्ण निस्तारण करने के निर्देश दिए।

बैठक में डीएम ने कहा कि आईजीआरएस प्रणाली में शासन द्वारा आंशिक संशोधन किया गया है जिसके अंतर्गत असंतुष्ट फीडबैक, प्रोफाइल सत्यापन आदि का सभी अधिकारी सही से अध्ययन कर प्राप्त होने वाले प्रार्थना पत्रों का निस्तारण शासन की मंशाअनुरुप ससमय गुणवत्तापूर्वक करें। कहा कि पोर्टल पर लंबित प्रार्थना पत्र विभाग से संबंधित नहीं है, तो सम्बन्धित विभाग को वापस भेजना सुनिश्चित करें। पोर्टल पर डिफाल्टर दिखाई देने वाले प्रार्थना पत्रों का सही तरीके से श्रेणी के अनुसार निस्तारण कराए। कहा कि प्रार्थना पत्रों के निस्तारण के दौरान स्थलीय निरीक्षण की फोटो भी अपलोड करें। किसी भी प्रकरण के निस्तारण को बिना स्थलीय निरीक्षण के फीड न करें और न ही निस्तारण की आख्या दें। अधिकारी व कर्मचारियों को लगाकर समस्याग्रस्त व्यक्ति से फीड़बैक लेकर रजिस्टर में नोट करें। पोर्टल में दिखाए गए निस्तारण का शासन स्तर से फीडबैक भी लिया जाता हैं। इसमें गलत निस्तारण जाए जाने पर सम्बन्धित के खिलाफ कार्यवाही भी की जाती है। अतः निस्तारण आख्या का फीड़बैक सही से लें। लाभार्थी परख योजनाओं के प्रकरणों का सम्बन्धित योजना के लाभ के विवरण का उल्लेख व श्रेणी का चयन करते हुए ही निस्तारण करें। कहा कि सभी अधिकारी यह सुनिश्चित करें कि आईजीआरएस का कोई भी प्रकरण डिफाल्टर नहीं होना चाहिए। अतः समय सीमा के अंदर निस्तारित करें ताकि जनपद की रैंकिंग प्रभावित न हो।

इस मौके पर अपर जिलाधिकारी न्यायिक राजेश प्रसाद, मुख्य चिकित्साधिकारी भूपेश द्विवेदी, उप जिलाधिकारी मानिकपुर मोहम्मद जसीम, मऊ सौरभ यादव, अपर उप जिलाधिकारी राकेश कुमार पाठक, डीसी मनरेगा धर्मजीत सिंह, डीसीएनआरएलएम ओम प्रकाश मिश्रा, जिला पंचायत राज अधिकारी इंद्र नारायण सिंह सहित सम्बन्धित जिला स्तरीय अधिकारी व कर्मचारी मौजूद रहे।

सोलर पार्क परियोजना के लिए किया गया भूमिपूजन

नेशनल प्रेस टाइम ब्यूरो
मऊ, चित्रकूटः मानिकपुर विधायक अविनाश चंद्र द्विवेदी एवं जिलाधिकारी शिवशरणप्पा जीएन ने तहसील मऊ में 800 मेगावाट अल्ट्रा मेगा सोलर पावर पार्क परियोजना के लिए भूमि पूजन किया।

मानिकपुर विधायक ने कहा कि सोलर पार्क का निर्माण करने के लिए 15 गांव में 3600 एकड़ (2350 एकड़ निजी भूमि और 1250 एकड़ सरकारी भूमि) चिन्हित की गई है। जिसमें से 3271 एकड़ भूमि का अनुबंध किया गया है। शेष भूमि का अनुबंध की कार्यवाही प्रगति पर है। उन्होंने कहा कि किसानों को पैसा दिया जा रहा है, किसानों से जो अनुबंध किया गया है, हर तीसरे वर्ष 5 फीसदी बढ़ाया जाएगा। जिससे कि किसानों को फायदा मिलेगा, अधिक उत्पादन पर आप लोगों को फायदा मिलेगा। उन्होंने कहा कि कुछ लोग जमीन नहीं दिए है, जिससे 200 एकड़ जमीन घट रही है। 200 एकड़ भूमि मिल जाएगी तो कार्य की प्रगति बढ़ेगी । जिलाधिकारी शिवशरणप्पा जीएन ने कहा कि 800 मेगावाट अल्ट्रा मेगा सोलर पावर पार्क टुस्को द्वारा शुरू किया जा रहा है, जो जनपद के लिए एक महत्वपूर्ण परियोजना है। यह परियोजना 4700 करोड़ की है । इस प्रोजेक्ट से इन्वेस्टमेंट रोजगार का नया अवसर मिलेगा। उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री के निर्देश हैं कि जनपद में ऐसे प्रोजेक्ट लगाकर आच्छादित किया जाए, जिससे कि रोजगार के नए अवसर मिलेंगे। कहा कि इस प्रोजेक्ट से बरगढ़ मानिकपुर में एक अच्छा संदेश जाएगा। साथ ही जिले के अंतर्गत दूर दराज के गांव में स्थानीय विकास के साथ उत्तर प्रदेश को सस्ती बिजली आपूर्ति का लाभ होगा। उन्होंने किसान भाइयों से कहा कि आप लोग किसी के बहकावे में न आएं, जिनकी जमीन है उनके भी फायदे होंगे एवं किसान के ऊपर कोई दबाव नहीं है।

इस मौके पर अपर जिलाधिकारी वित्त एवं राजस्व उमेश चंद्र निगम, उप जिलाधिकारी मऊ सौरभ यादव, पूर्व ब्लॉक प्रमुख नवल किशोर मिश्र आदि मौजूद रहे।

10 से 25 फरवरी तक चलेगा फाइलेरिया उन्मूलन अभियान

चित्रकूट ब्यूरोः राष्ट्रीय फाइलेरिया उन्मूलन कार्यक्रम के अंतर्गत जनपद में 10 फरवरी सोमवार से 25 फरवरी मंगलवार तक चलाए जाने वाले एमडीए कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिसका उद्घाटन ब्लाक रामनगर के कपूरीं ठाकुर जूनियर स्कूल में केंद्रीय मंत्री जेपी नड्डा ने वर्चुअल माध्यम से किया। कार्यक्रम में जिलाधिकारी शिवशरणप्पा जीएन, उप जिला अधिकारी मऊ सौरभ यादव व मुख्य चिकित्सा अधिकारी भूपेश द्विवेदी ने उपस्थित सभी लोगों व स्कूली बच्चों को फाइलेरिया से बचाव की शपथ दिलाई। साथ ही फाइलेरिया के बचाव के लिए ग्राम प्रधान, ब्लॉक चिकित्साधीक्षक रामनगर व विद्यालय के बच्चों को दवा खिलाकर कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया। जिलाधिकारी ने बताया कि फाइलेरिया उन्मूलन कार्यक्रम के तहत 10 से 25 फरवरी तक अभियान चलाकर दवा सभी को दवा खिलाई जाएगी। जिससे फाइलेरिया से बचाव हो सके। इस मौके पर नोडल अधिकारी वीबीडी डॉ जीआर रतमेले, अपर मुख्य चिकित्साधिकारी डॉ संतोष कुमार, जिला मलेरिया अधिकारी लाल साहब सिंह, सहायक मलेरिया अधिकारी आरके सिंह, वरिष्ठ मलेरिया निरीक्षक रोहित व्यास, मलेरिया निरीक्षक प्रगति चंदेल, ज्योति सिंह, जयशंकर गुप्ता, ज्ञानचंद शुक्ला, बीपीएम रामनगर चंद्रप्रकाश, ब्लॉक एचएस पंकज कुमार सहित समस्त सम्बन्धित अधिकारी, कर्मचारी व आशाएं मौजूद रहीं।

बैंकों में लंबित आवेदन पत्रों का कराएं निस्तारण- डीएम

चित्रकूट ब्यूरोः जिला स्तरीय उद्योग बन्धु समिति की बैठक सोमवार को कलेक्टरेट सभागार में जिलाधिकारी शिवशरणप्पा जीएन की अध्यक्षता में आयोजित की गई। जिसमें डीएम ने विभिन्न योजनाओं के प्रगति की समीक्षा की। साथ ही योजनाओं के प्रति बैंकों की उदासीनता देखकर कार्रवाई करने के निर्देश दिए।

बैठक में जिलाधिकारी ने निवेश मित्र पोर्टल, मुख्यमंत्री युवा स्वरोजगार योजना सहित अन्य योजनाओं की समीक्षा करते हुए कहा कि जिन विभागीय योजनाओं की प्रगति में सीडी रेशियों बहुत कम है, उनमें प्रगति कराई जाए। साथ ही निवेश मित्र पोर्टल पर लंबित आवेदन पत्रों का तत्काल निस्तारण कराए। मुख्यमंत्री युवा स्वरोजगार योजना पर बैंक के अधिकारियों को निर्देश दिए कि ऋण वितरण के लिए बैंक स्तर पर लंबित आवेदनों को तत्काल निस्तारित कराए। डीएम ने मुख्यमंत्री युवा उद्यमी विकास अभियान योजना की जानकारी ली जिसमें बताया

गया कि योजना के अंतर्गत जनपद के 600 के लक्ष्य के सापेक्ष अभी तक 112 आवेदन पत्र स्वीकृत हुए, जिनमें 65 आवेदन पत्र में ऋण वितरण किया गया है। डीएम ने कहा कि बैंक अधिक से अधिक युवा बेरोजगारों को ऋण वितरण कराकर रोजगार मुहैया कराए। धारा 80 की लंबित पत्रावलियों को भी एक सप्ताह के अंदर निस्तारित कराएं। योजनाओं में भारतीय स्टेट बैंक की स्थिति खराब पाए जाने पर तथा बैंक ऑफ महाराष्ट्र, सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया, एचडीएफसी बैंक, एक्सिस बैंक, आईसीआईसीआई बैंक, आईडीबीआई बैंक, उत्कर्ष बैंक एवं बंधन बैंक के अधिकारियों के अनुपस्थित रहने पर जिला उद्योग केंद्र उपायुक्त को सख्त कार्रवाई करने के निर्देश दिए। डीएम ने कहा कि एक जनपद एक उत्पाद, ऋण सहायता योजना शासन की महत्वपूर्णयोजना है, जिसकी समीक्षा सीएम डैशबोर्ड में की जाती है। अतः इसमें प्रगति कराई जाए।

इस मौके पर मुख्य विकास अधिकारी अमृतपाल कौर, उपायुक्त जिला उद्योग केंद्र एसके केशरवानी, जिला खादी ग्रामोद्योग अधिकारी राजेंद्र कुमार, क्षेत्रीय पर्यटन अधिकारी अनुपम श्रीवास्तव, अधिशासी अभियंता विद्युत दीपक सिंह, जिला सहकारी बैंक अध्यक्ष पंकज अग्रवाल, व्यापार मंडल के जिलाध्यक्ष राजीव अग्रवाल, जिला उपाध्यक्ष गुलाब गुप्ता, शिवपूजन गुप्ता सहित सम्बन्धित अधिकारी, कर्मचारी व व्यापारी मौजूद रहे।

जिला कलक्टर ने ली राजस्व अधिकारियों की बैठक

ब्यरो -एनपीटी

बून्दी, 10 फरवरी। राजस्व अधिकारियों की बैठक जिला कलक्टर अक्षय गोदारा की अध्यक्षता में सोमवार को जिला कलक्टर कार्यालय में आयोजित हुई। बैठक में राजस्व न्यायालयों के प्रकरणों, लंबित राजस्व प्रकरणों के निस्तारण सहित विभिन्न बिंदुओं पर चर्चा की गई एवं आवश्यक निर्देश प्रदान किए गए।जिला कलक्टर ने निर्देश दिए कि भूमि अवाप्ति के प्रकरणों में सभी संबंधित अधिकारी आवश्यक कार्यवाही करते हुए प्रगति लाएं। उन्होंने निर्देश दिए कि ईआरसीपी एवं रेलवे के मुआवजे संबंधी प्रकरणों का शीघ्र निस्तारण किया जाए। उन्होंने निर्देश दिए कि राजस्व अधिकारी गैर खातेदारी से खातेदारी, 251, 183 बी के प्रकरणों के निस्तारण के लिए संबंधित क्षेत्र के पटवारियों के साथ बैठक लेकर इनका निस्तारण सुनिश्चित करें।

जिला कलक्टर ने निर्देश दिए कि राजस्व अधिकारी राजस्व वसूली के लक्ष्य अर्जित करने की दिशा में विशेष प्रयास करें एवं राजस्व प्रकरणों का शत-प्रतिशत निस्तारण करवाना सुनिश्चित करें। उन्होंने निर्देश दिए कि सीएमओ, संपर्क पोर्टल, स्टार प्रकरण, लोकायुक्त सचिवालय से प्राप्त पत्रों का समय पर निस्तारण हो।उन्होंने निर्देश दिए कि पंजीयन एवं मुद्रांक वसूली प्रकरणों में प्रगति लाई जाए और मौका निरीक्षण बढाएं। ऑनलाइन म्यूटेशन के प्रकरणों का जल्द निस्तारण हो। उन्होंने निर्देश दिए कि इजराय के प्रकरणों में सभी उपखण्ड अधिकारी और तहसीलदार निर्धारित लक्ष्यों की प्राप्ति सुनिश्चित करें। बजट घोषणा के तहत औद्योगिक क्षेत्र विकसित करने के संबंध में आवश्यक कार्यवाही की जावें।

जिला कलक्टर ने निर्देश दिए कि राजस्व से संबंधित कार्य के महत्व को देखते हुए बकाया प्रकरणों के निस्तारण व लक्ष्य अर्जित करने की कार्यवाही समय पर करें। उन्होंने निर्देश दिए कि कचरा संग्रहण केन्द्र निर्माण के लिए जमीन आवंटन से शेष गांवों के लिए जमीन आवंटन के प्रस्ताव भिजवाएं जाए। इस संबध में विकास अधिकारी एवं संबंधित उपखंड अधिकारी समन्वय के साथ कार्य करें। जिला कलक्टर ने गैर खातेदारी से खातेदारी, नामांतरण, सीमाज्ञान, नाम शुद्वीकरण, रास्ते संबंधी, पत्थरगढ़ी, राजस्व वसूली, फौजदारी प्रकरण, इजराय, सीलिंग प्रकरण, भू राजस्व अधिनियम की विभिन्न धाराओं एवं भूमि रूपांतरण के प्रकरणों को प्राथमिकता के आधार पर सम्पादित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि सांसद व विधायक कोष से कार्यों को शीघ्र पूर्ण करवाया जाए। उन्होंने निर्देश दिए कि रोडा एक्ट के तहत वसूली के प्रकरणों का निस्तारण करवाने के लिए संबंधित बकायादारों के साथ बैठक करें। उन्होंने कहा कि मोटर दुर्घटना प्रकरणों एवं आर्थिक सहायता प्रकरणों का निस्तारण प्राथमिकता से किया जावे। उन्होंने निर्देश दिए कि ऐसे प्रकरणों को संवेदनशीलता से लेते हुए इनका समय पर निस्तारण करवाया जाए।उन्होंने गिरदावरी एवं जनाधार सीडिंग में विशेष प्रयास करके प्रगति लाने के निर्देश दिए। उन्होंने बकाया पेंशन, 16 व 17 सीसी चार्जशीट के प्रकरणों की समीक्षा करते हुए सभी अधिकारियों को नियमानुसार निस्तारण करने के निर्देश दिए। उन्होंने सीएमएचओ को निर्देश दिए कि प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र के लिए आवंटित भूमि पर पुनः अतिक्रमण ना हो इसकी पूर्ण सुनिश्चितता कर ली जावें।

बैठक में अतिरिक्त जिला कलक्टर सुदर्शन सिंह तोमर, एसडीएम बून्दी एचडी सिंह, एसडीएम हिण्डोली शिवराज मीणा, एसडीएम लाखेरी भावना सिंह, सीएमएचओ डॉ. ओपी सामर, प्रशिक्षु आरएएस सीमा मीणा सहित अन्य संबंधित अधिकारी मौजूद रहे।

विकास फौजी ने 11 हजार रुपये की टी वी व काउंटर राउमावि जुवाड़ को किया सप्रेम भेट

ब्यरो -एनपीटी

बून्दी! राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय जुवाड़ के प्रधानाचार्य मंशाराम खिजूरी ने बताया की जुवाड़ निवासी देश के जवान विकास फौजी ने ग्यारह हजार रुपये लागत की स्मार्ट टीवी एवं ऑफिस काउंटर भेट किया। स्मार्ट टीवी स्मार्ट क्लास लगाने मे उपयोगी साबित होगी। जिसका सीधा लाभ बच्चों को मिलेगा। इस दौरान विकास यादव (फौजी) विधायक प्रतिनिधि शैतान चौधरी, प्रधानाचार्य मंशाराम खिजूरी, वरिष्ठ शिक्षक मीना जैन, सोहन मंगल, रतनलाल मीणा, शिमला मीणा योगेश कुमारी, शिक्षा शर्मा, दिव्याराज, प्रवीण शर्मा आदि मौजूद रहे।

उदयपुर में 11वां अंचल स्तरीय जनजाति प्रतिभा सम्मान व सर्व समाज शिक्षक गौरव समारोह आयोजित

समारोह में 600 से अधिक प्रतिभाओं का किया सम्मान

ब्यरो -एनपीटी

बून्दी! मेंवाड़ वागड़ मालवा जनजाति विकास संस्थान के तत्वावधान में 11वां अंचल स्तरीय जनजाति प्रतिभा सम्मान एवं सर्व समाज शिक्षक गौरव सम्मान समारोह 9 फरवरी (रविवार) को मोहनलाल सुखाड़िया विश्वविद्यालय के स्वामी विवेकानंद सभागार में आयोजित हुआ कार्यक्रम के मुख्य अतिथि उदयपुर सांसद मन्नालाल रावत, पूर्व सांसद रघुवीर मीणा पूर्व सांसद अर्जुन लाल मीणा राज्यसभा सांसद चुन्नीलाल गरासिया , पूर्व आईपीएस टीसी डामोर, पूर्व आईएएस ताराचंद मीना, संस्थान के अध्यक्ष प्रभु लाल डिंडोर ने समारोह को संबोधित किया आयोजन में 600 से अधिक प्रतिभाओं का सम्मान किया । इसके अलावा सर्व समाज के 55 शिक्षकों का सम्मान किया । समारोह में टेनेसी विश्वविद्यालय नॉक्सविले, संयुक्त राज्य अमेरिका, केमिकल इंजीनियरिंग (पॉलिमर) विषय में पीएचडी उपाधि एवं उसी विश्वविद्यालय में सहायक आचार्य के पद पदस्थापित होने पर बांसवाडा निलेश चरपोटा को मानगढ़ धाम गौरव पुरस्कार से सम्मानित किया । कार्यक्रम में विश्वविद्यालयी परीक्षाओं में स्वर्ण पदक, पीएचडी प्राप्त 18 प्रतिभाओं को आदि कवि वाल्मीकि गौरव पुरस्कार दिया । अखिल भारतीय या राज्य स्तरीय प्रतिष्ठित सेवाओं में चयनित 83 प्रतिभाओं को मेवाड़ वीर राणा पूंजा भील प्रतिभा पुरस्कार, मेडिकल, प्रबन्धन, इंजीनियरिंग आदि से सम्बन्धित प्रतिष्ठित संस्थाओं में प्रवेश प्राप्त करने वाली 198 प्रतिभाओं को वीर बालक एकलव्य प्रतिभा पुरस्कार, माध्यमिक शिक्षा बोर्ड की परीक्षाओं में 75 फीसदी से अधिक अंक प्राप्त करने पर 171 प्रतिभाओं को शहीद वीर बाला काली बाई प्रतिभा पुरस्कार से सम्मानित किया ।

55 सामाजिक कार्यकताओं को शहीद नानकजी भील सामाजिक नेतृत्व पुरस्कार प्रदान किया जाएगा। समारोह में प्रभु लाल डिंडोर,डॉ शंकर लाल बामनिया, निरंजन दरांगा, कन्हैया लाल मीणा , लालू राम गरासिया, श्री मतिराजकुमारी मीना, केसरी मल निनामा डॉ रीना डामोर,डॉ रजनी पी रावत, देवी लाल मीणा, डॉ दिनेश खराड़ी फुलशंकर डामोर राकेश मीणा पत्रकार ,देवानंद खराड़ी, डॉ गणेश मीणा महिला कुलदीप मीणा, खेमराज मीणा, राकेश डामोर, प्रभु लाल बामनिया,हरीश कलस्वा सहित आदिवासी समाज के कई प्रतिभा एवं गणमान्य लोग उपस्थित थे

अभियान की तरह क्रियान्वित किया जाए सहकार से समृद्धि कार्यक्रम– जिला कलेक्टर

खैरथल-तिजारा,10 फरवरी। जिला कलेक्टर किशोर कुमार की अध्यक्षता में सोमवार को जिला सचिवालय खैरथल में सहकारिता समिति की बैठक आयोजित की गई। जिला कलेक्टर ने कहा कि अंतर्राष्ट्रीय सहकारिता वर्ष-2025 के उपलक्ष्य में वर्ष पर्यंत आयोजित होने वाले कार्यक्रमों के माध्यम से की जा रही कवायद का लाभ किसानों, सहकारी संस्थाओं के सदस्यों और सहकारी संस्थाओं तक बेहतर रूप में पहुंचे, यह सुनिश्चित किया जाए।

जिला कलेक्टर ने सहकारिता विभाग के अधिकारियों को अंतर्राष्ट्रीय सहकारिता वर्ष, ह्यसहकार से समृद्धिह्ल कार्यक्रम एवं ग्राम पंचायत स्तर पर आयोजित होने वाले शिविरों के के बारे में रूपरेखा तैयार कर आवश्यक कार्यवाही हेतु निर्देशित किया। उन्होंने कहा कि राज्य स्तर से जारी एसओपी के अनुसार जिले में आयोजित होने वाले कार्यक्रमों का कैलेण्डर तैयार कर आयोजनों की अविलम्ब शुरूआत की जाए।

जिला कलेक्टर ने कहा कि जिला स्तर पर आयोजित किए जाने वाली गतिविधियों में उस जिले से सम्बन्धित महत्वपूर्ण अवसरों का ध्यान रखा जाए। प्रत्येक माह एक बड़ी गतिविधि के साथ ही अन्य सारगर्भित गतिविधियों का आयोजन पाक्षिक तौर पर किया जाए। उन्होंने कहा कि आमजन में जागरूकता के लिए प्रभात फेरी, रथ यात्रा, प्रदर्शनी,वृक्षारोपण आदि के साथ ही विभिन्न प्रतियोगिताओं का आयोजन किया जा सकता है। उन्होंने आयोजनों में महिलाओं, युवाओं एवं विद्यार्थियों की पर्याप्त भागीदारी सुनिश्चित करने पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि स्कूलों के माध्यम

13 फरवरी को आयोजित होने वाले मेडिकल कैम्प में बनेंगे मोटर वाहन दुर्घटना में घायल व्यक्तियों के अक्षमता प्रमाण-पत्र

ब्यरो -एनपीटी

बूंदी, 10 फरवरी। राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण, नई दिल्ली के निदेर्शानुसार 8 मार्च (द्वितीय शनिवार) को राष्ट्रीय लोक अदालत का आयोजन ऑफलाईन के साथ-साथ ऑनलाइन भी किया जायेगा।

जिला विधिक सेवा प्राधिकरण की सचिव सरिता मीणा ने बताया कि राष्ट्रीय लोक अदालत के सफल आयोजन के लिए 13 फरवरी को मोटर वाहन दुर्घटना दावा अधिकरण क्र.सं. 1 व 2 बूंदी में लंबित प्रकरणों के निस्तारण के लिए मेडिकल कैम्प का आयोजन मोटर वाहन दुर्घटना दावा अधिकरण क्र.सं.1 पर प्रातः 11 बजे से दोपहर 3 बजे तक किया जायेगा।

उन्होंने बताया कि इस मेडिकल कैम्प में मोटर वाहन दुर्घटना में घायल व्यक्तियों के अक्षमता प्रमाण-पत्र बनाये जायेंगे।

उन्होंने आमजन से अपील की हैं कि इस मेडिकल कैम्प का लाभ उठायें। 13 फरवरी को आयोजित होने वाले मेडिकल कैम्प में मेडिकल टीम द्वारा बनाये जाने वाले अक्षमता प्रमाण-पत्र कार्यालय जिला विधिक सेवा प्राधिकरण से 21 फरवरी से प्राप्त कर सकते हैं।

पशुपतिनाथ मंदिर प्राण प्रतिष्ठा में पहुंचे सीएम भजनलाल, किसानों के विकास और रोजगार पर दिया जोर

चित्तौड़गढ़ । राजस्थान के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा सोमवार को मातृकुंडिया में पशुपतिनाथ महादेव मंदिर प्राण प्रतिष्ठा समारोह में शामिल हुए। उन्होंने कहा कि किसानों को निरंतर बिजली और अनुदान देने के साथ-साथ रोजगार के अवसर भी उपलब्ध कराए जाएंगे। जिले के मातृकुंडिया में आयोजित हो रहे पशुपतिनाथ महादेव मंदिर प्राण प्रतिष्ठा समारोह में शामिल होने के लिए सोमवार को प्रदेश के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा पहुंचे। यहां मंदिर में पूजा के बाद उन्होंने सभा को संबोधित किया। सभा में उन्होंने कहा कि किसानों के विकास के लिए सरकार देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में समर्पित है।

किसानों को लगातार बिजली मिले इसके लिए प्रयास किए जा रहे हैं। केंद्र सरकार की योजना के अनुसार राज्य सरकार भी किसानों को अनुदान दे रही है, लेकिन केवल खेती किसानी से घर चलाना संभव नहीं है। इसलिए यह आवश्यक है कि किसान के घर में भी एक व्यक्ति सरकारी नौकरी अथवा प्राइवेट नौकरी में हो। इसके लिए सरकार कंपनियों के साथ एमओयू कर रोजगार के अवसर सृजित रही है। मुख्यमंत्री ने कहा कि अपने संकल्प पत्र के अनुरूप जो पांच साल की योजनाएं थीं, उनमें से कई हम पूरी कर चुके हैं। एक लाख से अधिक युवाओं को नियुक्ति पत्र देकर उन्हें रोजगार से जोड़ा जा चुका है। सरकार लगातार हर क्षेत्र में विकास करने के लिए कार्यरत है।

हर्षोल्लास से मनाया गया भगवान विश्वकर्मा जन्मोत्सव

नेशनल प्रेस टाइम ब्यूरो

खैरथलः शहर में हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी विश्वकर्मा जयंती (जन्मोत्सव) मन्दिर श्री विश्वकर्मा हरसौली रोड खैरथल में सुबह 8:00 हवन यज्ञ, श्री विश्वकर्मा भगवान की पूजा सभी जांगिड़ समाज ने हर्षोल्लास से की ,11:00 बजे से झांकियां सिम्मी जगदम्बा ग्रुप दिल्ली वालों की, व 1:00 बजे से 4:00 बजे तक प्रसाद व भंडारा का आयोजन किया गया सभी समाज बंधुओ ने बाबा का प्रसाद ग्रहण किया और आशीर्वाद प्राप्त किया । झांकियां कृष्ण राधा,देवी कालका जी, शंकर जी की, गणेश जी की आदि अनेक प्रकार की थी उत्सव की व्यवस्था अध्यक्ष मान सिंह जांगिड़, रमेश

मास्टर जी, हजारी लाल, मुकेश,फूल चंद,गिर्राज प्रसाद, आशीष, ललित, हरद्वारी, हरिशरणम,पवन, यस्सु, देसराज, लालचंद, डी डी शर्मा सिकंदर मातोर, सतीश नांगल, सतीश शीशा व कैलाश जांगिड़ ने संभाली

मनसा चौक से वसुंधरा नगर तक नाला भरा होने से स्थानीय लोग हुए परेशान

नेशनल प्रेस टाइम ब्यूरो

भिवाड़ी के बाबा मोहन राम मंदिर मंशा चौक से वसुंधरा नगर तक सड़क के दोनों और बन रहे नाले, कूडे और गंदगी से भरे पड़े हैं, नालों में बह रहा गंदा पानी ओवरफ्लो होकर सड़कों पर आ जाता है जिससे राहगीरों को निकलने में भारी परेशानी का सामना करना पड़ता है। स्थानीय लोगों ने नगर परिषद आयुक्त को भी इस बाबत कई बार जानकारी दी है लेकिन उन्होंने अभी तक इस सफाई के बारे में संज्ञान नहीं लेने से लोगों में भारी रोष व्याप्त है। स्थानीय लोगों ने बताया कि पिछले दो सालों से नाल कूडे और मलबे से भरा हुआ है, जिसकी सफाई नहीं होने से बीमारियां फैलने का भी डर है। जबकि सेक्टर 1 में पिछले लगभग 6 महीनों से सफाई कर्मी नहीं आने से निवासी खाली पड़े प्लॉट में कूड़ा डाल रहे हैं।

धरना प्रदर्शन

ब्रिटिश हुकूमत में भी नहीं हुए होंगे समरावता गांव जैसे जुल्म

नरेश मीणा की रिहाई मांग को लेकर धरना प्रदर्शन 25 फरवरी को विधानसभा घेराव में शामिल होने का लिया निर्णय

नेशनल प्रेस टाइम ब्यूरो

झुंझुनूं गुढ़ागौडजी। उदयपुरवाटी सड़क मार्ग पर टोड़ी स्थित स्व.बन्नाराम स्मृति आदिवासी मीणा छात्रावास के बाहर सोमवार को समरावता कांड में लंबे समय से जेल में बंद नरेश मीणा की रिहाई की मांग को लेकर धरना प्रदर्शन किया गया। आदिवासी श्री मीन सेना प्रदेश अध्यक्ष सुरेश मीणा किशोरपुरा के नेतृत्व में दो घंटे का सांकेतिक धरना दिया गया। धरना स्थल पर सर्व समाज के लोगों ने 25 फरवरी को नरेश मीणा की रिहाई की मांग को लेकर होने वाले विधान सभा घेराव में अधिक से अधिक संख्या में शामिल होने का निर्णय लिया। आदिवासी नेता सुरेश मीणा किशोरपुरा ने कहा कि नरेश मीणा पिछले 89 दिन से जेल में बंद

है अब तक उनकी रिहाई नहीं होने का कारण बड़ी राजनीतिक साजिश है उन्होंने कहा कि देवली–उनियारा के समरावता गांव में हुआ वो ब्रिटिश हुकूमत में भी नहीं हुआ होगा। मीणा ने कहा कि दोषी लोग बाहर घूम रहे हैं और बेकसूर लोग सलाखों में हैं राजस्थान भर में लगातार आंदोलन चल रहे हैं इसके बावजूद भी अब तक समरावता कांड के जिम्मेदार दोषी अधिकारियों के खिलाफ कुछ नहीं किया गया । किशोरपुरा ने कहा नरेश मीणा की रिहाई को लेकर विधानसभा घेराव ऐतिहासिक होगा। उनका कहना है कि नरेश मीणा रिहाई की गूंज पूरे प्रदेश में फैल चुकी हैं मीणा को जल्द नहीं छोड़ा गया तो सरकार को परिणाम भोगने पड़ेंगे। इस अवसर पर भामाशाह जगदीश मीणा टोड़ी,टोड़ी छात्रावास के अध्यक्ष डॉ.रामचन्द्र मीणा शीथल,दीपक मीणा बाघोली, ज्ञान प्रकाश गुर्जर , भैरू गुर्जर, कालू सिंह शेखावत,मनीष गुप्ता, प्रहलाद गुर्जर,कुलदीप पापड़ा, सुरेश सैनी,मुकेश कुमावत,भवानी मीणा,विकाश मीणा,राजेश मीणा जयपुर,दिनेश टोंक ,सुनील बारा,सुनील मीणा सुजानपुर,सोम कुमार मीणा ,निकु मीणा,सुरेश मीणा, रवि मीणा,नारायण मीणा प्रतापगढ़,प्रभु मीणा ,जीतू मीणा गुढ़ा,नीरज मीणा उदयपुर,निलेश मीणा, मुरारी मीणा,अजय मीणा ,संदीप मीणा सहित बड़ी संख्या में लोग मौजूद थे।

विज को मिला कारण बताओ नोटिसः मंत्री ने CM सैनी व बड़ौली के खिलाफ दिए थे बयान, भाजपा ने मांगा तीन दिन में जवाब

नेशनल प्रेस टाइम ब्यूरो

चंडीगढ़। चुनावी समय में इस प्रकार की बयानबाजी से पार्टी की छवि को नुकसान होगा, यह जानते हुए आपने यह बयान दिए जो पूरी तरह से अस्वीकार्य है।

पिछले दिनों हरियाणा के मंत्री अनिल विज की ओर से मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी और प्रदेश अध्यक्ष मोहन लाल बड़ौली को दिए सार्वजनिक बयानों को भाजपा ने गंभीरता से लिया है। पार्टी अध्यक्ष मोहन लाल बड़ौली ने अनिल विज को कारण बताओ नोटिस जारी कर तीन दिन में जवाब मांगा है।

पार्टी अध्यक्ष की ओर से दिए नोटिस में बड़ौली ने कहा- आपने पार्टी अध्यक्ष और पार्टी के मुख्यमंत्री पद के खिलाफ सार्वजनिक रूप से बयान दिया है। यह गंभीर आरोप है। यह कदम न केवल पार्टी के विचारधारा के खिलाफ है बल्कि यह उस समय हुआ, जब पार्टी पड़ोसी राज्य में चुनाव के लिए अभियान चला रही थी। चुनावी समय में इस प्रकार की बयानबाजी से पार्टी की छवि को नुकसान होगा, यह जानते हुए आपने यह बयान दिए जो पूरी तरह से अस्वीकार्य है।

अनिल विज के इन बयानों पर हुआ था बवाल

प्रदेश अध्यक्ष मोहनलाल बड़ौली को लेकर अनिल विज ने 2 फरवरी को कहा था कि उन्हें पद से इस्तीफा देना चाहिए क्योंकि उन पर दुष्कर्म के आरोप में मामला दर्ज है। वह महिलाओं की मीटिंग किस तरह ले सकते हैं। सोनीपत के गोहाना में उन्होंने कहा था, हम तो महिलाओं को 30 प्रतिशत तक बढ़ा रहे हैं, ऐसे में धारा-376 का आरोपी प्रदेशाध्यक्ष नहीं रह सकता। हमारे बड़े-बड़े नेताओं पर भी आरोप लगे थे। आडवाणी पर भी आरोप लगे थे, उनका नाम आया था और उन्होंने त्यागपत्र दे दिया था। बड़ौली उनसे बड़े तो नहीं हैं। उन्हें त्यागपत्र दे देना चाहिए।

उड़न खटोले पर नायब सैनी

मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी को लेकर अनिल विज ने 31 जनवरी को अंबाला में कहा था कि जिन लोगों ने मुझे चुनाव हराने की कोशिश की, चाहे वह अधिकारी थे, कर्मचारी थे या छुटभैये नेता थे, मैंने उन सबके बारे में लिखकर दिया। 100 दिन हो चुके हैं, इस मामले में न तो मुझसे पूछा गया, न ही कोई कार्रवाई हुई। मुझे शक था कि मुझे हराने के लिए किसी बड़े नेता के द्वारा यह काम किया गया है। हमारे मुख्यमंत्री, जब से सीएम बने हैं तब से उड़नखटोले पर ही हैं। नीचे उतरें तो जनता के प्रति देखें। ये मेरी आवाज नहीं है, सारे एमएलए सारे मंत्रियों की आवाज है।

पानीपत में बदमाशों का आतंकः पिस्तौल के बल पर दोस्त के पिता का किया अपहरण, हाथ पैर तोड़ अधमरा किया

नेशनल प्रेस टाइम ब्यूरो

पानीपत (हरियाणा) बांध गांव निवासी अमित कुमार ने बताया कि वह पेशे से किसान है। उसने तीन साल पहले अपने गांव के ही दोस्त अमित कुमार के साथ मिलकर पानीपत में फाइनेंस का काम शुरू किया था। उनका काम छह माह तक ठीक चला, इसके बाद काम ठप हो गया। बुआना लाखु-चिड़ाना रोड पर युवक ने दोस्त के पिता का पिस्तौल के बल पर अपहरण कर लिया। आरोपी दोस्त के पिता को अपने खेत में ले गया। वह लाठी डंडों से उसके दोनों पैर व हाथ तोड़ दिए। आरोपी उसे अधमरी हालत में छोड़कर उससे सोने की अंगूठी व छह हजार रुपये लूटकर फरार हो गए। राहगीरों ने उसे घायल अवस्था में जिला नागरिक अस्पताल में भिजवाया। जहां डॉक्टरों ने वारदात की सूचना इसराना थाना में दी। इसराना थाना पुलिस ने अस्पताल में पहुंचकर पीड़ित के बयान दर्ज कर आरोपियों पर केस दर्ज किया । अब पुलिस मामले की जांच कर रही है।

बांध गांव निवासी अमित कुमार ने बताया कि वह पेशे से किसान है। उसने तीन साल पहले अपने गांव के ही दोस्त अमित कुमार के साथ मिलकर पानीपत में फाइनेंस का काम शुरू किया था। उनका काम छह माह तक ठीक चला इसके बाद काम ठप हो गया। इसलिए उनको काम बंद करना पड़ा। अब उसने विकास के साथ बैठकर हिसाब किताब किया तो उसके अमित कुमार की ओर छह लाख रुपये निकले।

उसने यह पैसे कुछ समय में देने का वादा किया था लेकिन उसने अब तक पैसे नहीं दिए। उसके पिता सतीश ने अमित से पैसे मांगे तो उसने देने से मना कर दिया व बाद में देख लेने की धमकी दी। शनिवार दोपहर करीब ढाई बजे उसके पिता सतीश चिडाना से लाखू बुआना गांव में ट्रैक्टर ट्राली पर आ रहे थे। इसी समय अमित का भाई विकास व एक युवक यहां मोटरसाइकिल पर आए और उन्होंने उसके पिता सतीश का रास्ता रोक लिया।

वह दोनों पिस्तौल के बल पर उसके पिता का अपहरण कर अपने खेत में ले गया। वहां उन पर लाठी डंडों से हमला कर उनके दोनों हाथ पैर तोड़ दिए गए। उसके पिता बेहोश हो गए। दोनों आरोपी उसके पिता के हाथ से सोने की अंगूठी व छह हजार रुपये निकालकर ले गए। अब उसके पिता का इलाज चल रहा है।

अधिकारी के अनुसार

इसराना पुलिस थाना प्रभारी महिपाल ने बताया कि पीड़ित की शिकायत पर आरोपियों पर केस दर्ज कर लिया गया है। आरोपियों की धरपकड़ जारी है। जल्द उन्हें गिरफ्तार कर लिया जाएगा। पूरे मामले की जांच चल रही है।

इंसाफ की राह पर परिवारः बेटी की तलाश की मांग को लेकर हिसार से चंडीगढ़ की ओर किया कूच, दो नाबालिग भी हैं साथ

नेशनल प्रेस टाइम ब्यूरो

हिसार (हरियाणा) लघु सचिवालय के बाहर धरने पर बैठे सुनील सोनी ने बताया कि बेटी 29 सितंबर 2024 को घर से गायब हुई थी। उन्होंने बेटी की तलाश के लिए नवंबर माह में धरना दिया। इसके बाद दिसंबर माह में धरना दिया।

करीब साढ़े चार महीने पहले लापता हुई बेटी की तलाश की मांग को लेकर पीड़ित परिवार ने सीएम आवास पर धरना देने के लिए चंडीगढ़ कूच शुरू कर दिया है। पीड़ित सुनील सोनी के साथ उनकी पत्नी और दो नाबालिग बेटे भी पैदल जाएंगे।

पीड़ित पिता सुनील सोनी ने कहा कि चंडीगढ़ पैदल जाएंगे। बरवाला, उकलाना, जींद, कैथल, कुरुक्षेत्र, अंबाला होते हुए चंडीगढ़ पहुंचेंगे। रास्ते में इन जिलों के विधायकों के कार्यालयों में ज्ञापन देकर गुहार लगाएंगे। अंबाला में बिजली मंत्री अनिल विज के आवास के सामने धरना देंगे। बाद में चंडीगढ़ में सीएम आवास जाएंगे। बिटिया नहीं मिली तो राष्ट्रपति भवन के सामने धरना देकर इच्छा मृत्यु की मांग किया जाएगा।

लघु सचिवालय के बाहर धरने पर बैठे सुनील सोनी ने बताया कि बेटी 29 सितंबर 2024 को घर से गायब हुई थी। उन्होंने बेटी की तलाश के लिए नवंबर माह में धरना दिया। इसके बाद दिसंबर माह में धरना दिया। 9 जनवरी को सीएम नायब सिंह सैनी हिसार आए तो अधिकारियों ने उनसे नहीं मिलने दिया। उनके आत्मदाह के प्रयास के बाद उनको मिलवाया गया। सीएम नायब सिंह सैनी के कहने पर एसआईटी का गठन किया गया। आज एसआईटी को गठित हुए भी एक महीना हो गया। एक महीने में भी एसआईटी कोई सुराग नहीं लगा सकी। अब हमने चंडीगढ़ में सीएम आवास पर जाकर गुहार लगाने का फैसला लिया है।

हरियाणा भाजपा अध्यक्ष मोहन लाल बड़ौली बोले- जनता ने विकास पर लगाई मुहर

नेशनल प्रेस टाइम ब्यूरो

हरियाणा। भाजपा अध्यक्ष ने आगे कहा कि दिल्ली चुनाव के नतीजों का असर पंजाब की राजनीति पर भी देखने को मिल सकता है। उन्होंने कहा कि मुझे लगता है कि बहुत जल्द पंजाब में भी बड़ा राजनीतिक परिवर्तन होगा।

हरियाणा भाजपा अध्यक्ष मोहन लाल बड़ौली ने दिल्ली विधानसभा चुनाव 2025 में भाजपा की जीत को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की विकास गारंटी करार दिया है। उन्होंने दिल्ली की जनता का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि लंबे समय बाद दिल्ली में भाजपा की सरकार बनी है, यह भाजपा की नीतियों और जनता के विश्वास की जीत है।

बड़ौली ने कहा कि अरविंद केजरीवाल द्वारा मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी पर लगाए गए झूठे आरोपों का करारा जवाब दिल्ली की जनता ने अपने मत से दिया है। उन्होंने कहा कि आज दिल्ली में डबल इंजन की सरकार बनी है, जिससे विकास को नई रफ्तार मिलेगी।

पंजाब में भी बदलाव के संकेत

भाजपा अध्यक्ष ने आगे कहा कि दिल्ली चुनाव के नतीजों का असर पंजाब की राजनीति पर भी देखने को मिल सकता है। उन्होंने कहा कि मुझे लगता है कि बहुत जल्द पंजाब में भी बड़ा राजनीतिक परिवर्तन होगा और जनता को आम आदमी पार्टी की नाकामियों से मुक्ति मिलेगी।

अंबाला अस्पताल से फरार हुआ हत्या का हवालाती, दो घंटे में पुलिस ने किया गिरफ्तार

अंबाला (हरियाणा) थाना कैंट प्रभारी इंस्पेक्टर अजैब सिंह ने बताया कि सीआईए अंबाला और यमुनानगर पुलिस टीम ने तुरंत कार्रवाई करते हुए मात्र दो घंटे में आरोपी को लाडवा से गिरफ्तार कर लिया। फरारी के दौरान राजबीर लिफ्ट मांगकर भागने की कोशिश कर रहा था, लेकिन पुलिस ने उसे दबोच लिया। जगाधरी जेल से उपचार के लिए अंबाला छावनी नागरिक अस्पताल के हार्ट सेंटर में लाया गया हत्या के मामले में बंद हवालाती राजबीर सोमवार सुबह पुलिस को चकमा देकर फरार हो गया।

हालांकि, महज दो घंटे में ही पुलिस ने उसे लाडवा से गिरफ्तार कर लिया। कैसे हुई फरारी- राजबीर ने हथकड़ी से हाथ निकाल लिया और लोई की बुकल लेकर फरार हो गया। सुबह 9:30 बजे जब पुलिस गारद ने उसे अस्पताल के बेड पर नहीं पाया तो हड़कंप मच गया। अस्पताल स्टाफ और पुलिस ने तुरंत पूरे परिसर में उसकी तलाश शुरू की, लेकिन वह कहीं नहीं मिला। सीसीटीवी फुटेज की जांच करने पर सामने आया कि राजबीर ने मौका पाते ही खुद को कपड़े से ढका और भाग निकला। होमगार्ड का जवान जो हार्ट सेंटर के बाहर तैनात था, वह सीसीटीवी में नजर नहीं आया, जिससे पुलिस की लापरवाही भी उजागर हुई।

दादरी पुलिस का खुलासाः मां को गोली मारने से पहले रिटायर्ड सैनिक ने घर के अंदर किए थे हवाई फायर, बेटा गिरफ्तार

नेशनल प्रेस टाइम ब्यूरो

दादरी (हरियाणा)। मृतका की पुत्रवधु एवं आरोपी की पत्नी सुमन ने बताया कि रविवार शाम करीब पांच बजे उसके पति सुनील उर्फ भोलू घर पर गाली-गलौज करने लगा। इसके बाद 17 वर्षीय बेटे कुश ने उसके पति को कमरे के अंदर बंद कर दिया। चरखी-दादरी के लोहरवाड़ा निवासी रिटायर्ड सैनिक सुनील उर्फ भोलू ने मां चंद्रो देवी को गोली मारने से पहले घर के अंदर तीन हवाई फायर भी किए थे। इसके बाद मां की सीने में गोली मार दी और पत्नी से कहा कि तुम पुलिस को फोन कर दो, मैं यहीं बैठा हूं। वहीं, हत्यारोपी बेटे को सदर थाना पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया जबकि मृतका का पोस्टमार्टम करवाने के बाद शव परिजनों को सौंप दिया।

डीएसपी दिनेश यादव ने रविवार देर शाम हुए हत्याकांड के संबंध में सोमवार शाम पांच बजे सदर थाना में प्रेसवार्ता की। उन्होंने बताया कि रविवार शाम सदर एसएचओ ओमप्रकाश को सूचना मिली थी कि लोहरवाड़ा गांव में पूर्व सैनिक सुनील उर्फ भोलू ने अपनी मां चंद्रो देवी को गोली मार दी है। परिजन महिला को दादरी नागरिक अस्पताल में लेकर आए हैं और वहां चिकित्सक ने महिला को मृत घोषित कर दिया है।

डीएसपी ने बताया कि इसके बाद रविवार रात ही सदर थाना पुलिस टीम लोहरवाड़ा गांव पहुंची और घटनास्थल का जायजा लिया। वहीं, एफएसएल टीम को भी मौके पर बुलाया गया। मंगलवार दोपहर मृतका की पुत्रवधु एवं आरोपी की पत्नी सुमन ने पुलिस को शिकायत दी जिसके आधार पर आरोपी के खिलाफ केस दर्ज किया गया। डीएसपी ने बताया कि आरोपी को गिरफ्तार कर लिया गया है और बुधवार सुबह उसे कोर्ट में पेश किया जाएगा।

गाली-गलौच करने पर बेटे ने कमरे में किया था बंद

मृतका की पुत्रवधु एवं आरोपी की पत्नी सुमन ने बताया कि रविवार शाम करीब पांच बजे उसके पति सुनील उर्फ भोलू घर पर गाली-गलौज करने लगा। इसके बाद 17 वर्षीय बेटे कुश ने उसके पति को कमरे के अंदर बंद कर दिया। इसके बाद उसका बेटा बाहर घूमने चला गया। बेटे के आने के बाद सुमन जब उसके पकड़े लेने अंदर गई तो पति सुनील हाथ में डोगा लिए बैठा था। उसका स्वभाव देखकर पत्नी व बच्चों ने खुद को कमरे में बंद कर अपनी जान बचाई।

भागने की बजाय घर पर ही रहा आरोपी बेटा

हवाई फायरिंग के बाद मां को गोली मारने वाला आरोपी सुनील वारदात के बाद भागने की बजाय घर पर ही रहा। सूत्रों की माने तो पुलिस टीम जब उसके घर पहुंची तो वो बेड पर बैठा मिला। वहीं, आरोपी की पत्नी ने पुलिस शिकायत में बताया कि मां को गोली मारने के बाद उसके पति ने उससे कहा कि सुमन तुम पुलिस को बुला दो।

अधिकारी के अनुसार

मृतका चंद्रो देवी का पोस्टमार्टम पुलिस ने नागरिक अस्पताल में चिकित्सकों के बोर्ड से करवा दिया है। आरोपी बेटे सुनील के खिलाफ सशस्त्र अधिनियम समेत हत्या का केस दर्ज किया गया है। पुलिस ने उसे गिरफ्तार कर लिया है और वारदात में प्रयुक्त डोगा व 6 कारतूस मौके से बरामद हुए हैं। **-दिनेश यादव, डीएसपी, दादरी।**

राखीगढ़ी का हालः पॉलिथीन की पनाह में ऐतिहासिक धरोहर, लाइसेंस खत्म होने के बाद 13 जनवरी से बंद है

हिसार । हिसार से करीब 65 किलोमीटर दूर बसा छोटा सा कस्बा राखीगढ़ी क्या जानता था, उसकी जड़ों में 5,000 साल पुरानी सभ्यता दफन है। हड़प्पा काल के पुरावशेष मिले तो एकाएक राखीगढ़ी वैश्विक पटल पर छा गया।

राखीगढ़ी के जर्रे-जर्रे में बिखरे अवशेष अतीत की गौरव गाथा बयां करते हैं। खोदाई में मिले मिट्टी के बर्तन, पक्के निर्माण, सड़कें, कुआं, स्टेडियम व नदी के प्रमाण देख विकसित और व्यवस्थित शहर की तस्वीर आंखों में तैर जाती है। भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण विभाग इस धरोहर को सहेजने के लिए हर मुमकिन प्रयास कर रहा है।

पांच हजार साल पुरानी हड़प्पाकालीन सभ्यता से जुड़ी पुरातात्विक साइट पहली नजर में आपको मिट्टी के टीले सी ही नजर आएगी। करीब जाने पर इसकी ऐतिहासिकता का अहसास होगा। मानव कंकाल, मटके, मर्तबान, ईंटें, चूड़ियां, गले में पहने जाने वाले मणके आदि को देखकर आप समझ सकते हैं कि धरती से निकला विरासत का यह खजाना कभी समृद्ध नगरी के रूप में गुलजार रहा होगा। साइट आरजीआर-1 से 7 के बीच मिली यह धरोहर संरक्षित तो है मगर उपेक्षा की भी शिकार है। उत्खनन में मिले पुरावशेष यत्र-तत्र बिखरे हैं। जिन साइट पर खोदाई चल रही है, वहां संरक्षण की कोई आधुनिक तकनीक नहीं है। इसके अभाव में माटी से मिले हड़प्पन सभ्यता के प्रमाण मिट्टी हो रहे हैं।

राखीगढ़ी में अब तक सात साइटों पर हड़प्पन सभ्यता के प्रमाण मिल चुके हैं, जिन्हें राखीगढ़ी (आरजीआर) -1 से 7 का नाम दिया है। हालांकि, दावा 11 साइट की खोज का है। साइट -1 और 3 पर खोदाई चल रही थी, जो वर्तमान में लाइसेंस का नवीनीकरण नहीं होने से बंद है। भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण (एएसआई) विभाग के चंडीगढ़ सर्कल ने 13 जनवरी से काम रोक दिया है। एएसआई के अतिरिक्त महानिदेशक डॉ. संजय मंजुल शीघ्र ही खोदाई शुरू होने का दावा कर रहे हैं।

अब तक क्या-क्या प्रमाण मिल चुके

आरजीआर-5 का उत्खनन बताता है कि इस क्षेत्र में कभी सर्वाधिक घनी आबादी थी। इस समय भी इस साइट पर आबादी बसी है। इसलिए यहां ज्यादा खोदाई संभव नहीं है, लेकिन आरजीआर-4 के कुछ भागों में खोदाई हो सकती है। इसके कुछ हिस्से पर मकान भी बने हैं। आरजीआर-1, 2 और 3 के नीचे बड़ी आबादी के प्रमाण मिल चुके हैं। आरजीआर-7 में मानव कंकाल मिला, जिसे साइट-1 पर बनाए एक अस्थायी कमरे में रखा गया है। आरजीआर-7 के पास नदी होने के प्रमाण मिले हैं। माना जाता है कि यह नदी करीब पांच हजार वर्ष पहले सूख गई थी। उत्खनन में ईंटों से बनी सीवेज लाइन, मिट्टी की मूर्तियां, पीतल की कलाकृतियां, पीतल और सुइयों से बने मछली हुक, कब्रिस्तान, टेराकोटा चूड़ियां, शंख, आभूषण (जिनमें से कुछ 5,000 साल से अधिक पुराने हैं) मिल चुके हैं। दुर्ग-प्राचीर, अन्नागार, सड़कें, जल निकासी व्यवस्था, स्तम्भ युक्त वीथिका या मंडप, ऊंचे चबूतरे पर बनाई गईं अग्नि वेदिकाएं, खेल स्टेडियम इस नगर के समृद्ध और विकसित होने का संकेत देते हैं।

जानिए अब कहां क्या है स्थिति

साइट-1

फिलहाल यहां खोदाई का काम बंद है। टीले पर खोदाई स्थल को पॉलिथीन से ढक दिया गया है। पास ही इससे पहले की गई खोदाई के स्थल को भी पॉलिथीन से ढका गया था। यह जगह मिट्टी से अट चुकी। इस जगह पॉलिथीन के कुछ अवशेष ही नजर आते हैं। इसी साइट पर श्मशान गृह बना है, जहां गांव के लोग अब भी अंतिम संस्कार करने आ रहे हैं। बावजूद इसके कि पंचायत ने श्मशानघाट के लिए अलग जगह भी दे रखी है। इसी साइट पर बनाए एक अस्थायी कमरे में पुरावशेष रखे हैं। इनमें मिट्टी के घड़े, बर्तन, चूड़ियां, आभूषण, सजावटी सामान, मानव कंकाल, पत्थर आदि हैं। अधिकतर सामग्री बिखरी है, तो कुछ कट्टों में भरकर रखी गई हैं। कुछे को शीशे के शोकेस में सजा भी रखा है।

साइट-2

अतिक्रमण की भरमार है। लोगों ने पशु बांध रखे हैं। महिलाएं उपले थाप रही हैं। एएसआई की ओर से की गई चहारदीवारी की रेलिंग पर कपड़े सूख रहे हैं। आसपास गंदगी के ढेर हैं। हालांकि, जितनी जगह में यहां खोदाई की गई है, उसे शेड से ढका गया है। निगरानी में एक पुलिसकर्मी भी तैनात है।

साइट-3

खोदाई में मिले पक्के निर्माण, गलियां, कुआं, चूल्हे, सीढ़ियां आदि साफ नजर आते हैं। इसे भी शेड से कवर किया गया है। यहां एक साथ बने तीन चूल्हों के पास मानव कंकाल के अवशेष दफन हैं। इससे कुछ ही दूरी पर एक दीवार से सटी सीढ़ियां दिखती हैं। इस साइट पर एक मजार भी बनी है, जिस पर लोग मन्नत मांगने आते हैं। अतिक्रमण यहां भी है।

साइट-4

यहां खोदाई हुए लंबा समय बीत चुका है। अब पूरी साइट पर अतिक्रमण हो चुका है। जब तक यहां से लोगों को विस्थापित नहीं किया जाएगा, आगे खोदाई संभव भी नहीं है। इस टीले पर अलग-अलग पुरातन सभ्यता के प्रमाण मिल चुके हैं। इसके एक तरफ राखीगढ़ी तो दूसरी तरफ राखी शाहपुर गांव है। बारिश में मिट्टी दरक रही है। यह कभी भी ढह सकती है। इसके कारण आसपास बने मकानों को भी खतरा है।

क्या कहते हैं पुरातत्वविद

साइट 4 पर उत्खनन कर चुके डेक्कन कॉलेज, पुणे के सेवानिवृत्त खोदाई व पुरातत्व विशेषज्ञ प्रोफेसर वसंत शिंदे बताते हैं कि राखीगढी में खोदाई के आधार पर माना जा सकता है कि लगभग 5,500 हेक्टेअर में फैला यह क्षेत्र ईसा से लगभग 3,300 वर्ष पूर्व मौजूद था। पहली बार यहां 1963 में खोदाई हुई थी। मेरी टीम ने यहां पाया कि राखीगढ़ी लगभग साढ़े तीन किलोमीटर की परिधि में फैला नगर था। साइट चार पर अलग-अलग सभ्यताओं के प्रमाण मिले हैं। सरकार व एएसआई गंभीरता से काम करें तो यह आइकॉनिक साइट पर्यटन का बड़ा केंद्र बन सकती है।

उत्खनन के दौरान निकले पुरावशेषों को नुकसान न हो इसके लिए साइट -2 और 3 पर शेड लगाए गए हैं। अभी साइट-1 पर खोदाई स्थल को पॉलिथीन से ढका है ताकि बारिश के पानी से बचाया जा सके। यहां शेड लगाने का काम किया जाएगा। अन्य साइटों से कब्जे हट जाएं तो पुरासभ्यता के अनेक महत्वपूर्ण प्रमाण मिल सकते हैं।

- डॉ. संजय मंजुल अतिरिक्त महानिदेशक, भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण विभाग

फाइलेरिया रोधी दवा का सेवन कर डीसी मनीष कुमार ने की

फाइलेरिया मुक्ति अभियान का आगाज

एनपीटी ब्यूरो

पाकुड़ (झा०खं०), 10 फरवरी से 25 फरवरी तक जिला में चलने वाले फाइलेरिया मुक्ति अभियान के शुभारम्भ को लेकर सोमवार को शहर के कस्तूरबा गांधी आवासीय विद्यालय में स्वास्थ्य विभाग की ओर से कार्यक्रम का आयोजन किया गया। आयोजित कार्यक्रम का उद्घाटन मुख्य अतिथि के तौर पर पहुंचे उपायुक्त मनीष कुमार, सिविल सर्जन डॉ मंटू कुमार टेकरीवाल एवं विशेष कार्य पदाधिकारी त्रिभुवन कुमार सिंह ने दीप प्रज्वलित कर किया। अभियान के तहत जिलें के 1189 गांवों एवं शहरी क्षेत्र में 21 वार्ड के 226220 घरों को आच्छादित किया जायेगा। उपायुक्त मनीष कुमार ने फाइलेरिया मुक्ति अभियान के तहत दिए जाने वाली दवा का सेवन किया। साथ ही उन्होंने स्कूली छात्रा समेत अपनी सुपुत्री को भी फाइलेरिया रोधक दवा की खुराक अपने हाथों से दिया। वही मौके पर मौजूद बच्चों और अभिभावकों को सम्बोधित करते हुए कहा कि फाइलेरिया बीमारी को जिला से मुक्त करने के लिए यह अभियान मील का पत्थर साबित होगा। उन्होंने कहा कि अभियान के तहत सभी लोगों को दवा का सेवन करना है। उन्होंने कहा कि स्वास्थ्य विभाग के द्वारा जो भी दिशा- निर्देश दिया जा रहा है, उसका अक्षरशः पालन करते हुए दवा का सेवन करना है। उपायुक्त ने कहा कि फाइलेरिया मुख्यतः मच्छर के काटने से होता है और इससे काफी लोग प्रभावित होते हैं। अल्बेंडाजोल की गोली निश्चित ही इससे हम लोगों को मुक्ति दिलाएगी। साथ ही उपायुक्त ने एक फाइलेरिया मरीज के बीच एमएमडीपी किट वितरित किया। दवा सेवन से पूर्व आवश्यक ध्यान देने योग्य बाते- दवा का सेवन भूखे पेट में नही करना है, साथ ही एक वर्ष से छोटे बच्चें, गर्भवती महिलायें एवं गंभिर रुप से बीमार व्यक्तिओं को दवा का सेवन नहीं करना है। यदि दवा सेवन के बाद सरदर्द, उल्टी, बुखार, चक्कर या बदन दर्द जैसी परिशानियां होती है, तो यह फाईलेरिया संक्रमन का संकेत है, जो दवा सेवन के बाद आपके शरीर में मौजूद फाईलेरिया कृमि के मरने के कारण यह प्रतिक्रिया हुई थी। फाईलेरिया क्या है- फाईलेरिया का संक्रमण संक्रमित मादा क्यूलैक्स मच्छर के काटने से फैलता है। फाईलेरिया मुख्यतः व्यक्ति के शरीर के चार अंगों को प्रभावित करता है, जिसमें पैर, हाथ, अण्डकोष एवं महिलाओं के स्तन शामिल हैं। संक्रमण के बाद बीमारी होने में 05 से 15 वर्ष लग सकते है। किसी भी उम्र के व्यक्ति फाईलेरिया से संक्रमित हो सकते है। फाईलेरिया से संक्रमित व्यक्तिओं के पैरों में सूजन आ जाती है, जिसे लिम्फोडेमा तथा आम भाषा में हाथीपांव भी कहा जाता है। संक्रमित पुरुष के अण्डकोष में सूजन आ जाती है, जिसे हायड्रोसील कहा जाता है। ससमय उपचार न होने पर यह बीमारी धीरे-धीरे व्यक्ति को दिव्यांगता की और अग्रसारित करता है। उपायुक्त ने कहा कि पाकुड़ जिला को फाइलेरिया मुक्त बनाने के लिए आमजन फाइलेरिया उन्मूलन अभियान में अपनी भागीदारी दे एवं निर्धारित तिथि को बूथ पर आकर फाइलेरिया रोधी दवा का सेवन करे एवं अपने परिजनों एवं आस-पास के लोगों को भी फाइलेरिया रोधी दवा खाने के लिए जागरूक करे। वही फाईलेरिया से बचाव- फाईलेरिया से बचाव हेतु अपने घर के आस-पास पानी जमा न होने दे। सोते समय मच्छरदानी का प्रयोग अवश्य करे एवं सरकार द्वारा वर्ष में एकबार एमडीए के दौरान खिलाई जाने वाली फाईलेरिया रोधी दवाओं का अवश्य सेवन करे। आपका सहयोग- प्रयास हमारा, फाइलेरिया मुक्त हो- पाकुड़ हमारा।

प्रोजेक्ट जागृति के तहत शिविर में किया गया निःशुल्क मोतियाबिंद ऑपरेशन

एनपीटी ब्यूरो

पाकुड़ (झा०खं०), बीजीआर माइनिंग एंड इंफ्रा लिमिटेड, इंडियन रेड क्रॉस सोसाइटी और जिला प्रशासन, पाकुड़ के संयुक्त तत्वावधान में पुराना सदर अस्पताल पाकुड़ में मोतियाबिंद शिविर का आयोजन किया गया। इस शिविर में मरीजों के आंखों का निःशुल्क आपरेशन डॉ० सुनील सुराना कोलकाता एवं उनकी टीम द्वारा किया गया। उपायुक्त मनीष कुमार ने कहा कि मुख्यमंत्री का सपना है कि राज्य के लोगों को बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं मिले। उसी के मद्देनजर जिला प्रशासन द्वारा प्रोजेक्ट जागृति चलाया जा रहा है। उपायुक्त ने कहा कि एक महीने पहले हेल्थ हूल महोत्सव का आयोजन किया गया था। आज उसी परिपेक्ष में लोगों का मोतियाबिंद का ऑपरेशन करवाया गया। सभी मरीजों ने चार दिन पहले पुराना सदर अस्पताल में लगाये गये शिविर में अपना-अपना निबंध किया था, उन सभी मरीजों का ऑपरेशन किया जा रहा है। इसमें रेड क्रॉस, बीजीआर कम्पानी, जिला प्रशासन की संयुक्त पहल है। उपायुक्त ने रेड क्रॉस के सदस्यगन एवं लाइंस क्लब को इसके लिए धन्यवाद दिया। कहा कि आगे भी निरन्तर इस तरह का शिविर जारी रहेगा। इसके लिए जिला प्रशासन लगातार प्रयासरत है।

आयुष जांच शिविर में 217 लोगों का किया गया स्वास्थ्य जांच, 75 लोगों को कराया योगाभ्यास

एनपीटी ब्यूरो

पाकुड़ (झा०खं०), हिरणपुर के दुगार्मंदिर- दंगापाड़ा एवं कदमटोला लिट्टीपाड़ा के चटकम, रामपुर एवं महेशपुर के दुवाराजपुर खास में आयुष विभाग की ओर से सोमवार को आयुष कैंप लगाकर करीब 217 लोगों का स्वास्थ्य जांच कर आवश्यक दवा दिया गया। डॉ अशोक मेहता, डॉ कुलेश कुमार, डॉ लवकुश यादव, डॉ मो० अफरोज आलम एवं डॉ राजेश यादव ने बताया की इस कैंप में आज रक्तचाप, मधुमेह, जॉइंट पेन, गठिया, बच्चों से संबंधित आदि रोगों का जांच निःशुल्क किया गया। साथ ही सभी को मुफ्त दवा भी दी गई। वहीं शिविर में आने वाले मरीजों को शुगर, ब्लड प्रेशर का भी जांच की गई। कैंप में योग प्रशिक्षक के द्वारा योगाभ्यास कराया गया। प्रशिक्षक ने बताया कि अगर मनुष्य अपनी जीवन शैली में सुधार कर लेता है तो वह रोगमुक्त जीवन यापन कर सकता है। अगर मनुष्य रोजाना 30 मिनट योग और संतुलित आहार का प्रयोग करें तो वह स्वस्थ रह सकता है। वही 11 फरवरी 2025 को हिरणपुर के दराज मठ, लिट्टीपाड़ा के तेशसो, पाकुड़ के ईलामी एवं अमड़ापड़ा के हरिजन टोला में आयुष जांच शिविर लगाकर लोगों को स्वास्थ्य से संबंधित जानकारी एवं जांच किया जायेगा।

परीक्षा पे चर्चा कार्यक्रम में राज्यपाल ने की भागीदारी

एनपीटी ब्यूरो

रांची, झारखण्ड राज्यपाल संतोष गंगवार, राज्य शिक्षा परियोजना निदेशक शशि रंजन,जेईपीसी के प्रशासी पदाधिकारी सचिदानंद दी. तिग्गा समेत स्कूली शिक्षा एवं साक्षरता विभाग के अन्य पदाधिकारी विद्यालय के छात्रों के साथ रांची के एएसटीवीएस डिस्ट्रिक्ट सीएम स्कूल ऑफ एक्सीलेंस में आयोजित परीक्षा पे चर्चा कार्यक्रम के आठवे संस्करण के प्रसारण कार्यक्रम में शामिल हुए। परीक्षा पे चर्चा 2025 कार्यक्रम ने झारखण्ड के विद्यार्थियों को परीक्षा को लेकर सकारात्मक दृष्टिकोण अपनाने की प्रेरणा दी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अपने संवाद के माध्यम से बच्चों को तनावमुक्त रहने, समय प्रबंधन करने और आत्मविश्वास के साथ परीक्षा की तैयारी करने के महत्वपूर्ण सुझाव दिया। वही महामहिम राज्यपाल संतोष गंगवार ने छात्रों को परीक्षाओ के लिए शुभकामनाएं दी। उन्होंने छात्रों से परीक्षा के दौरान आत्मविश्वास बनाये रखने और किसी भी विषय पर ध्यान केन्द्रित कर पढ़ने की सलाह दी। उन्होंने कहा कि हम सब वर्ष 2047 के विकसित भारत की कल्पना को साकार करने के लिए अपना सामूहिक योगदान दे। भारत 2047 में विश्व को दिशा देने का कार्य करेगा। महामहिम राज्यपाल ने कहा कि पढ़ाई, परिणाम और प्रतिष्ठा के लिए आत्मसंतोष और अनुशासन जरूरी है। प्रधानमंत्री ने जो बातें कही है, उसे छात्र अपने जीवन में उतारेंगे तो उन्हें निश्चित रूप से लाभ मिलेगा।

राज्यपाल ने ऑल इंडिया पुलिस ड्यूटी मीट का किया आगाज

एनपीटी

रांची, बीते सोमवार 10 फरवरी 2025 को राजधानी रांची में ऑल इंडिया पुलिस ड्यूटी मीट का शुभारम्भ हो गया है। कार्यक्रम का आयोजन रांची के खेलगांव स्टेडियम में दोपहर 12:30 बजे शुरू हुआ। कार्यक्रम का उद्घाटन राज्यपाल संतोष कुमार गंगवार ने किया। जबकि समापन समारोह में मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन उपस्थित रहेंगे। बता दे 15 फरवरी तक देश के कई राज्यों की पुलिस टीम के अलावे पैरामिलिट्री और सुरक्षा एजेंसियों के जांबाज अनुसंधान, राइफल-रिवाल्वर शूटिंग प्रतियोगिता, पुलिस वीडियोग्राफी और बैंड प्रतियोगिता में अपना हुनर दिखायेंगे। प्रतियोगिता में पुलिस और अर्ध सैनिक संगठन के करीब 1228 प्रतिभागी भाग ले रहे हैं। इनमें 1160 पुरुष व 68 महिला प्रतिभागी हैं। ड्यूटी मीट में डॉग स्क्वायड की 21 टीमें भी हिस्सा ले रही है, जिसमें 128 श्वान हैं। प्रतियोगिता के लिए 45 निर्णायक मंडली बनायी गयी है।

327 किसानों की सूची जरेडा रांची को प्रेषित करने की दी गई अनुमोदन

एनपीटी ब्यूरो

पाकुड़ (झा०खं०), उपायुक्त मनीष कुमार की अध्यक्षता में पीएम कुसुम योजनान्तर्गत दो एचपी सोलर पम्प हेतु प्राप्त आवेदनों के भौतिक सत्यापन के पश्चात जिला स्तरीय अनुश्रवण समिति द्वारा अनुमोदन हेतु बैठक आयोजित की गई। बैठक में समिति द्वारा योग 327 किसानों की सूची को जरेडा रांची को प्रेषित करने हेतु अनुमोदन दिया गया। साथ ही समेकित बिरसा ग्राम विकास योजना सह- कृषक पाठशाला के चितलो फार्म लिट्टीपाड़ा में संचालन हेतु डीपीआर पर चर्चा की गई एवं सम्बन्धित भवन निर्माण, लघु सिंचाई एवं विद्युत विभाग के अभियंता से समन्वय स्थापित कर कार्य को शीघ्र शुरू करने हेतु निर्देशित किया गया।

राजकीय माघी पूर्णिमा मेला में श्रद्धालुओं को पहली बार मेल एक्सप्रेस ट्रेन ठहराव का सुविधा मिलेगी- एमटी राजा

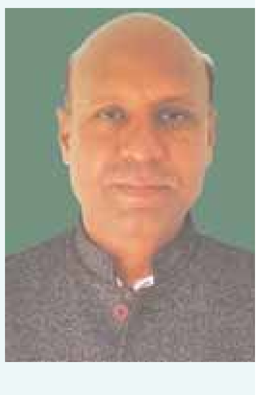

एनपीटी ब्यूरो, साहेबगंज, राजमहल विधानसभा क्षेत्र के विधायक एमटी राजा ने साझा किया कि राजकीय माघी पूर्णिमा मेला के अवसर पर तीनपहाड़ स्टेशन से गुजरने वाली सभी मेल एवं एक्सप्रेस ट्रेनों का ठहराव 10 फरवरी 2025 से 15 फरवरी 2025 तक किया जायेगा। उक्त आशय की जानकारी मालदा पीआरओ द्वारा दी गई है। ज्ञात हो कि 12 जनवरी 2025 को राजमहल स्टेशन के निरीक्षण में आये मालदा डीआरएम को प्रेषित पत्र में माघी मेला राजमहल गंगा तट पर स्नान करने आने वाले श्रद्धालुओं को होने वाली असुविधा के सम्बन्ध में जानकारी दी गई थी। वही मालदा मंडल द्वारा तीनपहाड़ रेलवे स्टेशन पर इस रूट से गुजरने वाले कई ट्रेनों का अस्थायी ठहराव किया गया है। यह ठहराव सोमवार 10 फरवरी से 15 फरवरी तक है, जहां दो मिनट ट्रेन रुकेगी। जिसमें 15657/ 15658 दिल्ली कामाख्या दिल्ली ब्रह्मपुत्र मेल, 13415) 13416 मालदा टाउन पटना मालदा टाउन एक्सप्रेस, 15647/ 15648 मुंबई लोकमान्य तिलक टर्मिनस - गुवाहाटी - मुंबई लोकमान्य तिलक टर्मिनस एक्सप्रेस और 13429 मालदा टाउन आनंद विहार टर्मिनल वीकली एक्सप्रेस ट्रेन शामिल है।

सड़क सुरक्षा के ध्यानार्थ एसपी ने वाहन चेकिंग का दिया

हेलमेट प्रयोग न करने पर होगी कारवाई

एनपीटी ब्यूरो

पुलिस अधीक्षक, पाकुड़ की अध्यक्षता में 10 फरवरी 2025 को मासिक अपराध गोष्ठी समीक्षा बैठक का आयोजन किया गया, जिसमें जनवरी माह में किये गये कार्यो की समीक्षा के उपरांत सभी थाना/ ओपी प्रभारी/ सम्बन्धित शाखा प्रभारी को कई आवश्यक दिशा- निर्देश दिया गया। बैठक के दौरान माह जनवरी 2025 में प्रतिवेदित एवं निष्पादित कांडों की समीक्षोपरांत पाया गया कि माह जनवरी 2025 में करीब 130 कांड प्रतिवेदित हुआ है एवं लगभग 136 कांडों का निष्पादन किया गया। जनवरी माह के अंत तक लंबित कुल 431 कांडों की संख्या को घटा कर 400 से नीचे लाने का लक्ष्य निर्धारित किया गया। वही बाबूराम भगत, पुलिस निरीक्षक, महेशपुर प्रभाग द्वारा माह जनवरी में करीब 10 साइबर कांडो का निष्पादन किया गया, उक्त सराहनीय कार्य के लिए उन्हें पुरस्कृत करने हेतु पुलिस उप-महानिरीक्षक, दुमका को अनुशंसा पत्र भेजा गया। साथ ही विगत दिनों में

पाकुड़िया एवं हिरणपुर थाना क्षेत्र में घटित चोरी/ लूट की घटना का उद्भेदन नहीं होने पर थाना प्रभारी पाकुड़िया एवं थाना प्रभारी हिरणपुर को भविष्य के लिए सचेत करते हुए एक सप्ताह के भीतर उक्त कांडों का उद्भेदन करने का निर्देश दिया गया। लंबित सभी यू.डी. कांडों को फरवरी माह के अंत तक निष्पादित करने समेत थाना/ओपी में लंबित सभी कांडों का विस्तृत समीक्षा कर प्रत्येक सप्ताह समीक्षा प्रतिवेदन समर्पित करने हेतु सभी पुलिस उपाधीक्षक/पुलिस निरीक्षक प्रभाग को निर्देशित किया गया। वही माह दिसम्बर के अंत तक प्रतिवेदन सभी कांडों का पर्यवेक्षण प्रतिवेदन 15 फरवरी.2025 तक समर्पित करने हेतु सभी पुलिस उपाधीक्षक/पुलिस निरीक्षक प्रभाग को निर्देशित किया गया। इसके अलावे कोयला चोरी एवं कोयला रोड में ट्रकों से ईंधन की किये जा रहे चोरी में संलिप्त लोगों को चिन्हित कर उनके विरुद्ध विधि सम्मत आवश्यक कारवाई करने एवं कोयला/ ईंधन चोरी पर पूर्णता अंकुश लगाने हेतु नियमित रूप से अभियान चलाए जाने का आदेश दिया गया। अवैध बालु/ पत्थर के उत्खनन/ परिवहन/ भंडारण के विरुद्ध जिला खनन टास्क फोर्स द्वारा चलाए जा रहे छापामारी अभियान के दौरान सभी आवश्यक सहयोग करने का निर्देश दिया गया। थाना क्षेत्र में पेट्रोलिंग पार्टी को मुस्तैदी के साथ भ्रमणशील रहने हेतु निर्देशित किया गया। साथ ही सभी थाना/ओपी प्रभारी को अपने स्तर से अभियान चलाकर लंबित वारंट/कुर्की का निष्पादन करने हेतु निर्देशित किया गया। वही पुलिस मुख्यालय एवं आम जनता से प्राप्त शिकायत पत्रों को त्वरित जांचोपरांत अग्रतर कारवाई करने समेत आये दिन हो रहे सड़क दुर्घटना के नियंत्रण एवं यातायात व्यवस्था सुदृढ़ करने के लिए जिला परिवहन पदाधिकारी से समन्वय स्थापित कर प्रतिदिन नियमित रूप से वाहन जांच अभियान चलाकर चालक का हेलमेट/ सिटबेल्ट/ रजिस्ट्रेशन/ इंश्योरेंस इत्यादि की जांच करने तथा ड्रंकन ड्राईव के विरुद्ध नियमित रूप से जांच अभियान चलाए जाने का निर्देश दिया गया। साथ ही न्यायालय से प्राप्त परिवाद पत्र पर त्वरित एफआईआर त्रक्षक्र करने का निर्देश दिया गया।

पशुपालन योजना से जुड़े जन जागरूकता रथ को डीसी ने दिखाया हरी झंडी

एनपीटी ब्यूरो

पाकुड़ (झा०खं०), उपायुक्त ने सोमवार को पशुपालन विभाग पाकुड़ की ओर से एसबीआईपी-एसएस योजना के जन जागरूकता रथ को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। उपायुक्त मनीष कुमार ने बताया कि यह योजना नई तकनीक पर आधारित है, जिसके जरिए कृत्रिम गभार्धान कराने पर मादा बछिया के जन्म की गारंटी दी जाती है। इस योजना के तहत लिंग परिष्कृत वीर्य से यह सुनिश्चित किया जाता है कि गर्भधारण के उपरांत केवल उन्नत नस्ल की बछिया का ही जन्म हो।

यह जागरूकता रथ पूरे जिले में इस योजना के व्यापक प्रचार- प्रसार एवं जन सामान्य के बीच योजना की जानकारी मुहैया कराने के उद्देश्य से रवाना की गई है जो अगले कई दिनों तक जिले के विभिन्न क्षेत्रों में भ्रमण कर लोगों को योजना के प्रति जागरूक करेगा।

एक महिला हो सकती हैं दिल्ली की अगली मुख्यमंत्री! पूरे देश को संदेश देने की तैयारी में भाजपा

नई दिल्ली। विधानसभा चुनाव में भाजपा की चार महिला नेता भी निर्वाचित हुई हैं। इनमें ग्रेटर कैलाश से शिखा राय, नजफगढ़ से नीलम पहलवान, वजीरपुर से पूनम शर्मा और शालीमार बाग से रेखा गुप्ता शामिल हैं।

प्रचंड जीत के बाद अब भाजपा में मुख्यमंत्री को लेकर मंथन शुरू हो गया है। साथ ही, पार्टी सोशल इंजीनियरिंग के लिहाज से उपमुख्यमंत्री बनाने पर भी चर्चा कर रही है। यहां मुख्यमंत्री के चेहरे को लेकर किसी महिला विधायक पर सहमति बन सकती है। खास बात यह है कि पार्टी मानकर चल रही है कि चुने हुए विधायकों में से ही सीएम का चेहरा होगा। देश की राजधानी जिसे पीएम मोदी रैली में मिनी इंडिया बताते रहे हैं, यहां से पूरे भारत को एक संदेश देने की तैयारी है।

चार महिलाओं ने दर्ज की जीत–दिल्ली विधानसभा चुनाव में भाजपा को बड़ी जीत मिली है। दो तिहाई बहुमत से सरकार भाजपा की बन रही है। इस जीत के साथ मुख्यमंत्री के नाम की चर्चा जोरों पर है। दरअसल, पार्टी ने मुख्यमंत्री पद का चेहरा घोषित किए बिना ही चुनाव मैदान में उतरी थी। पार्टी के शीर्ष नेतृत्व इस बारे में जल्द ही फैसला लेगी। दरअसल, हर उस

पहलु को ध्यान में रखा जा रहा है कि यहां से मैसेज पूरे देश में पहुंचे। दिल्ली विधानसभा में भाजपा की चार महिला भी जीत दर्ज की हैं।

महिला मुख्यमंत्री पर दी जा रही है दलील–विधानसभा चुनाव में भाजपा की चार महिला नेता भी निर्वाचित हुई हैं। इनमें ग्रेटर कैलाश से शिखा राय, नजफगढ़ से नीलम पहलवान, वजीरपुर से पूनम शर्मा और शालीमार बाग से रेखा गुप्ता शामिल हैं। पार्टी शीर्ष नेतृत्व इनके नामों पर भी तमाम पहलुओं पर चर्चा कर रहा है। एक पक्ष आधी आबादी को एक संदेश देना चाहता है। पूर्व मुख्यमंत्री आतिशी आप की दिग्गज नेता हैं। उन्हें नेता प्रतिपक्ष भी बनाया जा सकता है। उन्हें शासन चलाने का अनुभव भी है। अच्छी वक्ता भी हैं। ऐसे में सदन के दौरान उन्हें चुनौती देने के लिए किसी महिला को ही मुख्यमंत्री व उप मुख्यमंत्री बनाया जाए। पार्टी सूत्रों के अनुसार शीर्ष नेतृत्व इस पहलु पर भी ध्यान दे रहा है।

मंत्रीमंडल में दिखेगा सोशल इंजीनियरिंग भी

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने जीत के जश्न के दौरान यह स्पष्ट किया कि दिल्ली में सभी जाति, वर्ग और प्रवासी रहते हैं। उत्तर भारत से लेकर दक्षिण भारत के लोगों रहते हैं। दिल्ली विविधता भरा शहर है। ऐसे में पार्टी शीर्ष नेतृत्व मंत्रिमंडल में सभी वर्ग को तरजीह दे सकता है। जाट, गुर्जर, पूर्वांचली, पंजाबी, सिख और वैश्य समुदाय के लोगों को तरजीह दी जा सकती है। इस तरह के कई कद्दावर नेता भी जीतकर आए हैं। पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल को हरा कर प्रवेश वर्मा विधानसभा में पहुंचे हैं। इसी तरह एनडीएमसी के पूर्व उपाध्यक्ष सतीश उपाध्याय, गोवा व जम्मू के प्रभारी आशीष सूद, दो बार विधान सभा के नेता प्रतिपक्ष रहे विजेंद्र गुप्ता, छह बार एमएलए रहे मोहन सिंह बिष्ट के साथ ही संघ से जुड़े हुए भी कई विधायक निर्वाचित हुए हैं।

कुछ चौकाने वाले चेहरे भी हो सकते हैं

भाजपा राजनीतिक आखाड़े में प्रयोग भी करती है। हरियाणा, उत्तराखंड और मध्यप्रदेश में यह देखने को भी मिला है। ऐसे में पार्टी सूत्रों का कहना है कि दिल्ली मंत्रिमंडल में कुछ चौकाने वाले चेहरे भी दिखेंगे। साथ ही, भाजपा में कई कांग्रेस और आप के नेता भी शामिल हुए हैं। इन नेताओं का साथ भी मिला है और जीतकर विधानसभा पहुंचे हैं। इसमें मुख्य रूप से कांग्रेस के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष अरविंदर सिंह लवली, नीरज बसोया, पूर्व मंत्री कैलाश गहलौत, पूर्व मंत्री राज कुमार चौहान शामिल हैं। चौकाने वाले चेहरे की बात करें तो त्रिलोकपुरी से चुनाव जीतने वाले रविकांत उज्जैन, करनैल सिंह, उमंग बजाज समेत कई नेता पहली बार चुनाव जीते हैं।

भाजपा का दिल्ली LG को पत्र, मूल स्थिति में बहाल हो 'शीश महल', उल्लंघनों की जांच में लाई जाए तेजी

नेशनल प्रेस टाइम ब्यूरो

नई दिल्ली । प्रदेश अध्यक्ष वीरेंद्र सचदेवा ने कहा कि हमारी सरकारी बनने के बाद इस बात का फैसला करेगी कि इस बंगले का इस्तेमाल कैसे करना है। लेकिन हमारा मुख्यमंत्री इस घर में नहीं रहेगा।

भारतीय जनता पार्टी द्वारा आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल की घेराबंदी चुनाव के बाद भी जारी है। दरअसल भाजपा ने सोमवार को उपराज्यपाल को पत्र लिखकर अनुरोध किया है कि 'शीश महल' के साथ विलय की गई अन्य संपत्तियों को रद्द किया जाए। प्रदेश अध्यक्ष वीरेंद्र सचदेवा ने

कहा कि शीश महल' का विस्तार चार सरकारी संपत्तियों को मिलाकर किया गया है। बता दें कि 'शीश महल' का इस्तेमाल भाजपा ने हालिया विधानसभा चुनावों के दौरान भ्रष्टाचार के मुद्दों पर अरविंद केजरीवाल को घेरने के लिए एक राजनीतिक हथियार के रूप में किया था।

हमारा मुख्यमंत्री नहीं रहेगा इस बंगले में

सचदेवा ने कहा कि हमारी सरकारी बनने के बाद इस बात का फैसला करेगी कि इस बंगले का इस्तेमाल कैसे करना है। लेकिन हमारा मुख्यमंत्री इस घर में नहीं रहेगा। ज्ञात हो कि यह बंगला 2015 से अक्टूबर 2024 तक दिल्ली के मुख्यमंत्री के रूप में अरविंद केजरीवाल का आधिकारिक निवास था। लेकिन मुख्यमंत्री पद से इस्तीफा देने के बाद केजरीवाल ने इसे खाली कर दिया था।

गृह राज्य से सटी सीटों पर भी केजरीवाल रहे बेअसर

हरियाणा सीमा से सटी 11 सीटों में तीन पर ही जीत सकी आप

नई दिल्ली । राजधानी में 13 साल से राजनीतिक दलों को चौंकाने और सभी वर्गों में पैठ जमाने वाले आप संयोजक अरविंद केजरीवाल का अपने गृह राज्य हरियाणा की सीमा से सटी सीटों पर भी जादू नहीं चला।

राजधानी में 13 साल से राजनीतिक दलों को चौंकाने और सभी वर्गों में पैठ जमाने वाले आप संयोजक अरविंद केजरीवाल का अपने गृह राज्य हरियाणा की सीमा से सटी सीटों पर भी जादू नहीं चला। हरियाणा सीमा से सटीं 11 सीटों में से आठ पर भाजपा ने बाजी मारी, जबकि तीन पर आप जीत सकी, जबकि पिछले दो चुनावों में इन सीटों पर आप को बड़ी सफलता मिली थी।

हरियाणा सीमा से नरेला, बुराड़ी, बवाना, मुंडका, मटियाला, नजफगढ़, बिजवासन, महरौली, छतरपुर, तुगलकाबाद व बदरपुर सीटें हैं। इस बार चुनाव में इनमें से नरेला, बवाना, मुंडका, मटियाला, नजफगढ़, बिजवासन, महरौली व छतरपुर में भाजपा ने जीत हासिल की, जबकि बुराड़ी, तुगलकाबाद व बदरपुर में आप जीती। वर्ष 2015 के

चुनाव में इन 11 सीटों पर आप ने भाजपा व कांग्रेस का सूपड़ा साफ कर दिया था। उसने सभी 11 सीटें जीती थीं, जबकि वर्ष 2020 में इन 11 सीटों में से 10 सीटों पर आप ने बाजी मारी थी। बदरपुर में भाजपा ने उसे हरा दिया था, लेकिन इस बार बदरपुर में आप ने भाजपा को हरा दिया। ग्रामीण क्षेत्र की राजनीति पर गहरी नजर रखने वाले विशेषज्ञों का कहना है कि ग्रामीण मतदाता आम तौर पर प्रभावशाली और प्रसिद्ध उम्मीदवार को वोट देते हैं या फिर उस दल के पक्ष में मत डालते हैं जिसका बड़ा नेता उनके बीच का हो, लेकिन गत 10 वर्ष के दौरान आप ग्रामीण क्षेत्र के किसी नेता को ग्रामीणों के बीच सक्रिय नहीं कर सकी।

हालांकि, उसने ग्रामीण क्षेत्र के नजफगढ़ से दो बार विधायक रहे कैलाश गहलोत को मंत्री बनाया, लेकिन वह कभी भी ग्रामीण इलाके में सक्रिय नहीं रहे और चुनाव से पहले आप छोड़कर भाजपा में चले गए। इसके बाद उनके स्थान पर मंत्री बनाए गए नांगलोई के विधायक रघुवेंद्र शौकीन भी कैलाश गहलोत की तरह ग्रामीण इलाके में सक्रिय नहीं दिखे। वे इस चुनाव में हार गए। इसके अलावा ग्रामीणों में भी केजरीवाल व सहयोगियों की सीधी पकड़ नहीं है।

70 में से 31 विधायक दागी, भाजपा के सबसे अधिक 64 फीसदी नए विधायकों के पास स्नातक डिग्री

दिल्ली । दिल्ली चुनाव में जीत कर आए 70 में से 31 विधायक दागी हैं। इनमें भाजपा के सबसे ज्यादा हैं। पिछली बार 43 जीते विधायकों पर आपराधिक मामले दर्ज थे। प्रति उम्मीदवार औसत संपत्ति 2020 में 14.29 करोड़ से बढ़कर 22.04 करोड़ हो गई है।

दिल्ली विस चुनाव में इस बार आपराधिक मामले झेल रहे विधायकों की संख्या में कमी आई है। चुनाव अधिकार संस्था एसोसिएशन फॉर डेमोक्रेटिक रिफॉर्म्स

(एडीआर) के अनुसार पिछली बार की तुलना में इस बार 70 में से जीते हुए 31 विधायक ही ऐसे रहे जिनके खिलाफ आपराधिक मामले दर्ज हैं।

पिछली बार यही संख्या 43 थी। पार्टी के हिसाब से देखें तो भाजपा के 48 विधायकों में से 16 और आप के 22 विधायकों में से 15 के खिलाफ आपराधिक मामले दर्ज हैं। भाजपा के सात और आप के 10 विधायक गंभीर आपराधिक आरोपों का सामना कर रहे हैं।

एडीआर और दिल्ली इलेक्शन वॉच ने विधानसभा चुनाव लड़ने वाले सभी 699 उम्मीदवारों के हलफनामों का विश्लेषण किया और पाया कि गंभीर आपराधिक मामलों वाले विजयी उम्मीदवारों की संख्या अभी भी चिंता का विषय है।

रिपोर्ट में पाया गया कि 17 नवनिर्वाचित उम्मीदवारों पर गंभीर आपराधिक मामले चल रहे हैं, जिनमें हत्या के प्रयास और महिलाओं के खिलाफ अपराध से संबंधित मामले भी शामिल हैं।

2020 के चुनाव में 37 विजयी उम्मीदवारों ने गंभीर आपराधिक मामले घोषित किए थे। 2025 में एक नवनिर्वाचित विधायक ने हत्या के प्रयास से संबंधित मामले घोषित किए हैं, जबकि दो अन्य महिलाओं के खिलाफ अपराध के आरोपों का सामना कर रहे हैं।

70 नवनिर्वाचित विधायकों के पास कुल 1,542 करोड़ की संपत्ति

रिपोर्ट के अनुसार, 70 नवनिर्वाचित विधायकों के पास कुल 1,542 करोड़ रुपये की संपत्ति है। प्रति उम्मीदवार औसत संपत्ति 2020 में 14.29 करोड़ रुपये से बढ़कर 22.04 करोड़ रुपये हो गई है। भाजपा के विधायकों का संपत्ति चार्ट पर दबदबा है, जिनकी औसत संपत्ति मूल्य 28.59 करोड़ रुपये है, जबकि आप की 7.74 करोड़ रुपये है।

115 करोड़ रुपये से लेकर 259 करोड़ रुपये तक की संपत्ति वाले भाजपा के तीन उम्मीदवार विजयी हुए हैं। इसके विपरीत, आप के तीन उम्मीदवारों ने 20 लाख रुपये से कम संपत्ति घोषित की। 44 प्रतिशत विजयी उम्मीदवारों के पास 10 करोड़ रुपये या उससे अधिक की संपत्ति है, जबकि केवल 3 प्रतिशत की कुल संपत्ति 20 लाख रुपये से कम है।

भाजपा के परवेश वर्मा पर 74 करोड़ की देनदारी

23 विजयी उम्मीदवारों ने 1 करोड़ रुपये या उससे अधिक की देनदारियां घोषित कीं। इनमें भाजपा के परवेश वर्मा 74 करोड़ रुपये की देनदारी के साथ शीर्ष पर रहे। तीन सबसे धनी विधायक भी भाजपा से हैं, जिसमें करनैल सिंह 259.67 करोड़ रुपये, मनजिंदर सिंह सिरसा 248.85 करोड़ रुपये और परवेश वर्मा 115.63 करोड़ रुपये शामिल हैं।

64 फीसदी नए विधायकों के पास स्नातक डिग्री

64 प्रतिशत नए विधायकों के पास स्नातक या उससे ऊपर की डिग्री है, जबकि 33 प्रतिशत ने अपनी शैक्षणिक योग्यता कक्षा 5 से कक्षा 12 के बीच बताई। उम्र के मामले में, 67 प्रतिशत विजयी उम्मीदवार 41 और 60 के बीच हैं, जबकि 20 प्रतिशत 60 वर्ष से अधिक आयु के हैं।

महिलाओं की प्रतिनिधित्व घटा

इस बार महिलाओं का प्रतिनिधित्व घटा है। केवल पांच महिलाएं ही चुनी गई हैं, जो 2020 में आठ से कम है। फिर से चुने गए विधायकों की संपत्ति में वृद्धि पर भी प्रकाश डाला गया है। सदन के लिए फिर से चुने गए 22 उम्मीदवारों की औसत संपत्ति 2020 में 7.04 करोड़ रुपये से 25 प्रतिशत बढ़कर 2025 में 8.83 करोड़ रुपये हो गई है।

आप संयोजक अरविंद केजरीवाल के घर पहुंचे सत्येंद्र जैन, दिल्ली में हार को लेकर पार्टी में मंथन तेज

नेशनल प्रेस टाइम ब्यूरो

दिल्ली । दिल्ली के पूर्व मंत्री और आम आदमी पार्टी (आप) नेता सत्येंद्र जैन पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक और पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल के आवास पर पहुंचे हैं। दिल्ली विधानसभा चुनाव में हार के बाद से आप में हलचल तेज है। पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल ने कल यानी मंगलवार को पंजाब के सभी विधायकों को दिल्ली में बैठक के लिए बुलाया है।

हार कर भी खुश है कांग्रेस, प्रदेश अध्यक्ष देवेंद्र यादव बोले- आप को हराना था लक्ष्य, कामयाब रही पार्टी

नई दिल्ली । देवेंद्र यादव का कहना है कि इस यात्रा ने अपना उद्देश्य पूरा किया, क्योंकि कांग्रेस के प्रयासों के कारण 14 सीटों पर आप को नुकसान हुआ और वह सत्ता से बाहर हो गई। कांग्रेस का यह कदम केवल चुनावी हार से कहीं अधिक था।

दिल्ली विधानसभा के चुनाव में बुरी तरह हारने के बावजूद प्रदेश कांग्रेस के नेता परिणाम से खुश नजर आ रहे हैं। उनका मानना है कि इस बार उनका मुख्य उद्देश्य चुनाव जीतना नहीं, बल्कि आम आदमी पार्टी को हराना था और मजबूत उपस्थिति दर्ज कराने का अधिक लक्ष्य था। कांग्रेस इस लक्ष्य में काफी हद तक कामयाब हो गई है।

'नेशनल प्रेस टाइम्स'
दैनिक समाचार पत्र में एनसीआर के जनपदों के लिए ब्यूरो चीफ, तहसील ब्यूरो, संवाददाता व मार्केटिंग के लिए इच्छुक लड़के व लड़की सम्पर्क करें।
विज्ञापन, न्यूज, आदि के लिए संपर्क करें।
सुखपाल सिंह (संपादक)
प्रमोद मिश्रा (सह-संपादक)
8448184482
एस.के. राणा (सह-संपादक)
8938805409
पता : 209, द्वितीय तल, दुर्गा चैम्बर, आरडीसी, राजनगर, गाजियाबाद
फोन- 0120-4549844, मो. 9312606107
nationalpresstimes@gmail.com/
www.nationalpresstimes.com

नेशनल प्रेस टाइम्स की तरफ से मुफ्त कानूनी सलाह के लिए सम्पर्क कर सकते हैं।
एडवोकेट आदर्श कुमार राय
(इलाहाबाद हाईकोर्ट)
09415624173

स्वामी' प्रकाशक, मुद्रक एवं सम्पादक सुखपाल सिंह ने 209, द्वितीय तल, दुर्गा चैम्बर, आरडीसी, राजनगर, गाजियाबाद उत्तर प्रदेश से प्रकाशित एवं **बैकुंठ मीडिया, 47 बेसमेंट, नवयुग मार्केट, गाजियाबाद** (उत्तर प्रदेश) से मुद्रित। RNI No. : UPHIN/2015/64579 मुख्य कार्यालय-209, द्वितीय तल, दुर्गा चैम्बर, आरडीसी, राजनगर, गाजियाबाद। मो. 9312606107, फोन- 0120-4549844, **nationalpresstimes@gmail.com/ www.nationalpresstimes.com** नोटः- समाचार पत्र से संबंधित किसी भी विवाद के निपटारे के लिए न्याय क्षेत्र गाजियाबाद ही होगा। *पीआरबी अधिनियम के अनुसार समाचार चयन और संपादन के लिए उत्तरदायी। समाचार पत्र में छपने वाले विज्ञापन की सत्य/ असत्य की जानकारी स्वयं करें, किसी भी विज्ञापन की असत्यता की जिम्मेदारी समाचार पत्र की नहीं होगी।